राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 27, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली सोमवार 14 अगस्त 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

संत निरंकारी मिशन द्वारा पटेल नगर, मेहरौली और द्वारका में रक्तदान शिविर का आयोजन

.... पेज 03

स्वतंत्रता दिवस पर 9 करोड़ ग्रामीणों को घर-घर नल से जल का तोहफा देगी योगी सरकार

.... पेज 05

पीएसजी और किलियन एम्बाप्पे के बीच शीत युद्ध समाप्त, मुख्य टीम के साथ खेलने की अनुमति

.... पेज 07

15 अगस्त से पहले मणिपुर में बढ़ाई गई सुरक्षा

इंफार्ल। इंफाल घाटी स्थित कुछ प्रतिबंधित संगठनों द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर हड़ताल के आह्वान के बाद रविवार को मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बलों ने पांच जिलों के संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया और हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।

स्वतंत्रता दिवस की हो रही तैयारियां

राज्य भर में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। बीएसएफ, पुलिस और असम राइफल्स के जवान

और छात्र 15 अगस्त को होने वाले मार्च पास्ट की रिहर्सल में शामिल हो रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, शनिवार को चुराचांदपुर जिले के तुइबौंग इलाके के पीस ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस समारोह की रिहर्सल आयोजित की गई। बीएसएफ, पुलिस, छात्रों और असम राइफल्स की इक्कीस परेड टुकड़ियों ने तैयारियों में भाग लिया।

इंफाल में सुरक्षा बढ़ाई गई

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए राजधानी इंफाल में भी तैयारियां चल रही हैं और अस्थायी द्वार

संवेदनशील इलाकों में चलाया गया तलाशी अभियान

बनाए जा रहे हैं और होर्डिंग्स लगाए जा रहे हैं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कई उग्रवादी संगठनों द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर हड़ताल के आह्वान के बाद सुरक्षा उपाय काफी बढ़ा दिए गए हैं। समन्वय समिति (कोरकॉम) जैसे कई गैरकानूनी संगठनों ने स्वतंत्रता दिवस पर सुबह एक बजे से शाम 6.30 बजे तक आम हड़ताल का आह्वान किया। कोरकॉम में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट , पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और पीआरईपीएके सहित प्रतिबंधित समूह शामिल हैं।

मणिपुर में दो और प्रतिबंधित संगठनों ने भी अलग से 15 अगस्त को बंद का आह्वान किया है। मणिपुर पुलिस ने कहा, राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों द्वारा इंफाल-पश्चिम, इंफाल-पूर्व, थौबल, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया और 12 हथियार, छह गोला-बारूद और आठ विस्फोटक बरामद किए गए।

फुल ड्रेस रिहर्सल

अमृतसर के गुरु नानक स्टेडियम में 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान सेल्फी लेती पंजाब पुलिस की महिला कर्मी।

आग

दिल्ली के अलीपुर इलाके में एक गोदाम में लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी।

दिल्ली के अलीपुर में केमिकल फैक्ट्री में लगी आग

दिल्ली के अलीपुर में एक केमिकल फैक्ट्री में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि धुंए का गुबार दूर से ही नजर आ रहा था। घटना की जानकारी के बाद फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंची। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। आग लगने के बाद आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई।

मणिपुर हिंसा के 9 और मामलों की जांच सीबीआई के हवाले

एजेंसी के पास अब 17 केस, मैतेई महिला से गैंगरेप की भी जांच कर सकती है

इंफाल। मणिपुर हिंसा से जुड़े 9 और मामलों की जां चसीबीआई करेगी। न्यूज एजेंसी ने बताया कि जांच एजेंसी के पास अब कुल 17 केस हैं। सीबीआई ने अब तक 8 मामले दर्ज किए हैं, जिनमें मणिपुर में महिलाओं के कथित यौन उत्पीड़न से संबंधित दो मामले भी शामिल हैं।

अधिकारियों का कहना है कि सीबीआई के पास और केस भी आ सकते हैं। इसमें खासकर महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न, कुकी महिला के वायरल वीडियो के मामले शामिल होंगे। इसके अलावा 9 अगस्त को मैतेई महिला से गैंगरेप का मामला सामने आया था। इसकी जांच भी सीबीआईको दी जा सकती है।

दरअसल, राज्य में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से जारी हिंसा में 160 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मणिपुर में 6523 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 11 केस महिलाओं और बच्चों की हिंसा से जुड़े हैं।

मणिपुर हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा मौतें

मणिपुर हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें 3-5 मई के बीच 59 लोग, 27 से 29 मई के बीच 28 लोग और 13 जून को 9 लोगों की हत्या हुई थी। 16 जुलाई से लेकर 27 जुलाई तक हिंसा नहीं हुई थी।

सीबीआई को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

अधिकारियों ने कहा कि राज्य में समाज जातीय आधार पर बंटा हुआ है, ऐसे में जांच एजेंसी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सीबीआई पर पक्षपात का आरोप भी लग सकता है कि वो एक समुदाय से मिली हुई है। ऐसे में बेहद गंभीरता के साथ आगे की जांच की जा रही है।

एसआईटी की 42 टीमें हिंसा के मामलों की जांच करेंगी

सुप्रीम कोर्ट ने 7 अगस्त को कहा था कि मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों की 42 स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमें जांच करेंगी। इन एसआईटी के काम की निगरानी डीआईजी रैंक का अफसर करेगा। ये अफसर मणिपुर के बाहर का होगा। डीआईजी रैंक का एक अफसर 6 एसआईटी की निगरानी करेगा। इन एसआईटी की जिले के आधार पर नियुक्ति होगी।

नूंह में हिंसा के बाद फिर निकलेगी ब्रजमंडल यात्रा

हिंदू महापंचायत में फैसला; ग्रामीणों को आर्म्स लाइसेंस

एजेंसी

नूंह/पलवल। हरियाणा के नूंह में फिर ब्रजमंडल यात्रा निकालने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए 28 अगस्त का दिन तय किया गया है। हालांकि प्रशासन से बातचीत के बाद तारीख आगे-पीछे भी की जा सकती है। यह फैसला रविवार को पलवल में हुई हिंदू महापंचायत में लिया गया।

31 जुलाई को इसी यात्रा के दौरान जमकर हिंसा और आगजनी हुई थी। जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा दंगों की जांच एनआईए से करवाने, नूंह में बसे रोहिंग्या को बाहर निकालने और फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस एमएलए मामन खान को भी तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की गई।

महापंचायत की 4 प्रमुख मांगें

1. महापंचायत में सर्वसम्मति से गठित 51 लोगों की कमेटी ने नूंह दंगों में मारे

गए लोगों के परिवारों को एक-एक करोड़ का मुआवजा व सरकारी नौकरी और घायलों को 50-50 लाख रुपए देने की मांग की।

2. नूंह जिले को खत्म करने के साथ-साथ वक्ताओं ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बदलने की डिमांड भी की।

3. भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव रतन सिंह सोरोत ने कहा कि दंगाइयों पर नूंह में दर्ज किए गए सभी मुकदमों को गुरुग्राम या किसी दूसरे जिले में ट्रांसफर वहां इनकी सुनवाई फास्ट ट्रैक करवाई जाए।

शाह और पटेल ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के अंतर्गत रविवार को अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से घाटलोडिया वार्ड कार्यालय से निर्णय नगर तक आयोजित की गई भव्य 'तिरंगा यात्रा' को घाटलोडिया से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

तिरंगा यात्रा के दौरान श्री शाह के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और पटेल के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्र भक्ति का शानदार नजारा देखने को मिला। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के वर्ष को एक बहुत ही उम्दा भाव के

साथ जनता के समक्ष रखा है। वर्ष 1857 से 1947 तक 90 वर्ष आजादी के लिए संघर्ष करने के बाद हमें यह अनमोल आजादी प्राप्त हुई थी।

उन्होंने कहा कि हमें मिली आजादी के पीछे लाखों-करोड़ों लोगों ने 90 वर्षों तक संघर्ष किया और बलिदान दिया था। अनेक वीर सपूतों और क्रांतिकारी युद्ध के मैदान में वीर गति को प्राप्त हुए। भगत सिंह, खुदीराम बोस और बाबू कुंवर सिंह सहित कई वीर शहीद हंसते-हंसते 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे के साथ वीर गति को प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि देश के वीर सपूतों का बलिदान केवल बलिदान ही नहीं है। उनका बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ी और देश के लिए जीवन जीने के संस्कार हैं।

एयरफोर्स ने 68 हजार जवानों को लद्दाख पहुंचाया

90 टैंक भी एयरलिफ्ट किए, फाइटर प्लेन की स्क्वॉड्रन तैयार; गलवान जैसी झड़प से बचने की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 68 हजार से ज्यादा जवानों को तैनात किया है। इसके अलावा एयरफोर्स की मदद से करीब 90 टैंकों और वेपन सिस्टम्स को भी लद्दाख ले जाया गया।

सुखोई एसयू-30 एमकेआई और जगुआर जैसे प्लेन्स से दुश्मन के जमावड़े पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही थी।

रक्षा और सुरक्षा प्रतिष्ठान के शीर्ष सूत्रों ने यह जानकारी दी है। लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को चीनी सैनिकों के साथ भारतीय जवानों की झड़प हुई थी।

सूत्रों ने कहा कि भारतीय एयरफोर्स

के परिवहन बेड़े ने एक विशेष अभियान के तहत एलएसी के साथ विभिन्न दुर्गम क्षेत्रों में तुरंत तैनाती के लिए सैनिकों और हथियारों को बहुत कम समय के भीतर पहुंचाया था।

इनमें सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और सी-17 ग्लोबमास्टर विमान शामिल थे। कुल 9,000 टन भार ढोया गया था। सूत्रों ने यह भी बताया कि पिछले कुछ सालों में एयरफोर्स की स्ट्रैटजिक एयरलिफ्ट क्षमता बढ़ी है। बढ़ते तनाव को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने चीनी गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के लिए क्षेत्र में बड़ी संख्या में दूर से संचालित विमान भी तैनात किए थे।

गलवान घाटी में घुसपैठ

15 जून 2020 को चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को जमा किया था। इसके बाद कई जगह पर घुसपैठ की घटनाएं हुई थीं। भारत सरकार ने भी इस इलाके में चीन के बराबर संख्या में सैनिक तैनात कर दिए थे। हालात इतने खराब हो गए कि एलएसी पर गोलियां चलीं। इसी दौरान 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। बाद में भारत ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया था। इसमें करीब 60 चीनी जवान मारे गए थे।

प्लेन से रख रहे थे सटीक निगरानी

न्यूज एजेंसी ने रक्षा सूत्रों के हवाले से बताया कि विमानों से निगरानी की सीमा लगभग 50 किमी थी। सेना ने सुनिश्चित किया कि चीनी सैनिकों की स्थिति और गतिविधियों पर सटीक निगरानी रखी जाए। खुफिया जानकारी भी लगातार इकट्ठा की जा रही थी। इसके अलावा फाइटर प्लेन्स की कई स्क्वाड्रन आक्रामक मुद्रा में आ गए थे। 330 बीएमपी पैदल सेना के लड़ाकू वाहन, रडार सिस्टम, तोपखाने, बंदूकें और कई अन्य उपकरण भी लद्दाख ले जाए गए थे।

मरीजों की मौत

12 की उम्र 50 साल से ज्यादा; 13 मरीज आईसीयू में थे

महाराष्ट्र: ठाणे के अस्पताल में 48 घंटों में 18 की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में 48 घंटे (शुक्रवार दोपहर से रविवार दोपहर तक) में 18 मरीजों की मौत हुई। इनमें 10 महिलाएं और 8 पुरुष हैं। नगर निगम आयुक्त अभिजीत बांगर ने बताया- कुछ मरीज पहले से ही किडनी, निमोनिया, लकवा जैसी बीमारियों से जूझ रहे थे। वहीं, कुछ लोगों को सड़क हादसे में घायल होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मरने वाले मरीजों में से 12 की उम्र 50 साल से ज्यादा थी। मुख्यमंत्री को मामले की जानकारी दी गई है। इसकी निष्पक्ष जांच होगी।

स्टेट हेल्थ मिनिस्टर तानाजी सावंत ने बताया था कि अस्पताल में 17 मरीजों की मौत हुई है। इनमें से 13 आईसीयू में थे।

उन्होंने बताया कि 17 में से 6 मरीज ठाणे से, 4 कल्याण से, 3 साहपुर से हैं। भिवंडी, उल्हासनगर और गोवंडी से एक-एक और एक मरीज के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

तानाजी सावंत ने बताया कि कुछ दिन पहले भी अस्पताल में पांच मरीजों की मौत हुई थी। अस्पताल के डीन से मामले की रिपोर्ट मांगी गई है। अस्पताल राज्य चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग के अंतर्गत आता है।

नगर निगम आयुक्त अभिजीत बांगर ने मीडिया को बताया- मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्थिति के बारे में जानकारी ली है।

उन्होंने मामले की स्वतंत्र जांच के लिए 3 मेंबर्स की एक कमेटी बनाई है। कमेटी मरीजों के इलाज से जुड़े पहलुओं की जांच करेगी। मृतकों के परिजन अस्पताल पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

संवाददाताओ से बात करते हुए डिप्टी कमीश्नर ऑफ पुलिस गणेश गावड़े ने बताया- हमें पिछले 24 घंटों में 17 मौतों की जानकारी मिली है। जबकि अस्पताल में हर रोज 6 से 7 मरीजों की मौत होती है। अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, कुछ मरीजों की हालत गंभीर थी जबकि कुछ बुजुर्ग थे। अस्पताल में इतने मरीजों की मौत के बाद पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है।

एनसीपी चीफ शरद पवार ने इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि हाल ही में अस्पताल में सुविधाओं की कमी से एक ही दिन 5 मरीजों की मौत हुई थी। इसके बाद भी प्रशासन नहीं जागा।

असम बाढ़ : चार नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रहीं, 75 हजार लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति रविवार को और बिगड़ गई और 75 हजार से अधिक लोग इससे प्रभावित हुए हैं। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की रिपोर्ट में कहा गया है कि शिवसागर जिले में एक व्यक्ति की बाढ़ संबंधी घटना में मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि इसी के साथ राज्य में बाढ़ संबंधी घटनाओं में मारे गए लोगें की संख्या बढ़कर 12 हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य की कम से कम चार अहम नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उन्होंने

बताया कि ब्रह्मपुत्र नदी जहां धुबरी और नेमातीघाट में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, वहीं दिसांग नदी शिवसागर जिले के नांगलामुराघाट और दिखोउ में खतरे के निशान को पार कर गई है। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में आठ जिलों में बाढ़ की स्थिति है और 75,209 लोग प्रभावित हैं।

अधिकारियों ने बताया कि धेमाजी जिला में बाढ़ की सबसे खराब स्थिति है और इससे 46,754 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर शिवसागर जिला है, जहां 22,650 लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 1,515 बाढ़ प्रभावित नौ राहत शिविरों में रह रहे हैं और 52 राहत वितरण केंद्र कार्यरत है।

संकल्प की सिद्धि में तन मन से जुट जाएं कार्यकर्ता : डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवम प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेई 10बजे पूर्वाह्न नई दिल्ली से रांची पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू, महानगर जिला अध्यक्ष केके गुप्ता सहित महानगर के कार्यकर्ताओं ने किया। प्रदेश कार्यालय में उन्होंने आजसू प्रमुख सुदेश महतो से मुलाकात की एवम प्रदेश में एन डी ए की मजबूती और डुमरी उपचुनाव के संबंध में चर्चा की। प्रदेश कार्यालय में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने डॉ वाजपेई का अंगवस्त्र एवम स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया।

नई दिल्ली
सोमवार 14 अगस्त 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

ड्रोन और साढे तीन किलो हेरोइन बरामद

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के सीमावर्ती जिलों से तीन अलग-अलग घटनाओं में एक ड्रोन और तीन किलो 530 ग्राम हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि रविवार सुबह विशेष सूचना मिलने पर बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त रूप से जिला तरनतारन के गांव लखना के बाहरी इलाके में तलाशी अभियान चलाया। उन्होने बताया कि क्षेत्र की तलाशी के दौरान, सैनिकों ने गांव के पास एक कुएं से ईंटों से बंधी प्लास्टिक की थैली में रखा हुआ एक क्वाडकॉप्टर ड्रोन टूटी हुई हालत में बरामद किया। प्रवक्ता ने बताया कि बीएसएफ के जवानों ने आज सुबह जिला अमृतसर के गांव धनोए कलां के बाहरी इलाके में तलाशी अभियान दौरान एक खेत से पीले चिपकने वाले टेप में लिपटी हुई 530 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया है। इसी प्रकार बीएसएफ और पुलिस के जवानों ने जिला फिरोजपुर के गांव माचीवाड़ा के बाहरी इलाके में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया । तलाशी के दौरान, सैनिकों ने धान के खेतों से तीन किलो हेरोइन के 03 पैकेट बरामद किए। यह खेप काले रंग के बैग के अंदर रखी हुई थी।

निर्माण कंपनी का कर्मचारी 20 फीट गहरे कुंए में दबा, बचाव कार्य जारी

जालंधर। दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे के निर्माण के दौरान करतारपुर-कपूरथला रोड पर गांव बसरामपुर में पुल बनाने के लिए खोदे जा रहे कुए के ढहने से एक कर्मचारी 20 फीट नीचे दबा गया। अतिरिक्त उपायुक्त (शहरी विकास) जालंधर जसबीर सिंह ने रविवार को बताया कि देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सूचना मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए राहत कार्य के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम को तैनात किया गया। इसके अलावा मिट्टी हटाने के लिए भारी मशीनरी का भी इस्तेमाल किया जा रहा है और स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक एम्बुलेंस और एक मेडिकल टीम भी तैनात की गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार कुआं बनाने के काम के दौरान कंस्ट्रक्शन कंपनी की बोरिंग मशीन फंस गई, जिसे निकालने के लिए दिल्ली से दो तकनीकि कर्मचारियों को बुलाया गया था। काम करने वाली कंपनी के पास 25 साल का अनुभव था और तकनीकी कर्मचारी पूरे बचाव उपकरणों से लैस होकर बोर में उतरे थे। लेकिन बोर की सफाई करते समय अचानक हुए हादसे में कर्मचारी सुरेश करीब 20 मीटर नीचे फंस गया। अतिरिक्त उपायुक्त (शहरी विकास) जालंधर जसबीर सिंह पूरे बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

रोडवेज अनुबंधित बस ने तीन साइकिल सवारों को कुचला, एक की मौत

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में कोतवाली थाना इलाके में पदमपुर मार्ग पर कोढिया पुली के पास रोडवेज से अनुबंधित एक बस की टक्कर लगने से एक साइकिल व्यक्ति की मौत हो गयी तथा दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना की जांच कर रहे केंद्रीय बस अड्डा पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई राकेश शर्मा ने बताया कि पुरानी आबादी निवासी बंसी चौधरी,साहिल तथा रितिक कल रात पदमपुर मार्ग पर एक मैरिज पैलेस में वेटर का काम कर वापस अपने घर आ रहे थे। रात्रि लगभग 11 बजे कोढिया पुली के पास केंद्रीय बस अड्डा से अंबिका सिटी की ओर जा रही राजस्थान रोडवेज अनुबंधित बस की टक्कर लगने से तीनों घायल हो गए। बस को अंबिका सिटी के पास एक प्राइवेट पार्किंग स्पेस में खड़ी करने के लिए ले जाई जा रही थी। दुर्घटना में (65) निवासी पुरानी आबादी की मौत हो गई। दो घायलों साहिल (25)और रितिक (30) का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने आज पोस्टमार्टम करवाने के बाद लाश परिवार वालों को सौंप दी। बस के चालक पर लापरवाही के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

कुल्हाड़ी से पत्नी और बेटे की हत्या कर आत्महत्या का प्रयास

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में पदमपुर थाना क्षेत्र के चक 2-एनएन में आज एक व्यक्ति ने कुल्हाड़ी से सोते हुए पत्नी और बेटे की हत्या कर दी। आत्महत्या करने के लिए उसने कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया। यह शख्स श्रीगंगानगर के एक हॉस्पिटल में गंभीर हालत में उपचाराधीन है। पुलिस ने मृतका के भाई द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर उसके खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आज सुबह लगभग 5 बजे सूचना प्राप्त हुई कि चक 2- एनएन में रुपिंदरकौर (38) और उसके बेटे हरमीतसिंह (13) की घर में सोते समय हत्या कर दी गई है। हत्या करने का आरोपी जसपालसिंह जटसिख (43) अपने काम से काफी दूर चूनावढ थाना क्षेत्र के गांव लाधूवाली में बेहोश पड़ा है। जसपालसिंह को तत्काल ही एंबुलेंस के जरिए श्रीगंगानगर के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। घटना की सूचना मिलती ही थाना प्रभारी संजयसिंह राठौड़ और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। घर के एक कमरे में रुपिंदरकौर और हरमीत सिंह की खून से लथपथ शव पडे थे।

बैठक में कांग्रेस की अंर्तकलह खुलकर सामने आई

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा है कि कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में उसकी अंर्तकलह खुलकर सामने आ गई है। जोशी रविवार को ''विजय बूथ संकल्प विधानसभा सम्मेलन'' के तहत सिविल लाईन्स विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में केंद्र की मोदी सरकार ने विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र की सरकार पर बीते नौ सालों में भ्रष्टाचार के कोई दाग नहीं हैं जबकि राजस्थान में खुद गहलोत सरकार के मंत्री ही सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। जिसमें लाल डायरी मामले में मंत्री गुढा को सच बोलने पर मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के बीच भी आंतरिक कलह पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक में खुलकर सामने आ गई।

लूट के मामले में चार कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

सुपौल। बिहार में सुपौल जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र में पूर्व में हुई लूट की घटना का उद्भेदन करते हुए पुलिस ने चार कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शैशव यादव ने रविवार को बताया कि सात जून को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 106 पर एक निजी कम्पनी के कर्मचारी से कुछ अपराधियों ने छत्तीस हजार रुपए से अधिक राशि लूट ली थी। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए वैज्ञानिक साक्ष्य के आधार पर सभी चार आरोपियों की पहचान की गई और संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी गयी। छापेमारी में सुशील कुमार शर्मा (मधेपुरा जिला), प्रभास कुमार गुप्ता, राजू मंडल और सूरज राज को गिरफ्तार किया । पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुशील कुमार शर्मा के पास से एक लोडेड देसी पिस्तौल बरामद किया गय। बरामद की गई है । सुशील पर हत्या , आर्म्स एक्ट और बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 के अन्तर्गत मामले लंबित हैं।

एनटीपीसी के बिजली घरों में हाई अलर्ट

भागलपुर। देश में अराजक तत्वों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एनटीपीसी लिमिडेट के बिहार और पश्चिम बंगाल में स्थित बिजली घरों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि अराजक तत्वों के वारदातों की संभावना को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर बिहार के कहलगांव, बाढ़, नवीनगर और पश्चिम बंगाल के फरक्का में अवस्थित एनटीपीसी के बिजली घरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहां पर कार्यरत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के द्वारा चौबीस घंटे तलाशी और गश्ती अभियान चलाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि बिजली घरों के मुख्य कार्यस्थल, सीएचपी, बॉयलर एरिया, स्वीच यार्ड ,टरबाइन एरिया सहित अन्य संवेदनशील इलाकों में केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवान स्थानीय और बाहर के संविदा एजेंसियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रही है। इसके साथ ही सादे लिबास में जवानों की तैनाती की गई हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी

मोदी करेंगे लाल किले पर समारोह का नेतृत्व

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले पर 77 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी हो गयी हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अगस्त को देश भर में मनाये जाने वाले आजादी के इस उत्सव के मौके पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे तथा इस ऐतिहासिक स्मारक की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे।

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह का समापन होगा। प्रधानमंत्री ने 12 मार्च, 2021 को गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम से इसका शुभारंभ किया था। इसके साथ ही वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के श्री मोदी के सपने को साकार करने के लिए देश नए उत्साह के साथ 'अमृत काल' के इस सफर आगे बढेगा। स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए कई नई पहल की गई हैं। पिछले साल की तुलना में इस वर्ष बड़ी संख्या में अतिथियों को आमंत्रित किया गया है।

लाल किले पर आयोजित समारोह का हिस्सा बनने के लिए देश भर से विभिन्न व्यवसायों से जुड़े लगभग 1,800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह पहल सरकार के 'जनभागीदारी' दृष्टिकोण के अनुरूप की गई है।

इन विशिष्ट अतिथियों में 660 से अधिक जीवंत गांवों के 400 से अधिक सरपंच, किसान उत्पादक संगठन योजना से जुड़े 250 लोग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के 50-50 प्रतिभागी, नये संसद भवन सहित सेंट्रल विस्टा परियोजना से जुड़े 50 श्रम योगी (निर्माण श्रमिक), 50-50 खादी कार्यकर्ता, सीमा पर स्थित सड़कों के निर्माण, अमृत सरोवर और हर घर जल योजना से जुड़े लोगों के साथ-साथ 50-50 प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक, नर्स और मछुआरे शामिल हैं।

इनमें से कुछ विशिष्ट अतिथियों का दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा करने और रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

प्रत्येक राज्य और केन्द्र-शासित प्रदेश से पचहत्तर दंपत्तियों को भी उनकी पारंपरिक पोशाक में लाल किले में आयोजित समारोह को देखने के लिए आमंत्रित किया गया है।

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, इंडिया गेट, विजय चौक, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, प्रगति मैदान, राजघाट, जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन, राजीव चौक मेट्रो स्टेशन, दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन, आईटीओ मेट्रो गेट, नौबत खाना और शीश गंज गुरुद्वारा सहित 12 स्थानों पर सरकार की विभिन्न योजनाओं और पहलों को समर्पित सेल्फी प्वाइंट स्थापित किए गए हैं।

इन योजनाओं और पहलों में वैश्विक उम्मीद, टीके और योग, उज्ज्वला योजना, अंतरिक्ष शक्ति, डिजिटल इंडिया, कौशल भारत, स्टार्ट-अप इंडिया, स्वच्छ भारत, सशक्त भारत, नया भारत, पॉवरिंग इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन शामिल हैं।

मोदी ने किया छत्तीसगढ़ के लोगों का अपमान : खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर हिंसा की तुलना छत्तीसगढ़ से करके छतीसगढ़ के लोगो का अपमान किया है।

खड़गे ने मणिपुर हिंसा को लेकर मोदी की टिप्पणी पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि जो हालात मणिपुर के हैं और वहां जिस तरह की हिंसा हो रही है उसकी तुलना अन्य राज्यों से नहीं की जा सकती लेकिन मोदी ने इसकी तुलना छत्तीसगढ़ से की है जो छत्तीसगढ़ के लोगों का अपमान है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा ,मैं 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधि हूँ । उनका अकेला लीडर हूँ।

खड़गे ने कहा, हमें लगा कि लोगों के नेता राज्यसभा में आयेंगे लेकिन उन्होंने अपना मौन नहीं तोड़ा। उल्टा बोला कि हम चर्चा को तैयार हैं। अमित वही जवाब देंगे। कैप्टेन तो एक ही होता है।

जैसे भूपेश बघेल जी हैं और उनके मंत्री गण हैं। रूल 167 में हम चर्चा चाहते थे।

उन्होंने कहा कि आखिरी में जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी बात रखी तो उसका जवाब प्रधानमंत्री ने नहीं दिया । केवल कांग्रेस का मज़ाक़ उड़ाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा, प्रधानमंत्री कितने नाटक करते है। पार्लियामेंट की सीढ़ी को माथा टेका। इतना नाटक करते हैं कि संसद में होने के बजाय किसी नाटक कंपनी में होना चाहिए।

फूड सप्लाई विभाग के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर की चार संपत्तियां ज़ब्त

चंडीगढ़। पंजाब सतर्कता ब्यूरो की ओर से राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के पूर्व उपनिदेशक राकेश कुमार सिंगला और उसकी पत्नी रचना सिंगला की लुधियाना स्थित चार संपत्तियाँ ज़ब्त की गई हैं। यह कार्रवाई डॉ. अजीत अतरी स्पेशल जज, लुधियाना की अदालत द्वारा आठ अगस्त, 2023 को जारी ऐड अंतरिम अटैचमैंट ऑर्डर के अंतर्गत की गई। उल्लेखनीय है कि पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत भूषण आशु, उसके नज़दीकी राकेश कुमार सिंगला और अन्यों के विरुद्ध साल 2020-21 के लिए अलग-अलग ठेकेदारों को लेबर, ढुलाई के टैंडरों की ग़ैर-कानूनी अलॉटमैंट के सम्बन्ध में थाना विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना रेंज में 16 अगस्त 2022 को आई.पी.सी. की धारा 420, 409, 467, 468, 471, 120 बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कानून की धारा 7, 8, 12, 13 (2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में मुलज़िम राकेश कुमार सिंगला को तीन दिसंबर 2022 को भगौड़ा घोषित किया गया था और उसके ख़िलाफ़ रैड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया है। राकेश कुमार सिंगला ने विभाग में अपनी तैनाती के दौरान और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की केंद्रीय विजीलैंस समिति के चेयरमैन के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान कई संपत्तियाँ खरीदी थीं।

कैंटर और कार की टक्कर में दो युवकों की मौत, चार घायल

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले के हांसी में रविवार सुबह बाइपास पर कैंटर और कार की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई तथा चार अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि हादसा सुबह करीब पौने छह बजे हुआ। जब राजस्थान नम्बर की कार की बाईपास पर बरवाला पुल से आ रहे कैंटर से टक्कर हो गई। इस घटना में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। वहीं कैंटर चालक और कंडक्टर समेत चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। घायलों को उपचार के लिए हिसार रेफर किया गया है।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे अधिकांश आतंकवादियों को मार गिराया गया : सिंह

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने रविवार को कहा कि सीमा पार से घुसपैठ की अधिकांश कोशिशें नाकाम कर दी गई और इस पार आने की कोशिश कर रहे अधिकत्तर आतंकवादियों को मार गिराया गया।

डीजीपी ने यहां एक 'तिरंगा रैली' के मौके पर संवाददाताओं से कहा, इस साल सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों के दौरान सीमा पर सभी बड़ी मुठभेड़ें हुईं। हमने घुसपैठ की सभी कोशिशों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया है और जो आतंकवादी इस तरफ घुसने की कोशिश कर रहे थे, उन्हें मार गिराया गया।

उन्होंने कहा कि अब तक सीमा पार से घुसपैठ की सभी बड़ी कोशिशों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया है।

सिंह ने कहा, मौजूद आतंकवादियों की संख्या गिनने की कोई ज़रूरत नहीं है, लेकिन हमें लगातार सतर्क रहना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान अभी भी सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को लुभाने के लिए सभी प्रयास कर रहा है।

डीजीपी ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों को यह एहसास हो गया है कि उग्रवाद ही विनाश का रास्ता है। उन्होंने लोगों को बधाई देते हुए कहा, अभी भी कुछ गुमराह लोग हैं जिन्हें शांति से अपना जीवन जीने के लिए मुख्यधारा में शामिल होने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि लोगों और परिवार के सदस्यों को भी अपने बच्चों पर नजर रखने और उनकी देखभाल करने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है ताकि वे पाकिस्तान के नापाक मंसूबों का शिकार न बनें।

हिमाचल में बारिश से जनजीवन प्रभावित, भूस्खलन से 452 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून जमकर बरस रहा है। राज्य भर में व्यापक बारिश का दौर जारी है। इससे विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन होने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार सुबह तक राज्य भर में भूस्खलन से दो राष्ट्रीय राजमार्ग और 452 सड़कें बंद हैं।

इसके अलावा 1814 बिजली ट्रांसफार्मर और 59 जलापूर्ति योजनाएं भी ठप हैं। मंडी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। इस जिला में 236 सड़कें और 1335 बिजली ट्रांसफार्मर बंद पड़े हैं। शिमला में 59, बिलासपुर में 40, कुल्लू में 39, हमीरपुर में 28 और सोलन में 21 सड़कें अवरुद्ध हैं।

हमीरपुर में 445 ट्रांसफार्मर खराब होने से कई गांवों में बिजली गुल है। भूस्खलन से मंडी जिला में मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे-21 और सोलन जिला में कालका-शिमला नेशनल हाईवे पर वाहनों की आवाजाही ठप है।

शिमला जिला में रात भर हुई भारी वर्षा से जगह-जगह भूस्खलन और पेड़ों के धराशायी होने की घटनाएं सामने आने से लोग परेशान हुए। शिमला के दुधली में रविवार सुबह सड़क किनारे पार्क तीन गाड़ियां भूस्खलन की चपेट में आ गई। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस के मुताबिक भूस्खलन से तीन गाड़ियां दब गई है। इन्हें जेसीबी व क्रेन की मदद से निकाला जा रहा है।

इसके अलावा मण्डी से शिमला सवारियाँ लेकर आई एक निजी बस पेड़ की चपेट में आ गई। टूटीकंडी के पास एक विशालकाय पेड बस पर गिरा जिससे बस को नुक्सान हुआ है तथा परिचालक को चोट लगी। परिचालक को अस्पताल में दाखिल किया गया है। इधर, रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे शिमला-बिलासपुर सड़क मार्ग पर वर्षा शालिका से आगे हीरानगर के बीच एक देवदार का पेड़ गिरने से नेशनल हाइवे लगभग अढ़ाई घण्टे अवरुद्ध हुआ। इसके चलते शिमला का सम्पर्क निचले हिमाचल से कट गया था। हालांकि प्रशासन ने तुरंत सड़क से पेड़ को हटाने का काम शुरू किया और नौ बजे हाइवे को बहाल कर दिया। इसी तरह हिमलैंड् के पास सुबह-सुबह भूस्खलन हुआ है। जिससे छोटा शिमला और बीसीएस, कसुम्पटी की ओर जाने वाली सड़कें बन्द हो गई है।

दुकानदार से मांगी 20 लाख रंगदारी, नहीं देने पर हत्या की धमकी

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले के हांसी में एक दुकानदार से अज्ञात बदमाशों द्वारा 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है।

पुलिस ने बताया कि खातियान मोहल्ला लाल सड़क निवासी विनय कुमार की प्रताप बाजार में जींस क्लब नाम से रेडीमेड कपड़ों की दुकान है। गत 12 अगस्त की रात करीब 8.40 बजे जब वह दुकान में बैठा था।

तभी एक लड़का दुकान के अंदर आया और एक सफेद गत्ता उसके सामने रखकर चला गया। इसके बाद वह दुकान के बाहर मोटरसाइकिल पर इंतज़ार कर रहे दूसरे युवक के साथ बैठकर चला गया।

विनय के अनुसार युवक के जाने के बाद गत्ते पर उसने अंग्रजी में लिखे दो नाम गोलू भीम नगरिया और सन्नी मुआल पढ़े। इसके साथ ही लिखा था कि 20 लाख रुपए दे दो, नहीं तो गोली मार देंगे। इस उसने तुरंत पुलिस को शिकायत दी जिसके आधार पर मामला दर्ज किया है।

वहीं, हिसार जिले के सातरोड कलां गांव के शराब ठेकेदार विपिन सहारण से भी अज्ञात बदमाशों ने एक लाख रुपए प्रति माह रंगदारी मांगी है।

आरजीआईए हैदराबाद में 60 लाख का सोना जब्त

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने रविवार को दो हवाई यात्रियों से लगभग 60 लाख रुपये मूल्य का एक किलोग्राम सोना जब्त किया।प्रोफाइलिंग और व्यवहार का पता लगाने के आधार पर, एआईयू की एक समर्पित टीम ने सिटी-साइड क्षेत्र में (सीमा शुल्क औपचारिकताओं के बाद) दो लोगों - शेख खाजा रहमतुल्लाह और शेख जानी बाशा को पकड़ लिया। यात्री ओमान एयरवेज की उड़ान से रियाद से मस्कट होते हुए यहां पहुंचे थे रैंडम एक्स-बीआईएस (इको-5) मशीन का उपयोग करके उनके सामान की जांच की। बाद की पूछताछ और निरीक्षण के दौरान, एक संदिग्ध छवि का पता चला। आगे की जांच करने पर ड्राई फ्रूट्स के एक पैकेट के भीतर छिपा हुआ लगभग 60 लाख रुपये का लगभग एक किलोग्राम सोना मिला। छानबीन के बाद सीमा शुल्क अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और वे घटनास्थल पर पहुंचे तथा दोनों लोगों को हिरासत में ले लिया। सीमा शुल्क विभाग के सूत्रों के अनुसार उपरोक्त घटनाओं के आलोक में दोनों यात्रियों को उनके सामान के साथ आवश्यक आगे की कार्रवाई के लिए आरजीआईए सीमा शुल्क को सौंप दिया गया है।

अमर बलिदानियों की स्मृति में शिलापट का धामी ने किया अनावरण

देहरादून। उत्तराखंड के सभी तेरह जिलों में ग्राम्य स्तर तक केंद्र सरकार के आह्वान पर मनाए जा रहे 'मेरी माटी मेरा देश अभियान' के अन्तर्गत, रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को गुच्चु पानी, देहरादून में 'वीरों को नमन' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने अमर बलिदानियों की स्मृति में शिलापट का अनावरण किया। इस अवसर पर धामी ने सभी को 'पंच प्रण' की शपथ दिलाई एवं गुच्चू पानी में अमृत वाटिका के लिए पौधारोपण किया। इस अवसर पर पवित्र मिट्टी को हाथ में लेकर शपथ दिलाई गई एवं सेल्फी भी ली गई। मुख्यमंत्री ने सभी को अपनी सेल्फी merimaatimeradesh.Gov.in पर अपलोड करने की अपील की। कार्यक्रम में उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को सम्मानित भी किया।

धामी ने उपस्थित स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों एवं देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के परिजनों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमें उन वीरों की वंदना करने का अवसर प्राप्त हुआ है, जिन्होंने देश की माटी की खातिर अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने आजादी के अमृत काल में देशवासियों को पंच प्रण दिए हैं। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का प्रण, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का प्रण, भारत की समृद्ध विरासत पर गर्व एवं उसका संरक्षण करने का प्रण तथा देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का प्रण। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आज तक हमने प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रारंभ किए गए प्रत्येक अभियान को अपना सम्पूर्ण सहयोग एवं समर्थन दिया है, उसी प्रकार मुझे विश्वास है कि हम 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान को भी अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भूमि देवभूमि के साथ ही वीरों की भूमि भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से आज सेना न केवल पहले से और अधिक सक्षम और सशक्त हो रही है, बल्कि उसकी यश और कीर्ति पताका सम्पूर्ण विश्व में फैल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जहां एक ओर सेना के आधुनिकीकरण पर बल दे रही है, वहीं दूसरी ओर सैनिकों और उनके परिवारों को मिल रही सुख-सुविधाओं का भी खयाल रख रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी निरंतर सैनिकों के साहस और मनोबल को बढ़ा रहे हैं।

कुडू मौत मामला : पुलिस ने जेयू के दो और छात्रों को किया गिरफ्तार

कोलकाता। छात्र स्वप्नदीप कुंडू की रहस्यमय मौत के आरोपी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय के दो और छात्रों को कोलकाता पुलिस ने रातभर पूछताछ करने के बाद रविवार को गिरफ्तार कर लिया।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बंगाली भाषा ऑनर्स के प्रथम वर्ष के 18 वर्षीय छात्र स्वप्नदीप कुंडू की गत गुरुवार को हुई मौत में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किए गए छात्रों में अर्थशास्त्र के द्वितीय वर्ष के छात्र

दीपशेखर दत्ता और समाजशास्त्र के द्वितीय वर्ष के छात्र मनोतोष घोष शामिल थे। गुरुवार की सुबह नादिया जिला.

पीड़ित छात्र बुधवार की छात्रावास की दूसरी मंजिल से गिर गया गया था और दक्षिण कोलकाता के केपीसी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी थी।

सूत्रों के मुताबिक ताजा गिरफ्तारी जेल में बंद पूर्व छात्र सौरभ चौधरी से पूछताछ के बाद की गई।

गौरतलब है कि शनिवार को यहां की एक अदालत के आदेश के बाद वह इस समय 10 दिनों की पुलिस हिरासत में है।

तेलंगाना सरकार ग्रुप-2 परीक्षा को पुनर्निर्धारित करेगी

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने शनिवार रात को विभिन्न छात्र संघों और अभ्यर्थियों के विरोध को देखते हुए ग्रुप-2 परीक्षा को पुनर्निर्धारित करने का निर्णय लिया। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने ट्विटर पर कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मुख्य सचिव को तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग से परामर्श करने और ग्रुप-2 परीक्षा को पुनर्निर्धारित करने का निर्देश दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लाखों अभ्यर्थियों को कोई असुविधा न हो।

राजस्थान में खजूर की खेती के लिए अनेक तकनीकें विकसित

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के खजूर अनुसंधान केंद्र द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से राज्य में खजूर की खेती के लिए उपयुक्त किस्मों का चयन किया गया है।

यह जानकारी देते हुए केंद्र के प्रभारी डॉ. राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि खजूर अनुसंधान केंद्र पर वर्तमान में देश-विदेश की 55 किस्मों पर अनुसंधान कार्य चल रहा है और केंद्र ने 35 किस्में स्थापित की है। वे बताते हैं हलावी, बरही, खूनीजी एवं मेडजूल केंद्र द्वारा राजस्थान के लिए संस्तुतित की गयी है। साथ ही डोका अवस्था में फल कड़े, पके तथा विशिष्ट रंग वाले, डांग अवस्था में फल मुलायम होने आरंभ होते हैं तथा पिण्ड अवस्था पर फल पककर पूर्णतया मुलायम हो जाते हैं।

डॉ. राठौड़ ने बताया कि खजूर फल के खाने से बहुत से रोगों की रोकथाम होती है। खजूर के खाने से पेट को साफ रखने वाला फाइबर, कई जरूरी विटामिन, मिनरल्स, और भरपूर फोलिक एसिड शरीर को तंदुरुस्त बनाए रखता है।

शार्ट न्यूज

लाल किले पर सशस्त्र बलों ने की फुल ड्रेस रिहर्सल, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के लिए केवल दो दिन बचे हैं, इस अवसर की तैयारी तेज कर दी गई है क्योंकि राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले पर विभिन्न सशस्त्र बलों की फुल ड्रेस रिहर्सल चल रही है। भारत मंगलवार को अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा और इस अवसर पर प्रधानमंत्री ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने मन की बात प्रसारण के दौरान मेरी माटी मेरा देश अभियान की घोषणा की। इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और बहादुरों का सम्मान करना है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। पीएम मोदी ने बताया था, इसके तहत हमारे अमर शहीदों की याद में देशभर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन विभूतियों की याद में देशभर की लाखों ग्राम पंचायतों में विशेष शिलालेख भी लगाए जाएंगे। देशभर में अमृत कलश यात्रा भी आयोजित की जाएगी।

फ्लैटों के आवंटियों के लिए ओटीएस पर बोर्ड की मुहर

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अपने फ्लैट आवंटियों को बड़ी राहत दी है। प्राधिकरण बोर्ड ने शनिवार को बहुमंजिला फ्लैटों के आवंटियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को मंजूरी दे दी है। अब यह ओटीएस तीन माह के लिए लागू होगी, जिससे प्रीमियम, अतिरिक्त प्रतिकर व लीज डीड विलंब शुल्क पर लगी पेनाल्टी से राहत मिल जाएगी। लगभग 2200 फ्लैट खरीदारों को इसका फायदा मिलने की उम्मीद है और प्राधिकरण को लगभग 468 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। प्राधिकरण के संपत्ति विभाग की तरफ से बहुमंजिला फ्लैटों के आवंटियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का प्रस्ताव रखा गया। विभाग की तरफ से बोर्ड को बताया गया कि एकमुश्त समाधान योजना लागू करने से लगभग 2200 बहुमंजिला फ्लैटों की लीज डीड होने निष्पादित होने का अनुमान है। इससे प्राधिकरण को 468 करोड़ रुपए की बकाया धनराशि भी प्राप्त हो सकती है। बोर्ड ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। ओटीएस के लागू होने प्रीमियम की बकाया धनराशि और प्रतिकर पर पेनल्टी से राहत और लीज डीड के विलंब शुल्क की धनराशि पर 40 से 80 फीसदी (60 वर्ग मीटर तक के फ्लैट) और 20 से 40 फीसदी (60 वर्ग मीटर से अधिक) की राहत मिल जाएगी।

किसानों को भवन निर्माण पर अब कोई शुल्क नहीं, परिवार से बाहर बेचा तो लगेगा शुल्क

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को प्राधिकरण बोर्ड ने पूरी कर दी है। बोर्ड ने शनिवार को संपन्न बोर्ड बैठक में किसानों के पक्ष में तीन अहम फैसले लिए हैं। पहला, अब तक जो किसान प्राधिकरण से प्राप्त आबादी की जमीन पर घर नहीं बना पाए हैं, वे अब बिना विलंब शुल्क के निर्माण कर सकते हैं। बशर्ते, अगर उन्होंने परिवार के बाहर बेच दिया तो सामान्य भूखंडों की शर्तें लागू होंगी। दूसरा , किसानों को आवंटित आबादी भूखंडों के उप विभाजन की न्यूनतम सीमा 40 मीटर कर दी गई है जो कि अब तक 120 मीटर थी। बशर्ते यह विभाजन मूल काश्तकार और उनके उत्तराधिकारी गण के बीच नियोजन के नियमों को ध्यान में रखते हुए ही होगा। तीसरा, ग्रामीण आबादी पर निर्माण की अधिकतम ऊंचाई नोएडा के समान करते हुए 11 मीटर से बढ़ाकर 15 मीटर कर दी गई है। औद्योगिक विकास आयुक्त और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की 131 वीं बोर्ड बैठक हुई, जिसमें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ अमनदीप डुली व एसीईओ आनंद वर्धन समेत बोर्ड के अन्य प्रतिनिधिगण भी शामिल हुए, जिसमें छह फीसदी और नियोजन की तरफ से ये तीनों प्रस्ताव रखे गये, जिस पर बोर्ड ने मुहर लगा दी है।

न्यूज चैनल मालिक और चर्च मेंबर पर एफआईआर

गाजियाबाद। गाजियाबाद में सेंट थॉम ऑर्थोडक्स चर्च के फादर ने केरल के न्यूज चैनल के मालिक और चर्च के एक सदस्य पर थाना साहिबाबाद में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि इन्होंने टीवी चैनल पर एक भ्रामक खबर फैलाई, जिससे ईसाई समाज से जुड़े लोगों की आस्था प्रभावित हुई। साहिबाबाद क्षेत्र के लाजपत नगर स्थित चर्च के फादर सजी अब्राहम ने एफआईआर में चैनल के मालिक सुनील मैथ्यू निवासी तिरुवंतपुरम और चर्च मेंबर सजी जन निवासी इंदिरापुरम गाजियाबाद के खिलाफ आईपीसी सेक्शन 502(2) में ये मुकदमा कराया है। फादर सजी अब्राहम के मुताबिक, सजी जन ने सुनील मैथ्यू को मोबाइल पर सूचित किया कि दिल्ली डयोसीस के दिवंगत विशप हिज ग्रेस जब केरल में फादर थे। तब वह एक बच्चे के पिता बने थे। इसके अलावा सजी जन ने गाजियाबाद में सेंट थॉमस ऑर्थोडक्स चर्च के पूर्व फादर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। आरोप है कि सुनील मैथ्यू ने तथ्यों की पड़ताल किए बिना इन सभी बातों को 2 अगस्त को अपने चैनल पर प्रसारित कर दिया, जिसे दुनियाभर के ईसाई समुदाय के लोगों ने देखा। फादर सजी अब्राहम ने कहा, सभी बिशप मठवासी और ब्रह्मचर्य जीवन जीते हैं। उनका कभी कोई निजी परिवार नहीं होता। फादर सजी ने कहा, हिज ग्रेस किडनी रोग से ग्रसित थे। किडनी प्रत्यारोपित होने के बाद उनका चलना-फिरना बंद हो गया था। गाड़ी में चढ़ने में भी दो सहायक मदद करते थे।

हाईटेंशन की चपेट में आने से झुलसा किशोर

मोदीनगर। मोदीनगर थाना क्षेत्र के बेगमाबाद गांव में घर के बराबर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट मे आने से किशोर गंभीर रूप से झुलस गया। वह दूसरी मंजिल से नीचे आ रहा था। इस बीच ग्रील के पास हादसा हुआ। किशोर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। गांव बेगमाबाद के अनिल कुमार का 17 वर्षीय बेटा चित्रांश एक स्कूल में कक्षा 12 का छात्र है। माता गृहणी हैं। उनके मकान के पास से ही हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। लाइन को दूर करने के लिए उन्होंने एंगल भी लगा रखी है। बताया जा रहा हैं कि चित्रांश को ट्यूशन जाना था। इसलिए वह दूसरी मंजिल पर तैयार होने के लिए गया था। वहां ग्रील के पास पहुंचते ही अचानक चित्रांश करंट की चपेट में आ गया। चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने वहां पर देखा की वह करंट की चपेट में आने से झुलस गया। परिजनों ने तुरंत बिजली की लाइन बंद कराई। इसके बाद आनन-फानन में चित्रांश को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके पैर, हाथ व पेट में गंभीर चोट आई है। हालात गंभीर होने पर दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। कालोनी के लोगों का आरोप है कि कई बार हाईटेंशन लाइन हटवाने की मांग की जा चुकी है। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाईटेंशन लाइन के आसपास मकान का निर्माण करना गैर कानूनी है।

इलाज में लापरवाही : महिला की मौत

मोदीनगर। मुरादनगर की रावली रोड पर अस्पताल में इलाज के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रावली रोड स्थित सिटी केयर अस्पताल व पीजीएम अस्पताल के लेबर व आपरेशन थिएटर को सील कर दिया है। मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव नेकपुर निवासी जावेद की 26 वर्ष की पत्नी परवीन को आठ अगस्त को रावली सुराना मार्ग स्थित पीजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 10 अगस्त को महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। बच्चे को जन्म देने के बाद महिला की हालात बिगड़ गई। 11 अगस्त की रात को महिला की हालात अचानक बिगड़ गई। अस्पताल प्रबंधन ने महिला को रेफर कर दिया। परिजनों ने महिला को वहां से 200 मीटर दूर सिटी केयर अस्पताल में भर्ती करा दिया। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह अचानक महिला की हालत एक बार फिर बिगड़ गई। चिकित्सक के पहुंचने से पहले ही महिला ने दम तोड़ दिया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर को बार बार बुलाने के बाद भी वह नहीं आए। उपचार में लापरवाही के चलते ही महिला की मौत हुई है। महिला की मौत के बाद सीएमओ ने डिप्टी सीएमओ डॉ. चरण सिंह, डॉ. देवीलाल व ऋषभ के नेतृत्व में टीम तैयार कर मौके पर भेजा। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीजीएम व सिटी केयर अस्पताल का निरीक्षण किया।

दिल्ली में सुरक्षा चाक-चौबंद

किले में तब्दील दिल्ली, आसमान से चप्पे-चप्पे पर नजर

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर लालकिले समेत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा पूरी तरह से चाक-चौबंद कर दी गई है। आतंरिक घेरे की सुरक्षा की कमान स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) ने संभाल ली है। लालकिले में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) कमांडो भी तैनात कर दिए गए हैं। आसमान से सुरक्षा को चाकचौबंद बनाने के लिए एंटी ड्रोन रडार लगाए गए हैं। सेना के हेलीकॉप्टर पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस कमांडो टीम भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान आसमान से सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगी। दिल्ली पुलिस ने भी आम लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

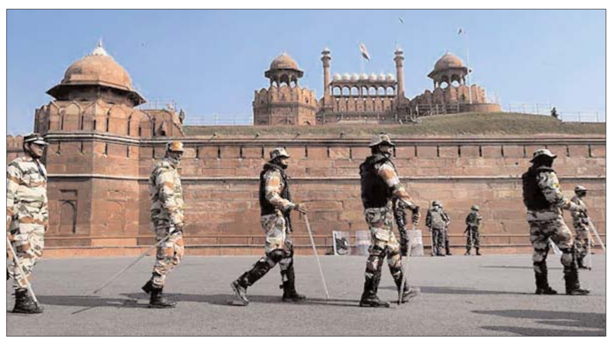

15 अगस्त को ये रास्ते रहेंगे बंद

दिल्ली पुलिस ने वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिर एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 15 अगस्त को लाल किला के आसपास के रास्ते आम लोगों के लिए तड़के चार बजे से लेकर पूर्वाह्न 10 बजे तक बंद रहेंगे। रास्ते से केवल अधिकृत वाहन ही गुजरेंगे। लोथियन रोड, निशाद राज मार्ग, एसपी मुखर्जी मार्ग, चांदनी चौक रोड, नेताजी सुभाष मार्ग, एस्प्लेनेड रोड और इसके लिंक रोड से नेताजी सुभाष मार्ग, राजघाट से आईएसबीटी तक रिंग रोड और आईएसबीटी से आईपी फ्लाईओवर तक बाहरी रिंग रोड बंद रहेंगे।

दिल्ली पुलिस ने कहा है कि सोमवार रात 12 बजे से मंगलवार सुबह 11 बजे तक निजामुद्दीन खट्टा और वजीराबाद ब्रिज के बीच भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। इस दौरान महाराणा प्रताप आईएसबीटी और सराय काले खां आईएसबीटी के बीच अंतरराज्यीय बसों को भी एंट्री नहीं होगी। गीता कॉलेनी पुल और पुराना लोहा पुल बंद रहेगा। लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली मुख्य रेलवे स्टेशन पर बसों की संख्या सीमित रहेगी। इनका मार्ग बदला जाएगा। मंगलवार सुबह 11 बजे के बाद बस सेवा बहाल होगी।

चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात

रविवार से ही लालकिले और आसपास के इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया। सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए स्वाट कमांडो और एनएसजी कमांडो के अलावा समारोह के दौरान सभी गेट पर दिल्ली पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। संदिग्धों की पहचान करने के लिए, पुलिस चेहरे की पहचान करने वाली तकनीक वाले कैमरों का उपयोग कर रही है। लालकिले और आसपास के इलाके में तो चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती कर दी गई है।

करीब 3000 सुरक्षा प्वाइंट

लालकिले के अंदर और बाहर स्थित पेड़ों और इमारतों की, जहां सुरक्षाकर्मियों की तैनाती होती है, उनकी सांकेतिक कोडिंग कर सुरक्षा खाका तैयार किया गया है। पेड़ों का कोड निर्धारित कर करीब 3000 सुरक्षा प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां से स्पेशल कमांडो दस्ते संदिग्धों पर पैनी नजर रखेंगे। ये सीधे कंट्रोल रूम के संपर्क में भी रहेंगे। कंट्रोल रूम में 25 पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। इस कंट्रोल रूम को सीधे एनएसजी और अन्य दूसरी सुरक्षा एजेंसियों से जोड़ दिया गया है।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर डीयू में लगेगी प्रदर्शनी

नई दिल्ली। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 14 अगस्त को विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस सेंटर में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्वतंत्रता और विभाजन अध्ययन केंद्र की स्थापना की घोषणा भी की गई है। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी दिल्ली परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने बताया कि यह केंद्र दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता और संरक्षण में कार्य करेगा। केंद्र की गवर्निंग बॉडी गठित कर दी गई है जो तीन साल की अवधि के लिए तत्काल प्रभाव से लागू होगी। प्रो. सिंह ने बताया कि यह केंद्र स्वतंत्रता संग्राम और उसके परिणाम के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए काम करेगा। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका से उपजी गंभीर मानवीय त्रासदी, दर्द, घाटे, अस्तित्व की गंभीरता और अंतत: विजय जैसे असंख्य तथ्य, उपाख्यान, कहानियां और यादें हैं जो इस केंद्र द्वारा अध्ययनों से प्रकाश में आएंगे। यह केंद्र समर्पित अभिलेखीय स्रोतों और मौखिक इतिहास के माध्यम से अनुसंधान और सीखने को प्रोत्साहित करने का एक यथार्थ शैक्षणिक प्रयास है।

प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने बताया कि इस केंद्र को इस क्षेत्र में विशिष्ट अध्ययन के लिए एक समर्पित संसाधन केंद्र के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होने बताया कि यह केंद्र उन गुमनाम लोगों के ऐतिहासिक आख्यानों को उजागर करने को प्राथमिकता देगा, जिन्हें शायद ही कभी मुख्यधारा में संदर्भित किया जाता हो और जिनकी पहचान के साथ पक्षपातपूर्ण और पूर्वाग्रहपूर्ण व्यवहार किया गया तथा जिनके विस्थापन और प्रवासन के रूट-मैप ने उनकी भावी पीढ़ियों को स्थायी रूप से प्रभावित किया व जीवन भर के लिए उन्हें गहरे ज़ख्म दिये। प्रो. सिंह ने कहा कि यह केवल भौगोलिक विभाजन ही नहीं था, बल्कि भावनात्मक, आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से भी बहुत भारी क्षति थी। प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने बताया कि यह केंद्र अनुसंधान तथा सहयोग व संबंध विकसित करने के साथ-साथ देश के भीतर और बाहर एमओयू भी करेगा। शोध के अंतत: सेमिनारों, सम्मेलनों और एक आवधिक पत्रिका के साथ प्रकाशनों में परिणित होने की उम्मीद है।

शहीद किसानों को मौन धारण कर दी श्रद्धांजलि

6 किसानों की गोली लगने से हुई थी मौत

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर चल रहे किसानों के धरना प्रदर्शन में रविवार को किसानों ने घोड़ी गांव के शहीद किसानों को याद किया। 2008 में कल ही के दिन प्राधिकरण पर प्रदर्शन के दौरान 6 किसानों की गोली लगने से मौत हो गई थी। किसानों ने आज के दिन को काला दिवस के रूप में मनाया। प्राधिकरण पर किसानों के धरने का आज 88वां दिन है। धरने में हजारों की संख्या में किसानों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

रविवार को धरने को शुरू करने से पहले वर्ष 2008 में आज ही के दिन घोड़ी गांव के आंदोलनकारी किसानों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। जिसमें 6 किसान शहीद हुए थे। आज धरना स्थल पर 6 शहीद किसानों को याद करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए और 2 मिनट का मौन धारण किया गया। धरने पर किसान सभा की जिला एक्शन कमेटी की मीटिंग हुई। एक्शन कमेटी ने आंदोलन की अब तक की समीक्षा की।

एक्शन कमेटी को संबोधित करते हुए डॉक्टर रुपेश वर्मा ने कहा कि आंदोलन को 6 महीने से अधिक वक्त हो गया है और रात दिन के धरने को 88 दिन गुजर गए हैं। इस बीच किसानों पर लाठीचार्ज भी हुआ है। 19 दिन किसान जेल में भी रहे हैं और किसानों से हाई पावर कमेटी के गठन पर वादाखिलाफी भी की गई है।

दहेज के लिए विवाहिता को जान से मारने की कोशिश

जेवर। दनकौर कस्बा निवासी एक महिला ने अपने ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ित कर हत्या करने की कोशिश का आरोप लगाया है। स्थानीय पुलिस से शिकायत करने के बाद भी पीड़िता को मदद नहीं मिली। इसके बाद पीड़ित ने कोर्ट में अपील कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। कोर्ट के आदेश पर रविवार को पुलिस ने पति समेत 4 पर केस दर्ज किया है। पीड़ित मनीषा ने शिकायत में कहा है कि उसकी शादी साल 2015 में नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के कमबख्सपुर गांव निवासी रोहित के साथ हुई थी। उसके 3 बच्चे हैं। परिजनों ने शादी में सामर्थ्य के मुताबिक, दहेज दिया था। शादी में करीब 12 लाख रुपये खर्च हुए थे। लेकिन शादी के बाद से ही उसका पति और अन्य ससुराली दहेज से खुश नही थे। जो गाली गलौच व मारपीट करने लगे थे। कई बार गांव व परिवार के लोगों ने पति को समझाकर समझौता भी कराया था लेकिन इसके बाद भी उसके ससुरालीजन बाज नहीं आए। मायके से दहेज में 5 लाख रुपये और गाड़ी की मांग करने लगे। जब पीड़िता ने दहेज लाने में असमर्थता जाहिर की।

संत निरंकारी मिशन द्वारा पटेल नगर, मेहरौली और द्वारका में रक्तदान शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। मानवमात्र के कल्याणार्थ हेतु सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन आशीर्वाद एवं उनके दिव्य मार्गदर्शन द्वारा ब्रांच पटेल नगर, मेहरौली और द्वारका में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन (संत निरंकारी मिशन का सामाजिक विभाग) द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मिशन के 241 भक्तों द्वारा नि:स्वार्थ भाव से रक्तदान किया गया। रक्त संग्रहित करने हेतु राम मनोहर लोहिआ हॉस्पिटल, अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान हॉस्पिटल और इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के ब्लड बैंक की टीम वहां उपस्थित हुई।

पटेल नगर शिविर का उद्घाटन संत निरंकारी मिशन के महासचिव सुखदेव सिंह जी के कर कमलों द्वारा किया गया।

उन्होंने रक्तदान शिविर में सम्मिलित हुए सभी रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया और जनकल्याण को समर्पित उनकी निस्वार्थ सेवा एवं बहूमूल्य योगदान हेतु प्रशंसा करी। मेहरौली शिविर का उद्घाटन स्थानीय पार्षद रेखा महिंदर चौधरी ने किया और

संत निरंकारी मिशन की तरफ से केंद्रीय योजना एवं सलाहकार बोर्ड के कन्वीनर एस एल गर्ग जी उपस्थित रहे। द्वारका शिविर का उद्घाटन स्थानीय पार्षद कमलजीत सेहरावत और राम निवास गेहलोत ने किया और संत निरंकारी मिशन की तरफ से मेंबर इन चार्ज जोगिन्दर मनचंदा जी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा की रक्तदान सबसे श्रेष्ठ दान है मानवता की भलाई हेतु रक्तदान के लिए सभी को आगे आना चाहियें। इन शिविरों में डॉक्टर नरेश अरोड़ा (मेडिकल सर्विस कोऑर्डिनेटर) भी उपस्थित रहे।

संयोजक सुरजीत नशीला जी (पटेल नगर), अनीता महाजन जी (मेहरौली) और द्वारका ब्रांच के मुखी वेद बत्रा जी द्वारा रक्तदान शिविर में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, रक्तदाताओं, डॉक्टर एवं उनकी टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि संत निरंकारी मिशन रक्तदान करने में समूचे देश में अग्रणी रहा है। मिशन द्वारा अभी तक 7826 रक्तदान शिविरों के आयोजन से 12,84,607 युनिट रक्त एकत्रित किया जा चुका है।

संत निरंकारी मिशन आध्यात्मिक उत्थान के साथ साथ समाज कल्याण की गतिविधियों जिनमें मुख्यत: रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, महिला एवं बाल विकास सशक्तिकरण हेतु सुचारू रूप से चलाई जा रही योजनाएं, नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर एवं प्राकृतिक आपदाओं में जरूरतमंदों की सहायता इत्यादि सेवाएं सम्मिलित है ताकि समाज का समुचित विकास हो सके।

हाऊस टैक्स, मालिकाना हक को लेकर देहात के नेताओ आवाज उठाई

दिल्ली के छात्र छात्राओं को शत प्रतिशत दाखिले की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ दिल्ली प्रदेश ने गांव नवादा में गांवों व अनाधिकृत कालोनियों के विकास के लिए 18 सूत्री मांगो को लेकर दिल्ली देहात के राजनेताओं व खापो के साथ पंचायत की इसमें सर्व सम्मति से 18 सूत्री मांगो में दिल्ली देहात की जीवनदायी साहिबी नदी की स्वच्छता व अतिक्रमण से मुक्ति के लिए शामिल किया गया। ओर 11 सदस्यीय समिति बना कर दिल्ली की तीनों पार्टी भाजपा, आप व कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्षों को मिल कर अपनी मांगो का ज्ञापन देना ओर देहात के वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में माननीय उप राज्यपाल दिल्ली को ज्ञापन देना प्रस्ताव पास किया गया।

पंचायत की अध्यक्षता चो: बलवान सिंह गहलोत पूर्व पार्षद ने की इसमें पूर्व परिवहन एवं विकास मंत्री देवेन्द्र सिंह शौकीन, पूर्व विधायक सुखबीर दलाल, कृष्ण पाल गहलोत, पूर्व पार्षद श्रीमती राजेश कर्ण यादव ओर खापो से आठ गाँव प्रधान सुरेश शौकीन, पालम 360 प्रधान रामकुमार सोलंकी, 28 गांव खाप के प्रधान राकेश चौधरी तिहाड गांव,छावला गांव प्रधान सुखबीर शौकीन, कपूर सिंह डागर मलिक पुर व वेद प्रकाश तंवर अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश सत्य सोधक समाज ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया।

प्रमुख मांगो में मालिकाना हक,हाऊस टैक्स, भवन उप नियम से बहार, सीलिंग प्रोपर्टी को खोलना,गांवों को व्यवसायिक श्रेणी में करना ओर वर्तमान में दिल्ली के सभी छात्र छात्राओं को कॉलेजो में शत प्रतिशत दाखिला देना है।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि सर्व प्रथम जहाँ हम 76वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं वहीं आज भी अंग्रेजों के समय से गांवों को लाल डोरा में बांध रखा है जिसे जल्द से जल्द हटा कर दिल्ली के गांवों को मालिकाना हक देने का काम करे सरकार।

पूर्व मंत्री देवेन्द्र सिंह शौकीन व विधायकों, पाषदो ने गांवों पर हाऊस टैक्स, भवन उप नियम थोपें जानें पर नाराजगी जताई ओर सरकार से इन्हे तुरंत हटाने की मांग की।

पालम 360 प्रधान रामकुमार सोलंकी व राकेश चौधरी 28 गांव प्रधान तिहाड गांव ने इन सभी ज्वलंत मुद्दों को लेकर महा पंचायत पालम गांव या तिहाड गांव में बुलाने की मांग की पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह व सह प्रमुख सुनील शर्मा ने आवाह्न किया कि गांवों व देहात के विकास के लिए राजनेताओं को एक मंच पर आना चाहिए क्योंकि अब गांव, किसान व देहात अपनी मांगोको लेकर खडा हो रहा है ।

चौधरी बलवान सिंह गहलोत ने कहा अब हम इस ज्ञापन के एक माह बाद सरकार की तरफ से कार्रवाई देखेंगे । उसके बाद गांवों की चोपाल में गांव संसद बुलाई जाएगी इसमें गांवों व किसानों से संवाद होगा इसके बाद महा पंचायत में बड़े आदोलन के रूप में जंतर मंतर पर गांवों की संसद लगेगी।

डीयू एसओएल ने राजनीति विज्ञान के दो पेपरों में मामूली त्रुटियों को लेकर गठित की कमेटी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्याल के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) ने राजनीति विज्ञान के दो पेपरों के सेल्फ लर्निंग मेटीरियल (एसएलएम) में मामूली त्रुटियों को लेकर एक समीक्षा कमेटी गठित की है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसओएल के प्रिंसिपल प्रो. अजय जैसवाल ने बताया कि 11अगस्त, 2023 को दिल्ली विश्वविद्यायल की अकादमिक परिषद (एसी) की बैठक के दौरान कुछ निर्वाचित एसी सदस्यों द्वारा राजनीति विज्ञान के दो पेपरों के एसएलएम में कुछ त्रुटियों को इंगित किया गया था। प्रो. जैसवाल ने बताया कि स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग ने अनुवाद, मुद्रण, व्याकरण संबंधी, फ़ैकल्टि त्रुटियों को गंभीरता से लेते हुए इस मामले में तुरंत प्रभाव से 12 अगस्त, 2023 को प्रख्यात शिक्षाविदों की एक समीक्षा कमेटी गठित कर दी है। उन्होंने कहा कि सख्त समीक्षा तंत्र संस्थान की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एसएलएम के लिए कंटेंट लेखकों ने संपादकीय बोर्ड के साथ मिलकर अध्ययन सामग्री तैयार की है। प्रो. जैसवाल ने बताया कि एनईपी-2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में नियमित मोड के साथ-साथ दूरस्थ मोड में भी लागू किया गया है। एनईपी-2020 और यूजीसीएफ- 2022 के कार्यान्वयन के बाद, एसओएल ने जुलाई 2022 के डीईबी के नवीनतम दिशानिर्देशों में उल्लिखित सेल्फ लर्निंग मेटीरियल (एसएलएम) के निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति का पालन किया है। एसओएल ने अखबारों में खुले विज्ञापन के माध्यम से प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालयों से कंटेंट लेखकों को सूचीबद्ध किया है। प्रत्येक विषय के कंटेंट लेखकों को संबंधित विषय के वरिष्ठ प्रोफेसर के साथ बातचीत के बाद शॉर्टलिस्ट किया गया है। फिर भी एसओएल अपने एसएलएम में किसी भी सुधार/संशोधन/सुझाव के लिए हमेशा खुला है। इस प्रयोजन के लिए, प्रत्येक एसएलएम मुद्रित सामग्री के पहले पृष्ठ पर इस बारे स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है।

नोएडा : पुलिस कमिश्नर ने 2 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के द्वारा अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान अदम्य साहस दिखाने वाले दो पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया गया। इसके लिए दोनों पुलिसकर्मियों को 10-10 हजार रुपए नगद और प्रशस्ति पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कमिश्नर द्वारा कमिश्नरेट के अन्तर्गत अपराधियों के खिलाफ तत्परता से कार्रवाई करने पर थाना दादरी पर तैनात आरक्षी अनुज कुमार और नारकोटिक्स सेल सेक्टर-108 में तैनात हेड कांस्टेबल सनी बत्रा को अपने कर्तव्य के दौरान अदम्य साहस और सराहनीय कार्यों के लिये 10 हजार रुपए नकद और प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कृत किया गया है। हाल ही में दादरी में कैब चालक से कैब लूटने वाले बदमाशों में से एक बदमाश को मुठभेड़ के दौरान पकड़ने वाले कॉन्स्टेबल अनुज कुमार ने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए बिना बदमाश की गोली से डरे हुए दिनदहाड़े बदमाश को अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पकड़ लिया था।

उच्च शिक्षा की फर्जी डिग्री देकर 100 लोगों से ठगी

पुलिस ने दो महिलाओं सहित पांच को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के कोटला मुबारकपुर थाना पुलिस ने उच्च शिक्षा की फर्जी डिग्री बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो महिलाओं समेत पांच जालसाजों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कॉल सेंटर चलाकर फर्जी डिग्री 25 से 30 हजार रुपये में बनाकर देते थे। आरोपी 100 से ज्यादा लोगों को ठग चुके हैं।

दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में शामिल

व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए निर्देश दिया गया था। इस बीच एसआई किरणदीप कौर को सूचना मिली थी कि बापू पार्क में अवैध कॉल सेंटर चलाकर लोगों से ठगी की जा रही है। सूचना के बाद थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार, एसआई किरणदीप कौर व एएसआई अमर चंद की टीम ने कॉल सेंटर में दबिश दी।

यहां पर दो महिलाओं सहित पांच लोगों को फोन पर लोगों को ठगने में लिप्त पाया गया।

पुलिस ने दोनों महिलाओं और आशीष, अशफा व दानिश को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से कीपैड वाले चार मोबाइल, एक लैपटॉप, पांच स्मार्ट फोन, ग्राहकों का डाटा, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग की मुहर, खाली प्रवेश फॉर्म, रजिस्टर और डायरियां बरामद की गईं। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे एक साल से कॉल सेंटर चला रहे हैं। उच्च शिक्षा की फर्जी डिग्री 25 से 30 हजार रुपये में दे देते थे। दानिश और नदीम मास्टरमाइंड हैं और उन्होंने बाकी आरोपियों भर्ती किया था। गिरफ्तार महिलाओं की उम्र 25 से 30 वर्ष है।

संपादकीय

तुच्छ लड़ाइयां मणिपुर और संसद

विपक्ष के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का उसका मकसद मणिपुर में जारी नस्लीय हिंसा पर उन्हें बोलने के लिए मजबूर करना था। वह बोले और संघर्षग्रस्त राज्य में शांति एवं सुलह के लिए काम करने का वादा किया। हालांकि, गुरुवार को हुए मोदी के भाषण की धार विपक्ष के खिलाफ थी। सदन द्वारा प्रस्ताव को ध्वनिमत से रद्द किये जाने के पहले विपक्ष वॉकआउट कर गया। बहस के दौरान, गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में चल रहे संघर्ष और वहां की स्थिति को लेकर सरकार के नजरिए की ज्यादा विस्तृत व्याख्या की। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के बचाव को लेकर भाजपा और केंद्र सुस्पष्ट हैं। शाह ने उल्लेख किया कि हाल के वर्षों में मणिपुर और मिजोरम में म्यांमार से शरणार्थियों के बड़ी संख्या में आगमन ने मैतेई और कुकी के बीच जमाने-पुरानी नस्लीय प्रतिद्वंद्विता को और बढ़ा दिया है। उन्होंने विदेशी आबादी को नियंत्रित करने और नस्लीय संघर्ष रोकने के लिए लागू किये जा रहे बढ़े हुए सुरक्षा उपायों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केंद्र के साथ सहयोग कर रहे हैं, और हालात उनकी बर्खास्तगी या राष्ट्रपति शासन लगाये जाने की मांग नहीं करते। शाह ने दोनों संघर्षरत समुदायों, मैतेई और कुकी, से एक-दूसरे के साथ और केंद्र के साथ बातचीत शुरू करने की अपील की। उन्हें यह अपील और आगे बढ़ानी चाहिए तथा दोनों समुदायों को इसे शांति की एक कोशिश के रूप में लेना चाहिए।

अगर मणिपुर खूनखराबे से दागदार हुआ है, तो भारत की राष्ट्रीय राजनीति का दम सरकार और विपक्ष के बीच कड़वाहट से घुट रहा है। अविश्वास प्रस्ताव पर बहस में समझदारी और हाजिरजवाबी का अभाव दिखा, लेकिन विद्वेष भावना और खरी-खोटी की भरमार थी, क्योंकि दोनों ही पक्ष तुच्छ बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। वर्ष 2024 के चुनाव से पहले भारत के लिए जिस वैकल्पिक दृष्टि की नुमाइंदगी करने का दावा विपक्ष करता है, वह दृष्टि बहस के जरिये भलीभांति सामने नहीं आ पायी (अगर वाकई यह उद्देश्य था तो)। इस बीच, सत्तारूढ़ भाजपा ने विपक्ष को चुप कराने के लिए नियमों व परंपराओं को हथियार बनाना जारी रखा और विधायी कार्य को बिना चर्चा का मौका दिये पूरा कराया। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। सदन में उनके कथित अनुशासनहीन आचरण के बारे में विशेषाधिकार समिति का फैसला आने तक यह निलंबन रहेगा। यह निलंबन मुख्य विपक्षी दल के नेता को अनिश्चितकाल के लिए संसद से दूर रखेगा। राष्ट्रीय राजनीति सुलह न हो सकने वाली जंग की तरह दिखने लगी है। राजनीतिक दलों को मणिपुर के संघर्ष के नक्शेकदम पर नहीं चलना चाहिए; लोकतांत्रिक राजनीति में असहमति और विरोध अंतर्निहित हैं, पर खोखली लफ्फाजी और जिद भरी बेपरवाही नहीं।

सांसदों की सहमति के बगैर किसी प्रस्ताव में उनका नाम शामिल करना बेहद गंभीर

सदन का सदस्य होने के नाते राघव चड्ढा को यह ध्यान रखना चाहिए था कि अगर कोई मामला विशेषाधिकार समिति में है तो इस बारे में सार्वजनिक रूप से कोई राय जाहिर न करें।

संसद में किसी मुद्दे पर सत्तापक्ष और विपक्षी दलों के बीच मतांतर या विरोध एक स्वाभाविक स्थिति है और इस पर बहस एक स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया। विडंबना है कि कई बार संसद की कार्यवाही के बीच नियमों की व्याख्या अपने मुताबिक करने की कोशिश की जाती है। इसी हफ्ते सोमवार को राज्यसभा में दिल्ली सेवा विधेयक पारित हो गया।

मगर इस दौरान आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा पर गंभीर आरोप लगे। अगर वास्तव में नियमों को ताक पर रख कर ऐसा किया गया, तो संसद में इसे फर्जीवाड़े के तौर पर दर्ज किया जाएगा। दरअसल, राघव चड्ढा संसद में दिल्ली सेवा विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजने का प्रस्ताव लेकर आए थे, जिसके लिए पांच सांसदों के नाम शामिल किए गए थे।

मगर उन पांचों सांसदों का साफतौर पर कहना है कि उन्होंने हस्ताक्षर नहीं किए। यही नहीं, उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की कोई जानकारी तक नहीं थी कि उनके नाम इस प्रस्ताव में शामिल किए जा रहे हैं।

जाहिर है, यह बेहद गंभीर आरोप है कि सांसदों की सहमति के बगैर किसी प्रस्ताव में उनका नाम शामिल कर लिया गया और ऐसा करने का आरोप खुद राज्यसभा के सांसद राघव चड्ढा पर लगा है। सवाल है कि जब विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजना जरूरी ही लगा था, तो क्या उस प्रस्ताव को तैयार करते हुए संबंधित सांसदों से राय-मशविरा करना या उनसे लिखित सहमति लेना जरूरी नहीं था!

अब अगर वे पांचों सांसद अपने हस्ताक्षर के फर्जी होने और उनकी सहमति के बगैर उनका नाम दिए जाने की शिकायत कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से इससे जुड़ी विधिक स्थितियों की पड़ताल होनी चाहिए। फिलहाल, इस संबंध में विशेषाधिकार समिति की रपट आने तक के लिए राघव चड्ढा को सदन से निलंबित कर दिया गया है।

हालांकि सदन का सदस्य होने के नाते राघव चड्ढा को यह ध्यान रखना चाहिए था कि अगर कोई मामला विशेषाधिकार समिति में है तो इस बारे में सार्वजनिक रूप से कोई राय जाहिर न करें। मगर खबरों के मुताबिक, उन्होंने मीडिया के सामने अपना बचाव करने की कोशिश की। इसे नियमों का उल्लंघन माना गया।

यों, इस मामले में राघव चड्ढा नियमों का हवाला देते हुए कह रहे हैं कि सांसद किसी भी समिति के गठन के लिए नाम प्रस्तावित कर सकता है और संबंधित व्यक्ति के हस्ताक्षर या लिखित सहमति की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन जिन पांच सांसदों के नाम प्रस्ताव में दिए गए थे, अगर वे सभी न केवल इस बारे में कोई जानकारी न होने, बल्कि अपना फर्जी हस्ताक्षर किए जाने की शिकायत कर रहे हैं तो इसे कैसे देखा जाएगा ? अब इस मामले की जांच के बाद ही यह सामने आएगा कि क्या नियमों का उल्लंघन करके बिना सहमति के सांसदों का नाम भेजा गया था या फिर उनके नाम के फर्जी हस्ताक्षर किए गए।

अगर ये आरोप सही पाए गए तो निश्चित रूप से राघव चड्ढा की सदस्यता तक पर सवाल उठ सकते हैं। सही है कि आम आदमी पार्टी के पास दिल्ली की सत्ता है और दिल्ली राज्य सेवा विधेयक के कानून बनने के बाद इसके जरिए यहां के शासन के स्वरूप में जो बदलाव आएगा, उससे उसके नेताओं को परेशानी होगी। मगर इसके विरोध के लिए अगर अवांछित तरीके अपनाए जाते हैं, तो यह खुद इस पार्टी के घोषित सिद्धांतों के आलोक में इसके नेता कठघरे में खड़े होंगे।

तिरंगा आजादी की लड़ाई के प्रतीक

डॉ नन्दकिशोर साह

पिंगली ने 19 साल की उम्र में ब्रिटिश इंडियन आर्मी में बतौर सिपाही दक्षिण अफ्रीका में काम किया था। यहीं वे गांधीजी के विचारों से प्रभावित हुए ब्रिटिश फौज छोड़ी और आजादी की लड़ाई में शामिल हो गए। यहीं उन्हें देश के लिए ध्वज बनाने का आइडिया आया। साउथ बोअर युद्ध के दौरान पिंगली ने देखा कि झंडे की शपथ लेकर सैनिक हर कुर्बानी के लिए तैयार हो जाता है। उनके मन में आया कि वे ऐसा झंडा बनाएंगे, जो पूरे देश में मान्य होगा।

पिंगली ने 1916 से 1921 तक 30 देशों के राष्ट्रीय ध्वज की स्टडी की और 25 से ज्यादा सैंपल तैयार किए। आखिर में गांधीजी ने बेजवाड़ा में कांग्रेस की सभा में वेंकैया को फाइनल डिजाइन दिखाने के लिए कहा। उन्होंने 3 घंटे में खादी पर डिजाइन तैयार कर दे दिया। फाइनल डिजाइन में लाल और हरे रंग की पट्टी थी। इसके बीचों-बीच चरखा था। महात्मा गांधी के सुझाव पर ध्वज में शांति के प्रतीक सफेद रंग को शामिल किया गया। 1919 से 1921 तक वेंकैया लगातार कांग्रेस के अधिवेशनों में भारत के राष्ट्रीय ध्वज का विचार रखते रहे। 1931 तक उनके बनाए झंडे को कांग्रेस की सभी बैठकों में लगाया जाता रहा।

जब 22 जुलाई 1947 के दिन संविधान सभा ने तिरंगे को राष्ट्रीय ध्वज के तौर पर स्वीकार किया तो गांधीजी कुछ निराश थे। ये भी सोचने पर मजबूर कर दिया कि कांग्रेस के नेता अब उनसे अलग सोचने लगे हैं। जब आजादी से पहले राष्ट्रीय ध्वज को अंतिम तौर पर मुहर लगानी थी, तब गांधीजी ये चाहते थे कि इसकी सफेद पट्टी में चरखे को ही रखा जाए लेकिन बहुत से लोगों को इस पर आपत्ति थी, जिसमें कांग्रेसी भी शामिल थे।

गांधीजी का मानना था कि जो तिरंगा आजादी की लड़ाई में 30 साल से प्रतीक बना हुआ है, उसे ही देश को स्वीकार करना चाहिए। ये झंडा आजादी की लड़ाई के दौरान हर मीटिंग, प्रदर्शन और जुलूस में हमारी लड़ाई का प्रतीक बनता था। फिर गांधीजी ने इसे पहली बार खुद चुना था। कांग्रेसियों को ही तिरंगे में गांधी की इस पसंद से आपत्ति थी। जब आजादी मिलने लगी तो कांग्रेस और कई अन्य दलों ने इस तिरंगे में चरखे को बीच में रखे जाने पर आपत्ति दर्ज करा दी। कुछ ने तो यहां तक कहा कि गांधीजी के खिलौने को भारत के राष्ट्रीय झंडे में रखे जाने का क्या औचित्य है। झंडे के केंद्रीय स्थान पर शौर्य का प्रतीक कोई चिन्ह लगाया जाना चाहिए।

ऐसे में कांग्रेस के ही नेताओं ने तिरंगे के बीच में अशोक के चक्र को लाने का फैसला किया, जो अशोक और उसकी सेना के विजय का प्रतीक था। गांधीजी को जब अनुयायियों के इस फैसले का पता लगा तो वो मन ही मन खिन्न और उदास हुए। तिरंगे के बीच के नीले रंग के चक्र अशोक का धर्म चक्र भी कहा जाता है। ये धर्म चक्र सम्राट अशोक के भारत की विशाल सीमाओं का प्रतीक है। उस वक्त पूरा भारत एक शासन व्यवस्था के सूत्र में बंधा हुआ था। सम्राट अशोक के साम्राज्य में पूरा पाकिस्तान और आज का बांग्लादेश भी मौजूद था। बाद में इसके नीले रंग को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने पिछड़ों और दलितों की अस्मिता का प्रतीक बनाया। दुख की बात है कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज को डिजाइन करने वाले पिंगली वेंकैया को देश ने भुला दिया।

मोहम्मद अली जिन्ना नए पाकिस्तान को संभालने के लिए कराची पहुंच चुके थे। तब गांधीजी लाहौर में थे। गांधीजी को जब मालूम हुआ कि तिरंगे से चरखे को हटाकर उसी जगह अशोक चक्र लाया जाएगा तो वो बहुत क्षुब्ध हुए। लाहौर में आठ अगस्त को गांधीजी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सामने नाराजगी का इजहार किया। उन्होंने कहा, मैं भारत के ध्वज में चरखा हटाए जाने को स्वीकार नहीं करूंगा। अगर ऐसा हुआ तो मैं झंडे को सलामी देने से मना कर दूंगा। आप सभी को मालूम है कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज के बारे में सबसे पहले मैंने सोचा और मैं बगैर चरखा वाले राष्ट्रीय झंडे को स्वीकार नहीं कर सकता। ये बात गांधीवादी स्कॉलर और रिसर्चर एल एस रंगराजन ने कुछ साल पहले अपने एक लेख में उद्धृत की थी। दरअसल 22 जुलाई को संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज के रूप में चक्र को चरखे के स्थान पर रखे जाने पर मुहर लगा दी थी।

गांधीजी क्षुब्ध मन से आठ अगस्त को ही लाहौर से पटना के लिए रवाना हो गए। हालांकि उन्होंने लाहौर में ये भी कहा कि जिन्ना भारत के नागरिक हैं और पाकिस्तान की सेवा के लिए पाकिस्तान गए हैं। जब आजाद भारत के राष्ट्रीय ध्वज की बात 1947 में संविधान सभा के सामने आई तो गैर कांग्रेसी सदस्यों ने तिरंगे में चरखे पर एतराज जाहिर किया, उनका कहना था कि ये चरखा वाले तिरंगा तो एक राजनीतिक पार्टी कांग्रेस का झंडा है, उसे किसी राष्ट्र के लिए कैसे स्वीकार किया जा सकता है।

डॉ बीआर अंबेडकर संसद की संविधान मसौदा समिति के चेयरमैन थे। तब झंडे पर एक समझौता हुआ। अंबेडकर के ग्रुप ने कहा, कांग्रेस का तिरंगा को बरकरार रखा जाए लेकिन चरखे की जगह ध्वज के आठ तीलियों वाले बौद्ध चक्र को लाया जाए। बाद में इस पर सहमति बन गई कि इस चक्र को 24 तीलियों का रखना चाहिए, जो सारनाथ में सम्राट अशोक के स्तंभ पर है। संविधान सभा ने 22 जुलाई 1947 पर इस प्रस्ताव पास कर दिया।

गांधी जी ने लिखा, चरखा केवल सूत कातने वाला उपकरण ही नहीं है, जो गरीबों के रोजगार और आमदनी मुहैया कराएगा लेकिन इसका मतलब कहीं अधिक है, ये सादगी, मानवीयता और किसी को कष्ट नहीं देने के साथ गरीबों और अमीरों, पूंजी और मजदूरी के बीच एक अटूट बंधन का भी प्रतीक बने। कुल मिलाकर चरखा अहिंसा का सिंबल बने। फिर चक्र को लेकर गांधीजी का मन बदला। हालांकि उन्होंने ये तो महसूस किया कि ध्वज के मामले पर उन्हें अनदेखा किया गया है। उन्होंने 03 अगस्त 1947 को हरिजन बंधु में द नेशनल फ्लैग नाम से दार्शनिक अंदाज में लेख लिखा। जिसमें उनकी नाराजगी के कोई संकेत नहीं थे, राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों का मतलब कोई भी कुछ लगा सकता है लेकिन जो भी अनेकता में एकता का मतलब समझता है वो इन तीन रंगों के बारे में बेहतर तरीके से समझ सकता है।

तिरंगे का इतिहास गौरवशाली

देश में आजादी की अमृत महोत्सव का जश्न है। हर तरफ तिरंगा फहराता दिख रहा है। इस स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगे की ही सबसे ज्यादा चर्चा है। स्वतंत्रता दिवस सिर्फ एक दिन नहीं हैं। इस दिन से करोड़ों लोगों की भावनाएं जुड़ी होती हैं। इस दिन लोगों के मन में एक उमंग भरी होती है। वहीं, देश की सड़कों पर जोश और उत्साह गूंज रहा होता है। तिरंगे का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। इस झंडे की शान के लिए लाखों शहीदों ने अपने प्राण न्योछावर किए हैं।

भारत के नेता के रूप में, खिलाड़ी के रूप में या फिर सरहदों पर खड़े जवानों के रूप में उसके लिए उसकी राष्ट्रीय पहचान तिरंगा होता है। भारत के राष्ट्रीय ध्वज को तिरंगा भी कहते हैं। तीन रंग की क्षैतिज पट्टियों के बीच नीले रंग के एक चक्र द्वारा सुशोभित ध्वज है। पहला भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 7 अगस्त, 1906 को कोलकाता के पारसी बागान स्क्वायर में फहराया गया था। ध्वज के तीन प्रमुख रंग थे जैसे लाल, पीला और हरा। दूसरा झंडा 1907 में पेरिस में भीकाजी कामा और निर्वासित क्रांतिकारियों के उनके बैंड द्वारा फहराया गया था। झंडे को बर्लिन में एक समाजवादी सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया गया था। तीसरा संशोधित झंडा 1917 में होम रूल आंदोलन के दौरान डॉ एनी बेसेंट और लोकमान्य तिलक द्वारा फहराया गया था। इस ध्वज में पांच लाल और चार हरी क्षैतिज पट्टियां वैकल्पिक रूप से व्यवस्थित थीं, जिन पर सप्तऋषि विन्यास में सात सितारे सुपर-लगाए गए थे। 1921 में बेजवाड़ा (अब विजयवाड़ा) में हुई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र के दौरान, आंध्र के एक युवक पिंगली वेंकय्या ने संशोधित झंडा गांधीजी को भेंट किया। गांधीजी ने एक सफेद पट्टी और राष्ट्र की प्रगति का प्रतीक चरखा जोड़ने का सुझाव दिया।

वर्तमान भारतीय तिरंगे के करीब पहला संस्करण 1921 में पिंगली वेंकय्या द्वारा डिजाइन किया गया था। इसके दो प्रमुख रंग थे- लाल और हरा। 1931 में, तिरंगे झंडे को हमारे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाते हुए एक ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित किया गया था। यह ध्वज भारतीय राष्ट्रीय सेना का युद्ध चिन्ह भी था। यह ध्वज, वर्तमान ध्वज का अग्रभाग, केसरिया, सफेद और हरे रंग का था जिसके केंद्र में महात्मा गांधी का चरखा था। हालाँकि, यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि इसका कोई सांप्रदायिक महत्व नहीं था। प्रत्येक स्वटतंत्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज होता है। यह एक स्वतंत्र देश होने का संकेत है। भारतीय तिरंगा को आधिकारिक तौर पर 22 जुलाई, 1947 को अपनाया गया था। इसे पहली बार 15 अगस्त, 1947 को फहराया गया था।

आजादी से पहले भारत का कोई राष्ट्रीय ध्वज नहीं था। ब्रितानी हुकूमत तब भारत में यूनियन जैक फहराया करती थी। हालांकि 2300 साल पहले मौर्य साम्राज्य ने लगभग पूरे भारत पर अधिकार कर लिया था लेकिन तब भी भारत का कोई राष्ट्रीय ध्वज नहीं था। जब 17वीं शताब्दी में मुगल साम्राज्य ने भी भारत के अधिकांश हिस्से पर अपना प्रभाव जमा लिया था। उस वक्त भी भारत का कोई राष्ट्रीय ध्वज नहीं था। आजादी से पहले भारत में 562 से ज्यादा रियासतें थीं। इन सभी रियासतों के भी अलग-अलग झंडे थे। 1906 से अब तक 6 बार राष्ट्रीय ध्वज का स्वरूप बदल चुका है। भारतीय राष्ट्रीकय ध्वथज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियां हैं, सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी और ये तीनों समानुपात में हैं। झंडे की चौड़ाई और लंबाई 2: 3 होता है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का एक चक्र है। यह चक्र अशोक की राजधानी के सारनाथ के शेर के स्तंभ पर बना हुआ है। इसका व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर होता है। तिरंगे में तीन रंग होते हैं जिनमें शीर्ष पर केसरिया शामिल होता है जो देश की ताकत और साहस को दर्शाता है।

नया आकाश नई संभावनाओं का प्रभामंडल लेकर आया स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है,और इसे हम लेकर रहेंगे यह घोषणा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने की थीद्य सचमुच स्वतंत्रता के बिना जीवन व्यर्थ हैद्य पराधीन मनुष्य ना तो सुखी जीवन जी पाता है और ना ही अपनी इच्छाओं के अनुकूल जीवन व्यतीत कर पाता है।

इसीलिए कहा गया है पराधीन सपनेहु सुख नाही प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता विशेष महत्व रखती है, और कई वर्ष पराधीन रहने के बाद स्वतंत्रता हासिल हुई हो तो ऐसी स्वतंत्रता का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।. हमारा देश भारत सदियों से परतंत्रता के बाद 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ था, पर इस पर ओलंपिक और कामनवेल्थ खेलों में में कमाल करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने स्वतंत्रता दिवस को हर्षोल्लास और आनंद में तब्दील कर दिया है. यह अमृत महोत्सव हमें हमेशा याद दिलाता रहेगा की भारत को विश्व गुरु होना है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नए भारत को जन्म दिया जाना है, हमारी युवा शक्ति, युवा पीढ़ी इस देश को अजर अमर बनाने में सदैव प्रयत्नशील रही है। भारत का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है, इस लंबे इतिहास में कई विदेशी आक्रमणों का सामना करना पड़ा है। अधिकतर विदेशी आक्रमणकारी यहां रहने के दौरान भारतीय सभ्यता संस्कृति में इस तरह घुल मिल गए मानो वह भारत के मूलनिवासी है. विदेशी आक्रमणकारियों के आगमन एवं यहां की सभ्यता संस्कृत में घुल मिल जाने का सिलसिला मध्यकालीन मुगलों के शासन तक चलता रहा. 18 वीं शताब्दी में जब अंग्रेजों ने भारत के कुछ हिस्सों पर अधिकार जमाया तो पहली बार भारत की जनता को गुलामी का एहसास हुआ।. आक्रमणकारी अंग्रेजों ने भारत देश को गुलाम बनाकर अपने स्वयं के देश को धन धान्य से पूर्ण करने के लिए भारत की धरती का संपूर्ण दोहन कर धन को इंग्लैंड भेजते रहे,बाद में तो अंग्रेजों ने मुगल शासकों को परास्त कर पूरे भारत पर आधिपत्य ही कर लिया था। पर आजादी और स्वतंत्रता के दीवानों ने अंग्रेजो के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंक दिया था. संघर्ष में भारत माता के असंख्य वीर पुत्र शहीद हुए,कई युवा अंग्रेजों के जुल्म का शिकार हुए, मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने वाले बहुत से वीरों को जेल की सलाखों के पीछे जीवन व्यतीत भी करना पड़ा. कई वीर सपूतों को काला पानी की सजा भी झेलनी पड़ी. आजादी का यह संघर्ष वर्ष 1947 तक चलाद्य आजादी के संघर्ष में अनगिनत दीवानों ने जैसे मंगल पांडे, लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, कुंवर सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, खुदीराम बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री,डॉ राजेंद्र प्रसाद, सरदार वल्लभभाई पटेल, लोकमान्य तिलक, जयप्रकाश नारायण, अबुल कलाम आजाद, इत्यादि का विशेष योगदान था। सदियों से गुलामी के बाद 1947 में जब भारत आजाद हुआद्य तब भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने लाल किले पर स्वतंत्रता का तिरंगा फहराया. और पूरे भारत देश के नागरिकों ने आजादी की सांस ली आज भी हम शहीदों को उनकी कुर्बानी के लिए याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं.

स्वतंत्रता दिवस की अनंत बधाइयां

स्वतंत्रता दिवस की अनंत बधाइयां।
अबकी बार पगड़ी नहीं।
पाक को कफ़न ही पहनाएंगे।
अपने शहीद साथियों
के बदले आतंकियों का
सर ही काट लाएंगे।
ए दुश्मन इसे धमकी न
समझना तेरी औकात
जानते है,
सचमुच
कसम भवानी की
नहीं चूकेंगे, न रुकेंगे,
समूचा इस्लामाबाद
इस बार दिल्ली
घसीट कर ले आयेगे,
अभी 370 हटा कर,
कश्मीर को यूनियन टेरीटरी बनाया है
अबकी बार बलूचिस्तान को स्वतंत्र
करवाकर,
Pok खींच लाएंगे,
हर हिंदुस्तानी शेर ए हिन्द है
भेड़ियों तेरी चाल समझते है हम,
तेरी इस बार खाल खींच लाएंगे,
वीर सपूतों को हार्दिक नमन
जय हिंद,जय अखंड भारत,

संजीव ठाकुर
रायपुर

सत्य का क्षरण : राजनीतिक समाचारों से जुड़ा कलंक और पत्रकारिता पर इसका प्रभाव

हरिश्चंद

सूचना अधिभार और तीव्र राजनीतिक ध्रुवीकरण के प्रभुत्व वाले युग में, पत्रकारिता के परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। दुर्भाग्य से, एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति सामने आई है- राजनीतिक समाचार पत्रकारिता के क्षेत्र में एक कलंक बन गए हैं। इस घटना की विशेषता उन पत्रकारों की निरंतर जांच है जो राजनीतिक मामलों पर सच्चाई से रिपोर्ट करते हैं, जिसमें प्रत्येक पक्ष दूसरे पर पक्षपात करने और तथ्यों को विकृत करने का आरोप लगाता है। यह लेख इस परेशान करने वाली प्रवृत्ति की उत्पत्ति और परिणामों पर प्रकाश डालता है, पत्रकारों, समग्र रूप से पत्रकारिता और अंततः जनता पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों की खोज करता है।

ध्रुवीकरण का उदय और पत्रकारिता पर इसका प्रभाव

राजनीतिक समाचारों में मौजूदा संकट की जड़ें समाज के बढ़ते ध्रुवीकरण में छिपी हैं। जैसे-जैसे वैचारिक विभाजन गहराता जा रहा है, व्यक्ति अपने विश्वासों में और अधिक मजबूत होते जा रहे हैं और ऐसे समाचार स्रोतों की तलाश कर रहे हैं जो उनके पहले से मौजूद पूर्वाग्रहों से मेल खाते हों। यह घटना, जिसे आमतौर पर पुष्टिकरण पूर्वाग्रह के रूप में जाना जाता है, ने प्रतिध्वनि कक्षों और फ़िल्टर बुलबुले का निर्माण किया है, जहां लोग समान विचारधारा वाले व्यक्तियों से घिरे होते हैं और असहमतिपूर्ण दृष्टिकोण से बचाए जाते हैं।

पत्रकार सत्य की खोज में अपनी स्वतंत्रता और अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं, फिर भी सराहना के बजाय, उन्हें अक्सर संदेह और संदेह का सामना करना पड़ता है, जो समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को कमजोर करने का एक रणनीतिक कदम है।

बदले में, पत्रकार अक्सर इस विभाजनकारी परिदृश्य की गोलीबारी में फंस जाते हैं। राजनीतिक मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय, उन्हें अपने लक्षित दर्शकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ता है। यदि कोई पत्रकार एक सच्चा विवरण प्रस्तुत करता है जो एक पक्ष की पूर्वकल्पित धारणाओं को चुनौती देता है, तो उन पर पक्षपात का आरोप लगने या यहां तक कि व्यक्तिगत हमलों का सामना करने का जोखिम होता है। यह दमघोंटू माहौल पत्रकारिता की अखंडता के लिए हानिकारक है और इसके मूल उद्देश्य को कमजोर करता है- जनता को सटीक और निष्पक्ष जानकारी प्रदान करना।

धारणा समस्या: पत्रकारों, पत्रकारिता और जनता के लिए एक नुकसान

राजनीतिक समाचारों से जुड़े कलंक का प्रभाव कई हितधारकों के लिए कई गुना और हानिकारक है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, यह पत्रकारों को अपने पेशे को ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के साथ आगे बढ़ाने से हतोत्साहित करता है। प्रतिशोध का डर या जनता का विश्वास खोने से पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांतों से समझौता करते हुए आत्म-सेंसरशिप हो सकती है। यदि पत्रकारों को विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों पर सटीक रिपोर्टिंग करने से हतोत्साहित किया जाता है, तो जनता सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक वस्तुनिष्ठ जानकारी तक पहुंच खो देती है।

पत्रकार, अपनी अमूल्य सेवा के बावजूद, खुद को आलोचना और जांच का निशाना पाते हैं, भले ही उनका नाम अमीरों और शक्तिशाली लोगों की सूची से गायब हो।

इसके अलावा, यह प्रवृत्ति मीडिया में जनता के विश्वास को कम करती है। जब लोग मानते हैं कि पत्रकार पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण पूर्वाग्रहों से प्रेरित होते हैं, तो समग्र रूप से पत्रकारिता की विश्वसनीयता कम हो जाती है। ऐसे युग में जहां गलत सूचना और दुष्प्रचार बड़े पैमाने पर होता है, विश्वास की यह हानि समाज को और अधिक खंडित करती है, जिससे आम जमीन स्थापित करना और रचनात्मक बातचीत में शामिल होना कठिन हो जाता है।

जिम्मेदारी की भूमिका: ईमानदार पत्रकारिता को पहचानना और उसका समर्थन करना

संदेह और अविश्वास की संस्कृति को कायम रखने के बजाय, उन पत्रकारों की पहचान करना और उनका समर्थन करना महत्वपूर्ण है जो सच्चाई और ईमानदारी के लिए प्रतिबद्ध हैं। पत्रकारिता की अखंडता और पेशेवर नैतिकता के पालन का जश्न मनाया जाना चाहिए, क्योंकि ये गुण विश्वसनीय और जवाबदेह रिपोर्टिंग का आधार बनते हैं।

पत्रकारों के प्रयासों को मान्यता देकर, जो आख्यानों पर तथ्यों को प्राथमिकता देते हैं, समाज एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा दे सकता है जो जिम्मेदार पत्रकारिता को प्रोत्साहित करता है और उद्देश्यपूर्ण जानकारी के प्रसार को बढ़ावा देता है।

जिम्मेदार पत्रकारिता पत्रकारों और जनता दोनों से सामूहिक प्रयास की मांग करती है।

सत्य के प्रति प्रतिबद्ध पत्रकारों का समर्थन करके और कई दृष्टिकोणों से जानकारी का मूल्यांकन करके, हम विभाजन को पाट सकते हैं और उद्देश्यपूर्ण रिपोर्टिंग के माहौल को बढ़ावा दे सकते हैं।

इसके अलावा, राजनीतिक समाचारों से जुड़े कलंक से निपटने में समाचार उपभोक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल पूर्वकल्पित धारणाओं की पुष्टि करने वाले स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय, आलोचनात्मक सोच में संलग्न होना और कई दृष्टिकोणों से जानकारी का मूल्यांकन करना अनिवार्य है। विविध दृष्टिकोणों की तलाश करके और सम्मानजनक प्रवचन में शामिल होकर, व्यक्ति ध्रुवीकरण के प्रभाव को कम कर सकते हैं और एक स्वस्थ सूचना पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दे सकते हैं।

जो लोग पत्रकारों पर पक्षपात करने और बाहरी प्रभावों से आसानी से प्रभावित होने का आरोप लगाते हैं, उनके लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे उन महत्वपूर्ण जोखिमों को भी याद रखें जिनका सामना पत्रकारों को अपना काम करने में करना पड़ता है। पत्रकारिता एक खतरनाक पेशा हो सकता है, दुनिया भर के पत्रकार सच्चाई को उजागर करने और जवाबदेह होने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। सत्य का साहसपूर्ण अनुसरण करने के कारण कई पत्रकारों को उत्पीड़न, शारीरिक हमलों और यहां तक कि हत्या का भी सामना करना पड़ा है।

हिंसा के ये कृत्य न केवल समाज से मूल्यवान आवाज़ों को छीनते हैं बल्कि भय और धमकी का माहौल भी बनाते हैं जो सूचना के मुक्त प्रवाह को बाधित करता है।

सत्य की निरंतर खोज में पत्रकारों द्वारा किए गए बलिदानों को स्वीकार करना और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने और जनता के सूचना प्राप्त करने के अधिकार की रक्षा करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानना आवश्यक है।

कुल मिलाकर यह कह सकते है कि आज के दौर में राजनीतिक समाचारों से जुड़ा कलंक पत्रकारों, पत्रकारिता और जनता के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है।

जैसे-जैसे वैचारिक विभाजन गहराता जा रहा है और पुष्टिकरण पूर्वाग्रह पनप रहा है, पत्रकार खुद को विश्वसनीयता की निरंतर लड़ाई के बीच में पाते हैं।

हालाँकि, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि पत्रकारिता स्वाभाविक रूप से पक्षपाती नहीं है, बल्कि लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है जो जनता को सूचित करने और सशक्त बनाने का कार्य करता है।

एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा देकर जो सत्य और अखंडता को महत्व देता है, इन सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध पत्रकारों का समर्थन करता है, और सक्रिय रूप से जिम्मेदार समाचार उपभोग में संलग्न होकर, हम इस कलंक के हानिकारक प्रभावों का प्रतिकार करना शुरू कर सकते हैं और राजनीतिक पत्रकारिता में विश्वास का पुनर्निर्माण कर सकते हैं। केवल ऐसा करके ही हम सूचित सार्वजनिक चर्चा और अधिक एकजुट समाज को सुविधाजनक बनाने में पत्रकारिता की आवश्यक भूमिका को बहाल कर सकते हैं।

शार्ट न्यूज

भदोही: युवक की धारदार हथियार से हत्या

भदोही। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के चोरी थानाक्षेत्र में धारदार हथियार से गला रेतकर युवक की हत्या कर दी गयी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के चौरी थाना क्षेत्र के गोहिलांव जियापुर गांव में बीती रात अनुराग पटेल (35 वर्ष) पुत्र शिव सागर पटेल की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि देर शाम करीब 8 बजे अनुराग के मोबाइल पर किसी ने फोन कर बाइक के साथ आने को कहा। इसके बाद वह बाइक लेकर घर से निकल गया। देर रात तक न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान रात्रि करीब पौने बारह बजे उसके घर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर धान के खेत में उसे खून से लथपथ हालत में पाया गया। आनन-फानन में उसे भदोही के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि उसका एंड्राइड मोबाइल फिलहाल गायब है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की डॉग स्क्वायड टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस मृतक के गायब मोबाइल की सरगर्मी से तलाश कर रही है। चौरी थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि मोबाइल मिलने के बाद लगभग सभी राज कॉल डिटेल से खुल जाएंगे।

सहारनपुर हेल्थ वेलनेस सेंटर को मिला एनक्यूआई सर्टिफिकेट

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जनपद के हैल्थ वैलनेस सेन्टर को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस (एनक्यूआई) सर्टिफिकेट में उच्च स्थान पाने संबंधी प्रमाण पत्र संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय केंद्र सरकार विशाल चौहान आई.ए.एस. द्वारा प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र ने जनपद के कुम्हारहेडा स्थित हैल्थ एंड वैलनेस सेंटर को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय केंद्र सरकार द्वारा गुणवत्ता श्रेणी में प्रदेश में पांच सेंटर में चयनित किए जाने पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। उन्होंने जनपद में स्थित सभी हैल्थ एण्ड वैलनेस सेन्टरों को निरंतर जनसामान्य को स्वास्थ्य संबंधी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा भारत सरकार के सभी मानकों में उच्चतम स्थान प्राप्त करने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए।

मिर्जापुर: कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर एक की मौत , दो मजदूर घायल

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के कटरा कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर मकान बनवाने के दौरान पड़ोस का मिट्टी से बना एक मकान गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दो अन्य मजदूर गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस उपाधीक्षक शैलेन्द्र तिवारी ने बताया कि बल्ली अड्डा मोहल्ला निवासी भगवान दास पुत्र गुरुशरण अपना मकान बनवा रहे थे, जिसमें कई मजदूर काम कर रहे थे। रविवार को दोपहर अचानक बगल का मकान जो मिट्टी से बना हुआ था, भरभरा कर गिर गया जिसमें भगवान दास और मजदूर दब गए। आस पास के लोग पुलिस को सूचना दे कर खुद बचाव काम में जुट गए किसी तरह तीनों को मलबे से निकाला तब तक भगवान दास की मौत हो गई थी। दोनों मज़दूरों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि दोनों घायलों की स्थिति बेहतर है।मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भेज दिया गया है।

महोबा: आंदोलनरत किसानों ने कराया मुंडन

महोबा। उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड के महोबा में अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत किसानों ने रविवार को सामूहिक रूप से मुंडन करा अनूठे तरीके से सरकार का ध्यान आकर्षित कराया। किसानों ने धरना स्थल में बुद्धि-शुद्धि यज्ञ किया और समस्याओं का हल न होने पर आर- पार के संघर्ष के एलान को दोहराया। कृषि बीमा योजना के क्लेम आपदाओं का मुआवजा फसल खरीदी का भुगतान व मटर फसल की एमएसपी 8000 रुपये किये जाने समेत पांच प्रमुख मांगो को लेकर यहां अनिश्चित कालीन धरना दे रहे किसान अधिकारियों के उपेक्षात्मक रवैय्ये से असहज है। चार दिन गुजरने के बाद भी सुनवाई न होने पर नाराज किसानों ने शासन व प्रशासन के ध्यान आकर्षण के लिए आज अहिंसावादी तरीका अपनाते हुए सामूहिक मुंडन कराया। किसानों ने इसके पहले धरना स्थल पर ही बुद्धि.शुद्धि यज्ञ किया। जिसमें पुरोहित को बुला विधिवत अनुष्ठान कराया गया। रविवार का अवकाश होने के बावजूद किसानों के इन दोनों कार्यक्रमों को लेकर धरना स्थल में काफी गहमा-गहमी का माहौल बना रहा।

पांच लाख का इनामी साबिर भी भगोड़ा घोषित

प्रयागराज। माफिया से नेता बने मरहूम अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, बमबाज गुड्डू मुस्लिम के बाद अब पांच लाख के इनामी साबिर को भी पुलिस ने भगोड़ा घोषित कर दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अधिवक्ता उमेश पाल हत्याकाण्ड मामले में पुलिस ने इसी हफ्ते के शुरूआत में शाइस्ता परवीन और गुड्डू मुस्लिम को भगोड़ा घोषित किया था। धूमनगंज पुलिस ने शनिवार की देर शाम मरियाडीह स्थित साबिर के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा कर भगोड़ा घोषित किया। उन्होंने बताया कि अतीक गैंग के शूटर साबिर के मोहल्ले में पुलिस ने डुगडुगी पिटवाकर मुनादी करवाई गयी कि उसको पनाह देने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवई होगी। अगर नियत समय तक वह अदालत में सरेंडर नहीं करता है तो धारा 82 के तहत उसके घर कुर्की की कार्रवाई होगी। उमेश पाल हत्याकांड में शबिर पर लाख रुपये का इनाम घोषित है। गौरतलब है कि उमेश पाल की 24 फरवरी 2023 को दिनदहाड़े उसके घर के बाहर गोली और बम मारकर हत्या कर दी गई थी। इसमें उसके दो सरकारी सुरक्षाकर्मी राघवेन्द्र और संदीप की भी मौत हो गयी थी।

जौनपुर: शिक्षक समस्याओं को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

जौनपुर। पुरानी पेंशन बहाली सहित 18 सूत्रीय मांगो को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला के नेतृत्व में प्रदेश के खेलकूद एवम युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीशचंद्र यादव एवम सांसद जौनपुर सदर श्यामसिंह यादव को ज्ञापन सौंपा। माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने कहा की पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य मुद्दों को लेकर इस समय संगठन आंदोलित है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष डॉश दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर चरणबद्ध आंदोलन के क्रम में 10 अगस्त से 15 अगस्त के बीच जनपद के सभी विधायकों एवम सांसदों को ज्ञापन सौंपा जाना है । इसी क्रम में आज रविवार को सिकरारा एवम बक्सा के ब्लॉक अध्यक्षों द्वारा जनपदीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में मल्हनी विधायक लकी यादव तथा धर्मापुर एवम सिरकोनी के ब्लॉक पदाधिकारियों द्वारा जफराबाद विधायक जगदीश नारायण राय को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ला ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली सहित अन्य मुद्दे को लेकर इस समय संगठन आंदोलित है ।

फसल बर्बाद होने से किसान ने किया सुसाइड

झांसी। झांसी में फसल बर्बाद होने से दुखी एक किसान ने सुसाइड कर लिया। उसने दो बीघा के खेत में मूंगफली और उर्द की फसल लगाई थी। पास से गुजर रही नदी का जल स्तर बढ़ने से पानी फसल में भर गया और फसल चौपट हो गई। किसान पर काफी कर्जा भी था। इससे दुखी होकर किसान ने घर आकर फांसी लगा ली। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सरकार थाना क्षेत्र के सिजौरा गांव निवासी परीक्षित पाल (42) पिछले करीब 5 सालों से हंसारी में रह रहे थे। वह खेतीबाड़ी और मजदूरी करता था। उसके भतीजे सुरेंद्र पाल ने बताया कि चाचा परीक्षित की सिजौरा में दो बीघा का खेत है। जिसमें चाचा ने मूंगफली और उर्द की फसल बोई थी। खेत के पास से नदी निकली हुई है। बरसात की वजह से नदी का जलस्तर बढ़ गया। इससे खेत में पानी भर गया था। 3 दिन पहले चाचा खेत पर गए तो फसल नष्ट हो चुकी थी। भतीजे ने बताया कि चाचा ने छह माह पहले ही अपनी बेटी की शादी की थी। शादी के लिए मोहल्ले के लोगों से कर्ज लिया था।

स्वतंत्रता दिवस पर 9 करोड़ ग्रामीणों को घर-घर नल से जल का तोहफा देगी योगी सरकार

यूपी के ग्रामीण परिवारों के लिए यादगार बनेगा 77वां स्वतंत्रता दिवस

लखनऊ। योगी सरकार जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से उत्तर प्रदेश के 9 करोड़ ग्रामीणों को नल से जल का तोहफा देकर 77वें स्वतंत्रता दिवस को यादगार बनाएगी। इस दिन यूपी के डेढ़ करोड़ से अधिक घरों तक नल से जल की सप्लाई शुरू हो जाएगी। यह पहला मौका होगा, जब राज्य के आधे से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को स्वतंत्रता दिवस पर इतनी बड़ी सौगात मिलेगी। हर घर को नल से जल मिलने से जहां गांव-गांव में रहने वाले ग्रामीणों के चेहरों पर खुशियां आएंगी, वहीं पानी के लिए मीलों का सफर तय करने वाली महिलाओं को

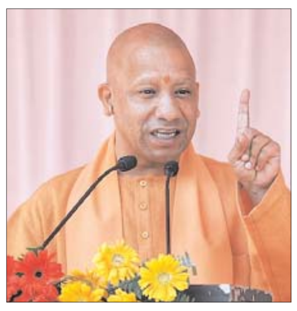

भी राहत मिलेगी। राज्य सरकार की पहल पर स्वच्छ पेयजल मिलने से न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा, बल्कि उनका जीवन स्तर भी काफी बेहतर होगा।

नल कनेक्शन मिलने वाले परिवारों के साथ मनाएंगे स्वतंत्रता दिवस

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने 15 अगस्त को यूपी के डेढ़ करोड़ ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंचाने की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों से कहा कि प्रतिदिन नल कनेक्शन प्रदान करने की गति कम नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि 77वें स्वतंत्रता दिवस के पर्व को गांव-गांव में काम कर रही संस्थाएं नल कनेक्शन मिलने वाले परिवारों के साथ मिलकर मनाएं। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में 9 करोड़ ग्रामीणों को मिलने जा रही सौगात सरकार की बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन को यूपी की योगी सरकार काफी तेजी से पूरा कर रही है। 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की शुरुआत के समय यूपी में केवल 1.97 फीसदी ग्रामीण परिवारों तक ही नल से जल की सुविधा थी। योगी सरकार ने मात्र 4 सालों में काफी तेजी से कार्य करते हुए राज्य के 56.83 फीसदी ग्रामीण परिवारों तक हर घर जल पहुंचा दिया है।

मोदी-योगी सरकार के कार्यों को देख विपक्ष में घबराहट

जौनपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजी) एवं उपमुख्यमंत्री (डिप्टी सीएम) ब्रजेश पाठक के सलाहकार डॉ सूर्य कुमार शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों को देख कर विपक्ष घबरा गया है ।

उनके पास कोई मुद्दा नही है । बीजेपी ने जमीन पर उतर कर कार्य किया है । विपक्षियों का गठजोड़ इण्डिया विफ़ल साबित होगा।

शुक्ला रविवार को लखनऊ से वाराणसी जाते समय जौनपुर जिले के खेतासराय में सम्भ्रांति लोगों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और पत्रकारों के सवालों का जवाब भी दिये।

सदन में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सरकार पर हमला के बाबत कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पलटवार से उनकी आवाज़े बन्द हो गई है ।

आज पूरे सूबे में चिकित्सा व्यवस्था में जो सुधार हुआ है यह अपने आप मे ऐतिहासिक है । लोगों को अब दवा के लिए भटकना नही पड़ रहा है । विपक्षी पार्टियों के महागठबंधन के बाबत कहा कि विपक्ष सिर्फ़ सत्ता के लिए मंथन कर रहे है । यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों का पूरा विश्व प्रशंसा कर रहा है । केंद्र में पुनः बीजेपी सरकार बनेगी।

इस मौके पर प्रमुख रूप से अखिलेश पांडेय, दीनानाथ राजभर, चंद्रशेखर राजभर, सभासद अमित सोनकर, सुरेंद्र पांडेय, मनदीप पांडेय, ब्रजेश पांडेय, शिव कुमार पांडेय, ब्रजेश दूबे समेत अन्य लोग शामिल रहे ।

सुलतानपुर में पति ने की पत्नी की गला घोंटकर हत्या

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले के कूरेभार थाना क्षेत्र अंतर्गत सेऊर गांव के पास एक व्यक्ति के पत्नी का गला घोंटकर हत्या किये जाने का मामला प्रकाश में आया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार उन्नाव जिले के सफीपुर निवासी राहुल मिश्र (37) ने अपनी पत्नी मोनिका गुप्ता (32) की गला दबाकर हत्या कर दी है। राहलु ने वर्ष 2008 में रायबरेली जिले के मील एरिया थानाक्षेत्र निवासी मोनिका से लव मैरिज की थी । मोनिका के पिता उमाशंकर ने पुलिस को बताया कि राहुल उनकी पुत्री के चरित्र पर शुरू से ही शक करता था और इस बात को लेकर बराबर दोनों में झगड़ा हुआ करता था। राहुल परिवार को लेकर लखनऊ में रहता था। बीती रात वह इनोवा कार से पत्नी व दोनो बच्चों को लेकर लखनऊ से रायबरेली जाने के लिए निकला था। लेकिन वह गाड़ी लेकर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर निकल पड़ा। रास्ते में वह मुजेश चौराहे के पास उतर गया। कार को साइड में लगाकर दोनों बच्चों के सामने ही पति राहुल ने गाड़ी के अंदर अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। यह सब नजारा डर सहम कर बच्चे देखते रहे। हत्या के बाद राहुल बच्चों को लेकर गाड़ी में ही बैठा रहा।

दलित युवक की लाठी-डंडे से पीटकर हत्या

नग्न कर ईंट से कुचला सिर, भाई बोला- पहले शराब पिलाई फिर हत्या कर फेंक दिया शव

महोबा। महोबा में एक दलित युवक को नग्न कर लाठी-डंडों से पीटकर और पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई।

उसके बाद शव को गांव में गली में फेंक दिया। सुबह गांव में खून से लथपथ शव मिलते ही अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही एसपी अपर्णा गुप्ता सहित कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। फोरेंसिक टीम ने भी जांच की।

वारदात चरखारी कोतवाली क्षेत्र के टोला सोयम गांव की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई ने गांव के पांच लोगों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाकर तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

टोला सोयम गांव में मोतीलाल (45) अपने परिवार के साथ रहता था। उसके भाई चिरंजीवी लाल ने पूरे बताया कि गांव के ही रहने वाले पांच दबंग जितेंद्र सिंह, बृजेश सिंह, पूरन सिंह, वीरेंद्र यादव और संजय यादव मेरे भाई को रात 9 बजे घर से बुलाकर ले गए थे।

उसके बाद उसे उन लोगों ने शराब पिलाई। नशे में होने के बाद उनका भाई से झगड़ा हो गया। जिसके बाद सभी ने मिलकर मेरे भाई के कपड़े उतारकर नग्न करके लाठी डंडों से पीटा। वारदात को आधी रात को अंजाम दिया गया। उस समय गांव के लोग सो रहे थे।

एसपी बोलीं- जांच के बाद होगी कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता ने बताया , 45 साल के युवक का खून से लथपथ शव गांव के बाहर पड़े होने की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। हत्या का आरोप गांव के ही कुछ लोगों पर है जो मृतक के ही दोस्त हैं। जिनके साथ उसका उठना बैठना था। तहरीर मिल गई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर केस दर्ज किया जाएगा।

सुबह गली में पड़ा मिला शव

चिरंजीवी के मुताबिक, आरोपियों ने मेरे भाई को पीटने के बाद ईंटों से उसका सिर भी कुचल दिया। उसके बाद उसे उठाकर गांव के बाहर वाली सुनसान गली में डाल गए। सुबह जब गांव के लोग खेतों की तरफ जाने लगे तब मुझे भाई का खून से लथपथ शव पड़ा होने की सूचना मिली।

महोबा में गाड़ियां चुराने वाला गैंग पकड़ा

दोनों की निशानदेही पर चोरी की 9 मोटरसाइकिलें बरामद, एक शातिर बदमाश फरार

महोबा। महोबा में लंबे समय से बाइक चोरी की वारदातों से परेशान महोबा की पुलिस को आज पड़ी कामयाबी हाथ लगी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अन्तर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का खुलासा कर दिया। शहर कोतवाली पुलिस के अथक प्रयास से बाइक चोर गिरोह के दो शातिर बदमाशों को 9 बाइकों के साथ धर दबोचा। पकड़ा गया एक चोर महोबा जनपद का निवासी है। जबकि दूसरा मध्य प्रदेश का रहने वाला है। इस गिरोह का एक सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश के लिए टीम गठित की गई है।

बाइक चोर गिरोह को पकड़ने के लिए महोबा शहर कोतवाली पुलिस का अथक प्रयास आज कामयाब हुआ है। मुखबिर की सूचना पर नाकेबंदी कर पुलिस ने दो युवकों को बाइक के साथ गिरफ्तार किया। जब संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तो पता चला कि यह

अन्तर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह के सदस्य हैं। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ में मालूम पड़ा कि पकड़ा गया बाइक चोर गिरोह का सदस्य आकाश पटेल महोबा जनपद के ननौरा गांव का रहने वाला है जबकि दूसरा सदस्य मध्य प्रदेश के छतरपुर का निवासी प्रमोद नाथ है। जिन्हें बिलबई रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास से गिरफ्तार किया गया है। इनकी निशानदेही पर चोरी की 9 बाइक बरामद की गई हैं। बड़ी मात्रा में बाइकों के बरामद होने पर पूछताछ पर पता चला कि एक अन्य युवक भी गैंग का सदस्य है जिसका नाम राधे सक्सेना है जो पुलिस की गिरफ्त से अभी दूर है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और अन्य अभियुक्त की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई।

झांसी, हमीरपुर, बांदा से चुराते थे बाइक

पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता बताती हैं कि पकड़े गए चोर अन्तर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह के सदस्य हैं। जिनके पास से चोरी की 9 बाइक बरामद हुई हैं। यह शातिर चोर महोबा सहित झांसी, हमीरपुर, बांदा और मध्य प्रदेश के छतरपुर जनपदों में बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देते और बेचते थे। जिनसे पुलिस कढ़ाई से पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों को तलाशने में जुटी हुई है। शहर कोतवाली पुलिस की कामयाबी पर एसपी ने प्रशंसा जाहिर की है।

मेरठ में 9वीं की छात्रा से गैंगरेप

सरधना। मेरठ में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। छात्रा के स्कूल के दो छात्रों ने उसे रास्ते से जबरन गन्ने के खेत में खींच ले गए। वहां रेप की वारदात को अंजाम दिया। छात्रा के विरोध करने पर आरोपियों ने उसे पीटा। उसके बाद हाथ-पैर बांधकर मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। इसके बाद उसके शरीर को बुरी तरह नोंचते रहे। पीड़िता के माता- पिता ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप का मुकदमा दर्ज किया है। घटना रोहटा थाना क्षेत्र की शनिवार रात की है। 9वीं में पढ़ने वाली छात्रा स्कूल बंद होने के बाद अपनी सहेली के साथ घर लौट रही थी। दोनों लड़कियों को अकेला देख कर 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले दो छात्रों ने उनका रास्ता रोका। मगर, दोनों छात्राएं उनको धक्का देकर आगे निकल गईं। इस पर छात्रों ने पीछा कर पीड़िता को गन्ने के खेत में खींच लिया। इसके बाद छात्रा के साथ दोनों छात्रों ने मिलकर रेप की घटना को अंजाम दिया।

इटावा लायन सफारी में पांचवें शावक की मौत

इटावा। इटावा लायन सफारी में शेरनी सोना के पांचवें शावक की शनिवार रात को मौत हो गई। इससे पहले जुलाई में चार शावकों की मौत हो चुकी है। शेरनी सोना ने 6 जुलाई से 10 जुलाई के बीच 5 शावकों को जन्म दिया था। जिसमें से 9 जुलाई को 2, 10 जुलाई को 1 और 13 जुलाई को 1 शावक की मौत हुई थी। इस शावक को शेरनी सोना ने दूध नहीं पिलाया था। सफारी प्रशासन उसे बोतल से दूध पिलाकर देखरेख कर रहा था, लेकिन शनिवार रात शावक की मौत हो गई। डिप्टी डायरेक्टर जय प्रकाश ने बताया कि अचानक शावक को बुखार आया और सांस लेने में कुछ दिक्कत हुई, तुरंत उसे ऑक्सीजन दिया गया, लेकिन बचाया नहीं जा सका। इससे पहले शनिवार को मादा भालू कुनी ने भी दम तोड़ दिया था। उधर, सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने शावकों की मौत पर ट्वीट किया। लिखा, इटावा लॉयन सफारी में आख़िरकार शेरनी सोना के पांचवें और अंतिम शावक को भी उप्र सरकार बचा न पाई। जबकि इसके लिए सपा ने उप्र सरकार को कई बार आगाह किया था। इस मामले में भाजपा सरकार से मौन से अधिक कुछ भी अपेक्षा करना व्यर्थ है।

6 जुलाई को शावक का हुआ था जन्म

लायन सफारी में शेरनी ने 6 जुलाई की दोपहर 1: 51 बजे पहले शावक को जन्म दिया। जोकि स्वस्थ था। पहले शावक के जन्म के 75 घंटे के बाद 9 जुलाई की शाम 7: 49 बजे एक मृत शावक को जन्म दिया। उसके 10 सेकेंड बाद ही एक जीवित शावक को जन्म दिया। 7: 57 बजे शेरनी सोना ने अपने मृत शावक के पिछले हिस्से को खा लिया।

आजमगढ़ में बेटे ने मां को पीट-पीट कर मार डाला

आजमगढ़। आजमगढ़ में बेटे ने पीट-पीटकर मां को मार डाला। बचाने के लिए पिता आए तो उन पर भी हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गए। घटना के बाद से आरोपी भाग निकला। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घरवालों से घटना की जानकारी ली। पिता की तहरीर पर बेटे के खिलाफ केस कर उसे हिरासत में ले लिया।

देवी प्रसाद अतरौलिया थाना क्षेत्र के खानपुर फतेह गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने अतरौलिया थाने में बेटे के खिलाफ तहरीर दी है। जिसमें कहा है कि बेटे राजू उर्फ राज कुमार ने मेरी पत्नी गुलाबी देवी (65) की हत्या कर दी। जो घर में खाना खाकर सो हुई थी। अचानक बेटे ने लात घूसों व लाठी डंडे से हमला कर दिया। जोर-जोर से मेरी पत्नी गुलाबी देवी चिल्लाने लगी। शोर सुनकर अगल बगल के लोग इकट्ठा हो गए। तब तक राजू भाग गया। घटना की जानकारी आस-पास के लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मुरादाबाद में युवक की कनपटी पर गोली मारकर हत्या

शादीशुदा महिला से था अफेयर; फोन करके घर बुलाया फिर गोली मार दी, महिला समेत 3 हिरासत में

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक युवक की कनपटी पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक का शव जंगल में पड़ा मिला है। हत्या के पीछे अवैध संबंधों की बात सामने आई है। पुलिस ने एक महिला समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया है। घटना भोजपुर थाना क्षेत्र में खानपुर की है।

खानपुर निवासी विक्की (23 साल) पुत्र मलखान सिंह मुरादाबाद शहर में एक पीतल फर्म में बर्तनों की पैकिंग का काम करता था। शुक्रवार को उसने फैक्ट्री से छुट्टी ली थी। इसलिए वो

घर पर ही था। विक्की के भाई अरविंद ने बताया कि शाम को विक्की अपने दोस्तों के साथ गांव के पास वॉलीबॉल खेल रहे युवकों को देख रहा था। देर शाम उसे तीन-चार कॉल आईं। कॉल करने वाले ने उसे जंगल में बुलाया। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला।

विक्की के पता नहीं चलने पर परिजनों ने उसे इधर उधर खोजा। गांव में नहीं मिलने पर आसपास के गांवों में जाकर भी उसके बारे में पता किया। लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला। इसके बाद परिजन घर लौट आए। शनिवार को सुबह विक्की का शव राजपाल सिंह के खेत में पड़ा मिला। जंगल में शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। इंस्पेक्टर भोजपुर अमरनाथ वर्मा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर भी साक्ष्य एकत्र किए हैं। परिजनों ने किसी से रंजिश से इंकार किया है। शुरुआती पड़ताल में विक्की के किसी महिला के साथ प्रेम संबंधों की बात सामने आई है। इसी आधार पर पुलिस ने एक महिला समेत 3 लोगों को हिरासत में लिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया मृतक के भाई विनोद की तहरीर पर एक महिला के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

थरवई कांड के आरोपियों से मुठभेड़, 9 गिरफ्तार

2 के पैर में लगी गोली, बंजारों ने डकैती के बाद किया था गैंगरेप

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने 7 दिन पहले हुए थरवई कांड का खुलासा किया है। रविवार तड़के पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 5 महिलाओं समेत 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें दो पुरुष आरोपियों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस के मुताबिक, घुमंतू गिरोह ने डकैती-गैंगरेप को अंजाम दिया था। आरोपी महिलाओं और बच्चों के साथ डेरा बनाकर रहते थे। महिलाएं रेकी का काम करती थीं। इसके बाद पुरुष

गिरोह बनाकर डकैती डालने जाते थे। पुलिस ने लूटे गए जेवरात और लगभग 74 हजार रुपए भी बरामद किया है। पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

थरवई के हेतापट्टी में 6 अगस्त की रात 1 बजे अशोक केसरवानी के घर में घुसकर लूटपाट हुई थी। अशोक और उसके भाई संतोष और पत्नी आरती केसरवानी को बंधक बना लिया गया। डंडे और चाकू से हुए हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

उनकी चीख-पुकार सुनकर बगल में स्थित सूर्य नारायण मार्केट के चौकीदार के परिवार पर भी हमला कर दिया गया था। चौकीदार और उसकी पत्नी को बंधक बनाकर नातिन से गैंगरेप किया। बाद में चौकीदार की मौत हो गई थी, जबकि अशोक गंभीर रूप से घायल हैं। उसका एसआरएन अस्पताल में इलाज चल रहा है।दो बदमाश धीरेंद्र उर्फ लड्डू और कुशलपाल उर्फ कृष्णा के पैर में गोली लगी है, जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज के एस आर एन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही गिरोह की रेकी करने वाली पांच महिलाएं बेलावती, शांति देवी, वेदवती, लीलावती और गंगा देवी गिरफ्तार की गई हैं।

सीतापुर में फंदे से लटकते मिले प्रेमी युगल के शव

सीतापुर। सीतापुर में रविवार को विधवा महिला और उसके मौसरे भाई के शव एक साथ घर के बाहर छप्पर से लटके मिले। दोनों के बीच 4 साल से अफेयर चल रहा था। संदिग्ध स्थिति में लटके मिले शवों को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। पूरा मामला जिले के महमूदाबाद कोतवाली इलाके का है। यहां केदारपुर गांव पड़ता है। इसी गांव में 25 साल की विधवा मोहिनी और 20 साल के राहुल की डेड बॉडी घर के छप्पर में फंदे से लटकता मिली। परिजनों के मुताबिक दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे। दोनों ने सुसाइड कर लिया है।

दोपहर एक बजे के करीब सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों के साथ-साथ पड़ोसियों के बयान भी दर्ज किए हैं। मामले में यह बात निकलकर सामने आई है कि मोहिनी के मायके वालों और ससुराल वालों ने मिलकर उसकी शादी देवर के साथ शादी तय कर दी थी। इससे मोहिनी और राहुल परेशान हो गए थे।

शार्ट न्यूज

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.27 प्रतिशत बढ़कर 83.04 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड चढ़कर 86.81 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

इंदौर अनाज मंडी: चना कांटा, तुअर, मसूर में तेजी, दालों में घटबढ़

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के कारण सप्ताहांत दलहन जिन्सों में तेजी हुई। चना, तुअर, मसूर के भाव में तेजी रही। वहीं दालों के भाव ऊपर नीचे हुए। चावल में उठाव सुधार लिए रहा। सप्ताहांत चना कांटा 5450 से 5475 रुपये खुलने के बाद 5800 से 5850 रुपये होकर थमा। मूंग 7800 से 8100 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 6400 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 7800 से 8100 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 8700 से 10600 रुपये खुलने के बाद 8700 से 10700 बताई गई। उड़द 7400 से 8500 रुपये खुलने के बाद 7400 से 8500 रुपये होकर बंद हुई। मसूर 5750 से 5800 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 5900 से 5950 रुपये होकर बंद हुई। दालों में मांग से घटबढ़ हुई।

5 नकदी फसलों से जुड़े उद्योग को बढ़ावा देगी केंद्र सरकार, नीति आयोग से मांगे सुझाव

वाणिज्य मंत्रालय ने चाय और तंबाकू जैसी पांच नकदी फसलों से संबंधित विधेयकों के मसौदे पर विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग से सुझाव मांगे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने चाय, कॉफी, मसाले, रबर और तंबाकू की नकदी फसलों से संबंधित विधेयकों के लिए अलग-अलग सुझाव मांगे हैं। इन विधेयकों का मकसद नकदी फसलों से जुड़े उद्योग को बढ़ावा देना और व्यवसायों के लिए अनुकूल माहौल बनाना है। सलाह लेने के बाद वाणिज्य मंत्रालय इन विधेयकों को केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास मंजूरी के लिए भेजेगा। इनके नाम मसाला (संवर्धन और विकास) विधेयक, रबर (संवर्धन और विकास) विधेयक, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक, चाय (संवर्धन और विकास) विधेयक और तंबाकू बोर्ड (संशोधन) विधेयक हैं। वाणिज्य विभाग ने 2022 में इन क्षेत्रों के दशकों पुराने कानूनों को निरस्त करने और उनके विकास को बढ़ावा देने और व्यवसायों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए नए कानून लाने का प्रस्ताव रखा था। अधिकारी ने कहा, इससे पहले नीति आयोग ने इन पांच विधेयकों पर मंत्रालय के साथ कुछ मुद्दे उठाए थे।

डॉक्टर को लिखनी होंगी जनेरिक दवाएं, असमंजस में फार्मा इंडस्ट्री

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा डॉक्टरों के लिए पर्चे पर जनेरिक दवा लिखना अनिवार्य करने से दवा उद्योग असमंजस में है। नामचीन दवा उद्योग के लॉबी ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे नए दिशानिर्देशों का विस्तार से अध्ययन कर रहे हैं। सूत्र ने नाम गुप्त रखने पर बताया, 'यदि डॉक्टर केवल जनेरिक मोलेक्यूल का नाम लिखते हैं तो गुणवत्ता का सवाल उठ सकता है। ब्रांडेड जनेरिक लिखने पर गुणवत्ता सुनिश्चित होती है और यह मरीज की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण भी है।' उसने कहा, 'अभी देश में 10,000 से अधिक दवा निर्माता हैं। इनमें सभी एक समान गुणवत्ता के मानदंडों का पालन नहीं करते हैं। ऐसे में यह कदम उठाने से दवा की गुणवत्ता और मरीज की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा ङ्क क्या डॉक्टर जिम्मेदार होगा?' दवा उद्योग में कई वर्षों से काम कर रहे एक व्यक्ति ने कहा कि इस क्रम में आगे देखा जाए तो डॉक्टर मोलेक्यूल का नाम लिख देता है तो ऐसे में दवा विक्रेता मरीज के लिए ब्रांड का चयन करेगा। उद्योग को डर है, 'ऐसे में ब्रांड को डॉक्टर की जगह दवा विक्रेता चुनेगा और ब्रांड चुनने की शक्ति दवा विक्रेता को स्थानांतरित होगी। ऐसे में जो भी कंपनी ज्यादा छूट देगी, दवा विक्रेता उस कंपनी को प्राथमिकता देगा।' दवा के लिए मार्जिन भी तय कर दिया गया है। इस क्रम में थोक विक्रेता के लिए 10 फीसदी और फुटकर (दवा विक्रेता) के लिए 20 फीसदी है। ऐसे में छोटी दवा कंपनियों को फायदा होगा।

दिवालिया प्रक्रिया में तेजी की तैयारी

राष्ट्रीय कंपनी विधि पंचाट के पीठों को कॉरपोरेट दिवालिया प्रक्रिया संबंधी आवदेन को स्वीकार करने के लिए लेनदारों और खास तौर पर वित्तीय लेनदारों द्वारा डिफॉल्ट स्थापित किए जाने के बाद उस पर सवाल नहीं उठाना चाहिए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह NCLT के लिए मसौदा दिशानिर्देशों का एक प्रमुख विषय है। कंपनी मामलों के मंत्रालय द्वारा उन दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अधिकारी के अनुसार, कंपनी कानून के लिए प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत काफी मायने रखता है और उसमें सभी पक्षों को अपनी बात रखने के लिए अवसर दिया जाता है। लेकिन ऋण शोधन अक्षमता एवं दिवालिया संहिता प्रक्रिया के लिए दायर आवेदन पर यह लागू नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'यदि लेनदार द्वारा डिफॉल्ट को स्थापित किया गया है तो निर्णायक अधिकारी द्वारा उस मामले पर दोबारा गौर करने अथवा मामले को चुनौती देने वाली याचिका को स्वीकार करने की जरूरत नहीं है। इससे प्रक्रिया में केवल देरी होती है।' इन दोनों के बीच अंतर करने की जरूरत इसलिए दिखती है क्योंकि NCLT उन नियमों का उपयोग करते हुए काम करता है जो कंपनी कानून संबंधी मामलों के लिए बनाए गए थे। NCLT का गठन IBC से पहले हुआ था। निर्णायक अधिकारी के स्तर पर होने वाली देरी को कम करने के लिए कंपनी मामलों के मंत्रालय ने आवेदन स्वीकार किए जाने के पहले चरण से ही आईबीसी के लिए खास दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार किया है।

इसी महीने आ सकता है जम्मू कश्मीर के लिथियम रिजर्व की नीलामी का रोडमैप

केंद्रीय खान मंत्रालय इस महीने के अंत तक जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में खोजे गए 59 लाख टन लिथियम भंडार के लिए बहुप्रतीक्षित नीलामी का ढांचा जारी करने की तैयारी में है। खान एवं खनिज (विकास एवं नियमन) संशोधन विधेयक, 2023 को हाल ही में संसद से मंजूरी मिली है, जिससे व्यापक नीलामी का ढांचा तैयार करने के प्रयास में तेजी आई है। खान मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज ने बताया कि मंत्रालय जम्मू कश्मीर में लिथियम खनन की नीलामी की समयसीमा तय करने को अंतिम रूप देने में लगा है। भारद्वाज ने कहा, 'विधेयक को संसद से मंजूरी मिलने के बाद हम नीलामी ढांचे के प्रारूप को आकार देने में लगे हैं।' यह कदम भारत के खनिज संसाधनों के सतत विकास के लक्ष्य के अनुरूप है और इनोवेटिव तथा आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हालांकि नीलामी की समयसीमा अभी तय नहीं की गई है मगर भारद्वाज ने 2 मई को उद्योग के एक कार्यक्रम में घोषणा की थी कि नीलामी साल के अंत तक की जाएगी। सरकार ने आगामी नीलामी के लिए जम्मू कश्मीर प्रशासन को लेनदेन सलाहकार नियुक्त करने की भी सिफारिश की है।

महंगाई और आयात-निर्यात आंकड़ों का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई। वैश्विक बाजार के कमजोर रुख और रिज़र्व बैंक के महंगाई अनुमान में बढ़ोतरी करने से स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह करीब आधे प्रतिशत से अधिक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह थोक एवं खुदरा महंगाई के साथ ही आयात और निर्यात के जारी होने वाले आंकड़ों का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 398.6 अंक अर्थात् 0.61 प्रतिशत की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 65322.65 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन एस ई) का निफ्टी 93.8 अंक यानी 0.48 प्रतिशत टूटकर 19423.20 अंक पर आ गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कम्पनियों के विपरीत छोटी और मझौली कम्पनियों में लिवाली हुई। इससे बीएसई का मिडकैप 266.9 अंक की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 30429.56 अंक और स्मॉल कैप 219.96 की उड़ान भरकर 35290.61 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह जुलाई का थोक मूल्य सूचकांक आधारित (डब्ल्यूपीआई) महंगाई और खुदरा मूल्य सूचकांक आधारित (सीपीआई) महंगाई के साथ ही निर्यात और आयात के आंकड़े जारी होने वाले हैं, जिस पर बाजार की नज़र रहेगी। इसके अलावा विदेशी मुद्रा भंडार भी आने वाले दिनों में फोकस में रहेंगे। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में खुदरा महंगाई का अनुमान 5.1 प्रतिशत स बढ़ाकर 5.4 कर दिया है, जिसका असर भी बाजार पर रहेगा।

इसके अलावा प्रमुख वैश्विक घटनाएं, जिसका अगले सप्ताह बाजार पर असर रहेगा उनमें चीन का औद्योगिक उत्पादन, अमेरिकी खुदरा बिक्री, कच्चे तेल का भंडार, बिल्डिंग परमिट, प्रारंभिक बेरोजगार दावे, फेड रिज़र्व की एफओएमसी बैठक, ब्रिटेन में बेरोजगारी दर, खुदरा महंगाई, खुदरा बिक्री, यूरो क्षेत्र में मुद्रास्फीति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के जारी होने वाले आंकड़े हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि भारतीय बाजार सीमित दायरे में बना रहेगा और आरबीआई के फैसले, अमेरिकी रोज़गार आंकड़े और एफओएमसी बैठक के मिनट्स से आगे का संकेत मिलेगा।

वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के बीच घरेलू स्तर पर हेल्थकेयर, आईटी, टेक, टेलीकम्युनिकेशंस और रियल्टी जैसे समूहों में हुयी लिवाली के बल पर सोमवार को सेंसेक्स 232.23 अंकों की बढ़त के साथ 65953.48 अंक और निफ्टी 80.30 अंकों की तेजी लेकर 19597.30 अंक पर रहा। वहीं, वैश्विक स्तर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही घरेलू स्तर पर अधिकांश समूहों में हुयी बिकवाली के कारण पिछले सत्र से जारी तेजी पर मंगलवार को ब्रेक लग गया, जिससे सेंसेक्स 106.98 अंक उतरकर 65846.50 अंक और निफ्टी 26.45 अंक गिरकर 19570.85 अंक पर रहा।

विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर धातु, ऊर्जा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और तेल एवं गैस समेत सोलह समूहों के शेयरों में हुई मजबूत लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 149.31 अंक की तेजी लेकर 65,995.81 अंक और निफ्टी 61.70 अंक की बढ़त के साथ 19,632.55 अंक पर पहुंच गया।

इसी तरह आरबीआई के नीतिगत दरों को यथावत रखने के साथ ही चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई अनुमान में बढ़ोतरी करने से हताश निवेशकों की एफएमसीजी, दूरसंचार और बैंकिंग समेत बारह समूहों में हुई बिकवाली से गुरुवार को सेंसेक्स 307.63 अंक लुढ़ककर 65,688.18 अंक और निफ्टी 89.45 अंक की गिरावट लेकर 19,543.10 अंक पर आ गया। इसके साथ ही वैश्विक बाजार की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर, वित्तीय सेवाएं, बैंकिंग और धातु समेत पंद्रह समूहों में हुई बिकवाली से शुक्रवार को सेंसेक्स 365.53 अंक की गिरावट लेकर 65322.65 अंक और निफ्टी 119.90 अंक का गोता लगाकर 19423.20 अंक रह गया।

दाल-दलहन और मीठे में तेजी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में जारी गिरावट के दबाव और स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा वहीं आवक कमजोर पड़ने से दाल-दलहन और मीठे के भाव चढ़ गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा सप्ताहांत पर 85 रिंगिट गिरकर 3715 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.33 सेंट की गिरावट लेकर 60.79 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 220 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि मूंगफली तेल 220 रुपये और सोया रिफ़ाइंड 147 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। वहीं, सूरजमुखी तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 12308 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20512 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 13407 रुपये प्रति क्विंटल, सोया

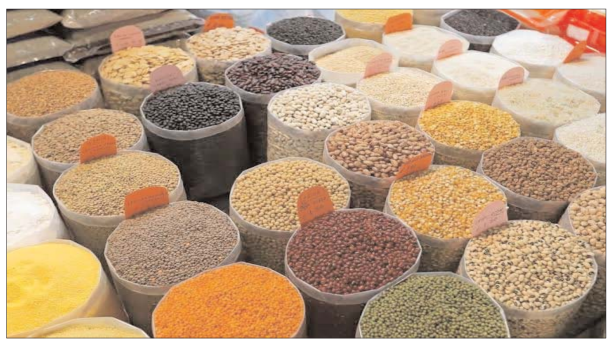

रिफाइंड 11721 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8933 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11000 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में तेजी का रुख रहा। सप्ताहांत पर चना 250 रुपये, दाल चना 250 रुपये, मसूर दाल 200 रुपये, मूंग दाल 350 रुपये, उड़द दाल 200 और अरहर दाल 200 रुपये प्रति क्विंटल महंगी रही।

सप्ताहांत पर चना 5400-5500, दाल चना 6400-6500, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9100-9200, उड़द दाल 10900-11000, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। साप्ताहांत पर चावल 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि गेहूं के भाव पुराने स्तर पर पड़े रहे।

इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2550-2650 रुपये और चावल 3000-3100 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : बीते सप्ताह मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी 50 रुपये और गुड़ के भाव 250 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गए।

साप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 3900-4000, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4000-4100 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.42 अरब डॉलर घटकर 601.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि कम होने से 04 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.42 अरब डॉलर घटकर 601.5 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 3.17 अरब डॉलर कम होकर 603.9 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 04 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.94 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 533.4 अरब डॉलर पर आ गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 22.4 करोड़ डॉलर कम होकर 44.7 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 17.1 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह कम होकर 18.3 अरब डॉलर पर आ गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 8.6 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 5.1 अरब डॉलर रह गई।

सर्राफा बाजार: सोना तथा चांदी में गिरावट

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में नरमी दर्ज की गई। सप्ताहांत सोना 75 रुपये तथा चांदी 1200 रुपये सस्ती बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 60575 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 60450 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 72800 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 71600 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 60700 नीचे में 60300 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 72800 तथा नीचे 71400 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1913 डॉलर तथा चांदी 2268 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर. खाद्य तेल: मूंगफली तेल महंगा, सोयाबीन रिफाइंड, पाम तेल में नरमी

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी सुस्ती से भाव घटबढ़ लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल महंगा बिका। सोयाबीन रिफाइंड एवं पाम तेल में कीमत डाऊन रही। तिलहनों में भाव ऊंचे बोले ? गए। कपास्या खली सामान्य बताई गई। कारोबार की शुरूआत में मूंगफली तेल 1890 से 1900 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1920 से 1930 रुपये प्रति 10 किलोग्राम होकर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 960 से 965 रुपये पर खुलकर 935 से 940 रुपये बिका। पाम तेल 920 से 925 रुपये खुलकर 900 से 905 रुपये होकर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में उपलब्धता कमी से भाव मजबूत बताए गए। पशु आहार कपास्या खली में लिवाली सामान्यवत रही।

इंदौर किराना बाजार: शक्कर सस्ती, खोपरा गोला, हल्दी, साबूदाना महंगा

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर के भाव कम हुए। खोपरा गोला, हल्दी, साबूदाना तथा खोपरा बूरा में उठाव से तेजी रही। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3880 से 3930 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3880 से 3920 रुपये के स्तर पर थमी। शक्कर की दैनिक आवक 04 से 05 गाड़ी की रही। खोपरा गोला 120 से 140 रुपये खुलने के बाद इसी स्तर पर थमा। हल्दी में पूछपरख सुधार लिए बताई गई। इसमें 150 से 275 रुपये की रंगत पर सौदे हुए।

ऑडिटर फर्म डेलॉयट ने अदाणी समूह से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड की ऑडिटर फर्म डेलॉयट हैस्किंस एंड सेल्स एलएलपी ने कंपनी के ऑडिटर के पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं इस कंपनी की जगह एमएसकेए एंड एसोसिएट्स कामकाज संभालेगी, समूह ने इसकी नए ऑडिटर के रूप में नियुक्ति की पुष्टि की है।

डेलॉइट 2017 से अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड का ऑडिटर का काम संभाल रही थी।

जुलाई 2022 में इसे पांच साल का और कार्यकाल दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अदाणी समूह ने शनिवार को कहा कि डेलॉयट के ऑडिटर पद से इस्तीफा देने के उसके कारण ठीक नहीं थे आगे कहा कि डेलॉयट ने कंपनी छोड़ने के जो कारण बताए वे ज्यादा ठोस नहीं हैं।

अदाणी ग्रुप ने शनिवार को जानकारी दी कि एमएसकेए एंड एसोसिएट्स भारत में अकाउंटिंग सर्विसेज की पेशकश करती है। यह बीडीओ इंटरनेशनल की एक स्वतंत्र सदस्य फर्म है, जो टॉप छह ग्लोबल ऑडिट फर्म्स में से एक है। माना जा रहा है इसके पीछे हिंडनबर्ग रिपोर्ट है जिसमें कुछ लेनेदेने को लेकर सवाल उठाए गए थे।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद से अदाणी समूह के शेयरों के बाजार मूल्य में लगभग 150 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है, लेकिन अपना कर्ज चुकाने और निवेशकों का विश्वास हासिल करने के बाद कुछ खोई हुई जमीन फिर से हासिल कर ली है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी 24 जनवरी की रिपोर्ट में अदानी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी, स्टॉक हेरफेर और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए थे। अदाणी समूह ने सभी आरोपों से इनकार किया है।

ऑक्सफैम इंडिया के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही पर कोर्ट की रोक, विभाग को नोटिस जारी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गैर सरकारी संगठन ऑक्सफैम इंडिया के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अदालत ने आयकर विभाग (आईटी) को नोटिस जारी किया और एनजीओ द्वारा दायर याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें उसके खिलाफ जारी नोटिस और आदेश को चुनौती दी गई थी।

रिकॉर्ड के मुताबिक, 7 सितंबर, 2022 को एनजीओ पर एक सर्वेक्षण किया गया था, जिसके कारण वर्ष 2016-17 के लिए पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू की गई और इस साल 29 मार्च को ऑक्सफैम को एक नोटिस जारी किया गया।

पीठ ने कहा, अगले छह सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दायर किया जाएगा। इस पर यदि कोई प्रत्युत्तर हो

तो सुनवाई की अगली तारीख से कम से कम पांच दिन पहले दायर किया जाएगा। न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया की पीठ ने कहा, मामले को 22 नवंबर, 2023 को सूचीबद्ध किया जाए। इस बीच, अदालत के अगले निर्देश तक पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही जारी रखने पर रोक रहेगी।

एनजीओ को 29 मार्च को आईटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत एक नोटिस जारी किया गया था, जिसने याचिकाकर्ता के खिलाफ इस आधार पर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू कर दी थी कि याचिकाकर्ता कथित तौर पर मुकदमेबाजी गतिविधियों में शामिल था जो विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) की धारा 8 (1) का उल्लंघन था। इसके अलावा, इसे कथित तौर पर विदेशी नागरिकों से संदिग्ध योगदान प्राप्त हुआ था और यह भविष्य की परियोजनाओं के लिए एडवांस के रूप में प्राप्त 15.09 करोड़ रुपये के राजस्व के रूप में मान्यता देने में विफल रहा था।

एनजीओ के वकील ने दलील दी कि अधिकारियों ने याचिकाकर्ता के साथ सर्वेक्षण रिपोर्ट साझा नहीं की और इसके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही पर सीमित रोक है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उसके खिलाफ लगाया गया यह आरोप कि उसे विदेशी नागरिकों से चंदा मिला है जो संदिग्ध है, गलत है क्योंकि योगदानकर्ताओं का विवरण और नाम मुहैया कराया गया है। पीठ ने कहा कि आकलन अधिकारी (एओ) का यह कहना कि 15.09 करोड़ रुपये को आय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए थी, पूरी तरह से गलत है, क्योंकि ये एडवांस के रूप में था था जिनका उपयोग भविष्य की वस्तुओं के लिए किया जाना था और इसलिए यह वह आय नहीं थी जो विचाराधीन अवधि में उत्पन्न हुई थी।

आयकर विभाग के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एनजीओ का एफसीआरए लाइसेंस खराब चल रहा है और याचिकाकर्ता इस अदालत में एक अन्य पीठ के समक्ष अपने अधिकार के लिए लड़ रहा है।

आयातित तेलों की भरमार से बीते हफ्ते खाद्यतेल की थोक कीमतों में आई गिरावट

देश में सस्ते आयातित तेलों की भरमार के बीच बीते सप्ताह तेल तिलहन बाजार में अधिकांश खाद्यतेल तिलहनों के थोक भाव में गिरावट आई, जबकि माल की कमी और मांग बढ़ने के कारण मूंगफली तेल तिलहन कीमतों में सुधार आया।

कारोबारियों ने बताया कि देश में मूंगफली और बिनौला के अच्छे तिलहन की कमी है और अभी तक सूरजमुखी के अत्यधिक आयात से इन दो तेलों की कमी पूरी हो रही थी, लेकिन लागत के मुकाबले कम भाव में बिकवाली के नुकसान के कारण आयात कम होने की आशंका है। ऐसे में त्योहारी दिनों की मांग को लेकर अभी से सचेत रहना होगा।

बाजार सूत्रों ने कहा कि देश में विशेषकर सूरजमुखी तेल का मांग के मुकाबले कहीं ज्यादा आयात हो रखा है

और इस तेल का थोक भाव बाकी तेलों से काफी सस्ता भी है। इसके कारण कोई तेल तिलहन उठ नहीं पा रहे। यह बिनौला और मूंगफली तेल की कमी को फिलहाल पूरा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच काला सागर मार्ग से परिवहन करने संबंधी समझौते की अवधि समाप्त होने के बाद तेल संघों को नरम तेल के आयात की स्थिति के बारे में सरकार को जानकारी देनी चाहिये।

उन्होंने कहा कि सरकार को अर्जेन्टीना सहित अन्य देशों से जुलाई और अगस्त के दौरान कितने खाद्यतेल की लदान हुई है, इस बात की जानकारी रखनी होगी ताकि त्यौहारों के मौके पर नरम खाद्यतेलों की कमी ना होने पाये।

सूत्रों ने कहा कि एक परिस्थिति तो यह है कि सोयाबीन और सूरजमुखी के आयात की जो लागत बैठती थी, उसके मुकाबले वही तेल यहां देश के बंदरगाहों पर सस्ते में बेचा जा रहा था, ताकि बैंकों के ऋण साख-पत्र (एलसी या लेटर आफ क्रेडिट) को चलाते रहा जा सके। लेकिन, इस कम भाव में बिकवाली से जो नुकसान हो रहा था, उससे काफी कम नुकसान कच्चा पामतेल और पामोलीन के आयात में हो रहा था।

इस परिस्थिति के कारण आयातक अपने 'एलसी' को चलाते रहने के लिए कम नुकसान होने वाले पाम एवं पामोलीन तेल के आयात की ओर मुड़ गये और बंदरगाहों पर इनकी बड़ी मात्रा में खेप खड़ी हैं और इसे खाली नहीं किया जा सका है। सूत्रों ने कहा कि जून में खाद्यतेलों का भारी आयात हुआ था जो जुलाई में यहां पहुंचा था। इस आयात में पाम एवं पामोलीन का कहीं अधिक आयात हुआ था और जून के मुकाबले सोयाबीन तेल का आयात लगभग 22 प्रतिशत कम हुआ था।

फाइनैंशियल परफॉर्मेंस में महाराष्ट्र ने किया टॉप

देश के सबसे गरीब राज्यों में से एक छत्तीसगढ़ बेहतर राजकोषीय स्थिति की सूची में महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर है और तेलंगाना इस सूची में तीसरे स्थान पर है। वहीं निचले तीन पायदान पर पश्चिम बंगाल, पंजाब और केरल हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

डॉयचे बैंक इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक दास द्वारा प्रमुख 17 राज्यों के वित्तीय स्वास्थ्य पर तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के पहले बजट अनुमानों के आधार पर महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना शीर्ष तीन राज्यों में शामिल हैं।

निचले तीन पायदान पर पश्चिम बंगाल, पंजाब और केरल हैं। दूसरी ओर वित्त वर्ष 2022-23 के संशोधित बजट अनुमानों के आधार पर, महाराष्ट्र रैंकिंग में शीर्ष पर रहा। इसके बाद छत्तीसगढ़, ओडिशा तेलंगाना और झारखंड हैं। इस दौरान पश्चिम बंगाल का प्रदर्शन सबसे खराब था, जबकि उसके बाद पंजाब, बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का नाम आता है। केरल सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले पांच राज्यों से बाहर रहा।

आंध्र प्रदेश की रैंकिंग वित्त वर्ष 2021-22 में आठवें स्थान से गिरकर वित्त वर्ष 2022-23 में 11वें स्थान पर आ गई। गुजरात पांचवें से सातवें स्थान पर खिसक गया है।

प्रमुख 17 राज्यों की राजकोषीय स्थिति पर आधारित रिपोर्ट चार प्रमुख राजकोषीय मापदंडों- राजकोषीय घाटा, स्वयं का कर राजस्व, राज्य ऋण स्तर (सभी उनके व्यक्तिगत सकल राज्य घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में) और अंत में राजस्व प्राप्तियों के मुकाबले ब्याज भुगतान पर आधारित है।

शार्ट न्यूज़

भारत-बहरीन के बीच दूसरा फुटसाल मैच आज

ईसा टाउन। भारतीय फुटसाल टीम सोमवार को यहां खलीफा स्पोर्ट्स हॉल में अपने दूसरे अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में बहरीन का सामना करने के लिये पूरी तरह तैयार है। मैच भारतीय समयानुसार रात 8.30 बजे शुरू होगा। भारत ने शनिवार को अपना पहला फुटसाल मैच खेला, जहां उसे मेज़बान बहरीन के हाथों 0-3 की हार का सामना करना पड़ा। हार के बावजूद, भारत के मुख्य कोच जोशुआ वाज़ टीम की प्रगति को लेकर आशावादी थे। वाज़ ने कहा, यह छोटे-छोटे अंतर हैं जो इस खेल में बड़ी तस्वीर बनाते हैं। पहले मैच में हमारे साथ यही हुआ था। हमारे लड़कों ने खेल में लंबे समय तक बहरीन की बराबरी करने के लिये शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन हमसे कुछ छोटी गलतियां हुईं। हम निश्चित रूप से उन पर काम करेंगे। वाज़ ने कहा, बहरीन एक बहुत अच्छी टीम है। हमने अभी फुटसाल में शुरुआत ही की है। हमारी टीम यहां से और बेहतर होगी। बहरीन के खिलाड़ी भी इस बात से हैरान थे कि हम कितने संगठित थे। उल्लेखनीय है कि भारत इस साल के अंत में होने वाले एएफसी फुटसाल एशियाई कप 2024 क्वालीफायर के लिये तैयारी कर रहा है। वर्तमान में गैरवरीयता प्राप्त भारत को एएफसी फुटसाल एशियाई कप क्वालीफायर के ग्रुप ई में म्यांमार, फिलिस्तीन और मेजबान ताजिकिस्तान के साथ रखा गया है। वाज़ का मानना है कि बहरीन के खिलाफ दूसरा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच प्रयोग करने का अच्छा समय होगा, ताकि उनके लिये सर्वश्रेष्ठ संयोजन तैयार किया जा सके।

हम स्पेन को मुश्किल समय देंगे : अस्लानी

ऑकलैंड। स्वीडन महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी कोसोवारे अस्लानी ने फीफा महिला विश्व कप 2023 सेमीफाइनल से पहले कहा है कि स्पेन का खेलने का तरीका जापान से मिलता-जुलता है और वह स्पैनिश टीम को मुश्किल समय देने की क्षमता रखते हैं। स्वीडन ने शुक्रवार को खेले गये क्वार्टरफाइनल में जापान को आसानी के साथ 2-1 से हराया। अस्लानी की टीम अब मंगलवार को सेमीफाइनल में स्पेन से भिड़ेगी, जो क्वार्टरफाइनल में नीदरलैंड को 2-1 से हराकर आ रही है। अस्लानी ने मैच से पहले फीफा से कहा, वह एक बेहद ही कुशल और तकनीकी टीम है। हम उनका और उनके खेलने के तरीके का बहुत सम्मान करते हैं। ज़ाहिर तौर पर (स्पेन की) जापान के साथ समानताएं हैं और हमें टीम में बिल्कुल उसी मानसिकता के साथ, बिल्कुल उसी तरह से खेलने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, हमने जापान के खिलाफ एक साथ काम को अंजाम दिया, एक टीम के रूप में दबाव डाला, हम द्वंद्वों में आक्रामक थे। अगर हम दोबारा ऐसा करते हैं, तो मुझे लगता है कि हम स्पेन को कठिन समय देंगे। उन्हें हमारे खिलाफ खेलने में मजा नहीं आना चाहिये। इस बीच, अस्लानी की हमवतन सोफिया जेकबसन ने भी अपनी साथी खिलाड़ी की बात से सहमति जताई। उन्होंने कहा, वह काफी हद तक जापान जैसे हैं। वह गेंद को अच्छी तरह काबू में रखते हैं।

पीएसजी और किलियन एम्बाप्पे के बीच शीत युद्ध समाप्त, मुख्य टीम के साथ खेलने की अनुमति

नई दिल्ली। दुनिया के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे इन दिनों अपने क्लब पेरिस सेंट जर्मेन के साथ शीत युद्ध को लेकर चर्चा में हैं। क्लब के साथ उनका करार अगले साल खत्म होने वाला है। पीएसजी ने उन्हें नए कॉन्ट्रेक्ट पर साइन करने के लिए कहा था, लेकिन वह नहीं माने थे। इसके बाद पीएसजी ने उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। अब पीएसजी ने उन्हें मुख्य टीम में शामिल कर लिया है और लीग-1 के दूसरे मैच में टॉलूसे के खिलाफ उन्हें खेलने का मौका मिल सकता है। वह लॉरेंट के खिलाफ पहले मैच के लिए नहीं चुने गए थे। यह मैच 0-0 की बराबरी पर छूटा था। पीएसजी एम्बाप्पे के साथ अनुबंध की स्थिति को भी सुलझाने की कोशिश कर रहा है। अब ऐसा लग रहा है कि एम्बाप्पे क्लब के साथ अपने करार को बढ़ा सकते हैं। क्लब कथित तौर पर 2025 तक एक अनुबंध तैयार करने के लिए तैयार है, जिसमें 2024 में रियल मैड्रिड क्लब में जाने का विकल्प होगा। अगर ऐसा होता है तो एम्बाप्पे अगले साल फ्री में रियल मैड्रिड में नहीं जाएंगे और इससे पीएसजी को ट्रांसफर के लिए बड़ी रकम मिल सकती है। पेरिस सेंट जर्मेन के प्रेसिडेंट नासिर अल खिलाफी ने कहा, एम्बाप्पे वापस आ गए हैं और वह पीएसजी के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना चाहते हैं लक्ष्य सेन, शीर्ष पांच खिलाड़ियों में जगह बनाने का सपना

नई दिल्ली। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का लक्ष्य एशियाई खेलों में पहला पदक जीतना और विश्व रैंकिंग में चोटी के पांच खिलाड़ियों में जगह बनाना है लेकिन उनकी पहली प्राथमिकता अपनी हाल की शानदार फॉर्म जारी रखकर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना है। सेन ने खराब दौर से गुजरने के बाद हाल में लय हासिल करके जुलाई में कनाडा ओपन में खिताब जीता और इसके बाद अमेरिकी ओपन और जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। अल्मोड़ा के रहने वाले इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 2021 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था और उन्हें उम्मीद है कि वह 21 अगस्त से डेनमार्क के कोपेनहेगन में होने वाली प्रतियोगिता में फिर से पदक जीतने में सफल रहेंगे। सेन ने यहां भारतीय बैडमिंटन संघ के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के मौके पर पीटीआई से कहा,''विश्व चैंपियनशिप में केवल एक सप्ताह का समय बचा है और मुझे लगता है कि मैंने जो पिछले टूर्नामेंट खेले हैं उनसे वास्तव में मुझे मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा,'' मेरी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। पिछले कुछ टूर्नामेंट में मेरी फॉर्म अच्छी रही लेकिन अब भी कुछ नई चीजें सीखने और सुधार करने की गुंजाइश है। मैंने हाल में कुछ अच्छे मैच खेले हैं और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिलेगा। अगले एक सप्ताह या 10 दिन में मैं वास्तव में अच्छा अभ्यास और उसके बाद विश्व चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं।''

यशस्वी जायसवाल बोले- मैं अपनी परफॉर्मेंस से खुश हूं

भारतीय टीम के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने कहा, मैं अपनी आज के परफॉर्मेंस से खुश हूं, लेकिन यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं कल के लिए भी तैयार हूं। यह अभी केवल शुरुआत है। मैं अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना चाहता हूं। यशस्वी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच में डेब्यू किया था और उस मैच में एक रन पर आउट हो गए थे। युवा ओपनर यशस्वी ने चौथे मैच में करियर की पहली हाफ सेंचुरी जमाई। उन्होंने 51 गेंदों पर नाबाद 84 रनों की पारी खेली। जायसवाल ने 164.70 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यशस्वी ने कहा, यह अर्धशतक वास्तव में खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना गौरवशाली पल होता है। इसके पीछे कड़ी मेहनत छुपी होती है। मैं खुशनसीब हूं कि मैं आज अच्छी परफॉर्मेंस देने में सफल रहा। गिल-जायसवाल की रिकॉर्ड साझेदारी से भारत ने चौथे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 5 मुकाबलों की सीरीज में 2-2 की बराबरी हासिल कर ली है। सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला 13 अगस्त को फ्लोरिडा के लॉडरहिल क्रिकेट ग्राउंड पर रात 8: 00 बजे से खेला जाएगा। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने चौथे टी-20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 84 रनों की पारी खेली। वे 21 साल की उम्र में टी-20 में हाईएस्ट स्कोरर भारतीय बन गए हैं। जायसवाल ने ऋषभ पंत के रिकॉर्ड को तोड़ा।

इंग्लैंड को स्टोक्स के वनडे विश्व कप खेलने की उम्मीद

लंदन। इंग्लैंड के कोच मैथ्यू मॉट भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर को खेलते हुए देखना चाहते हैं। स्टोक्स ने जुलाई 2022 में एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और हालिया एशेज़ श्रृंखला के बाद उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह 50 ओवर प्रारूप में लौटने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

गौरतलब है कि स्टोक्स को फरवरी में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग के अधिकांश सीजन में हिस्सा नहीं ले सके थे। उन्होंने पांच टेस्ट मैचों की एशेज़ श्रृंखला में इंग्लैंड की कप्तानी की, हालांकि चोट के कारण वह सिर्फ 29 ओवर ही गेंदबाजी कर सके। इस सब के बावजूद मॉट स्टोक्स को केवल बल्लेबाजी के लिये भी विश्व कप टीम में शामिल करने के लिये तैयार हैं। मॉट ने कहा, जॉस ही इस बातचीत की अगुवाई करेंगे। बेन ने हमारे साथ बहुत सीधी बात की है। हमें देखना होगा कि वह आना चाहते हैं या नहीं। अभी तक साफ नहीं हुआ है कि वह क्या करना चाहते हैं, लेकिन हम अभी भी आशावान हैं। मैंने हमेशा कहा है कि उनकी गेंदबाजी एक अतिरिक्त लाभ होगी, लेकिन वह अपनी बल्लेबाजी से ही बहुत बड़ा फर्क पैदा करते हैं। मॉट ने कहा, पूरी एशेज सीरीज के दौरान उन्हें देखकर लगा कि उनकी उपस्थिति बहुत अच्छी थी। जब वनडे क्रिकेट में प्रदर्शन की बात आती है तो उन्होंने वर्षों तक ऐसा किया है और इसलिए वह एक अमूल्य खिलाड़ी हैं। बेन स्टोक्स 2019 विश्व कप में इंग्लैंड के नायकों में से एक थे। उन्होंने फाइनल में अपनी यादगार नाबाद 84 रनों की पारी के लिये प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था। फाइनल में बेहद महत्वपूर्ण सुपर ओवर फेंकने वाले जोफ्रा आर्चर मेज़बान टीम के दूसरे नायक थे, हालांकि उसके बाद से चोटों के कारण आर्चर का करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने हाल ही में घोषणा की थी कि आर्चर विश्व कप के लिये फिट होने की राह पर हैं। मॉट ने खुलासा किया कि इंग्लैंड टूर्नामेंट के दौरान आर्चर के कार्यभार को प्रबंधित करके विश्व कप के लिये उनकी फिटनेस पर दांव खेलने को तैयार है।

केरल डर्बी में ब्लास्टर्स पर भारी पड़ा गोकुलम

कोलकाता। गोकुलम केरल एफसी ने रविवार को खेले गये डूरंड कप के करीबी मुकाबले में चिर-प्रतिद्वंदी केरल ब्लास्टर्स को 4-3 से मात दी। मोहन बागान ग्राउंड पर इमैनुएल जस्टिन (34वां मिनट), प्रबीर दास (54वां मिनट) और एड्रियेन लूना (77वां मिनट) ने ब्लास्टर्स के गोल किये, जबकि गोकुलम ने बाउबा अमिनौ, श्रीकुट्टन संतोष , एलेक्स सांचेज़ (45+1वां मिनट) और अभिजीत (47वां मिनट) के गोलों से जीत हासिल कर ली। इस ग्रुप सी मुकाबले के पहले हाफ में चार गोल देखने को मिले, जबकि दूसरे हाफ में कुल तीन गोल हुए। गोकुलम ने दूसरे हाफ के दूसरे ही मिनट में अभिजीत के गोल से 4-1 की आरामदायक बढ़त बना ली। प्रबीर और लूना ने आखिरी सीटी बजने से पहले ब्लास्टर्स के स्कोर में दो गोल का इज़ाफ़ा किया, लेकिन गोकुलम के डिफेंस ने विपक्षी टीम को चौथा गोल जमाने का मौका नहीं दिया। गोकुलम दो में से दो मुकाबले जीतकर ग्रुप-सी की तालिका में शीर्ष पर है।

सफलता के लिये मूल नियमों पर अडिग रहना ज़रूरी : गिल

लौडरहिल। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा है कि वह जब भी खराब फॉर्म से गुज़रते हैं तो मूल नियमों और अपने पुराने अंदाज़ पर अडिग रहते हैं।

शुरुआती तीन टी20 मैचों में असफल रहने के बाद गिल ने शनिवार को चौथे मुकाबले में 77 रन बनाये। उन्होंने 47 गेंद पर तीन चौके और पांच छक्के लगाये और यशस्वी जायसवाल (84 नाबाद) के साथ 165 रन की साझेदारी कर भारत को नौ विकेट से जीत दिलाई।

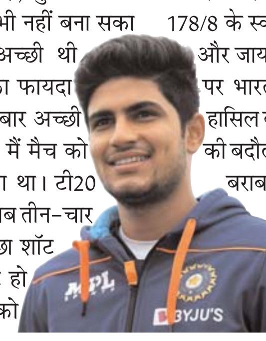

गिल ने मैच के बाद अर्शदीप सिंह के साथ बातचीत में कहा, शुरुआती तीन मैचों में मैं 10 रन भी नहीं बना सका था। आज पिच अच्छी थी इसलिये मैंने इसका फायदा उठाना चाहा। एक बार अच्छी शुरुआत मिलने पर मैं मैच को खत्म करना चाहता था। टी20 प्रारूप ऐसा ही है। जब तीन-चार मैचों में आप अच्छा शॉट खेलकर भी आउट हो जाते हैं तो आपको ज़्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, ज़रूरी है कि आप मूल नियमों से जुड़े रहें।

आप बस यह देखें कि जब आप लगातार रन बना रहे थे तो आपका अंदाज़ क्या था। आपको पहचानना होगा कि आप कोई गलती तो नहीं कर रहे। मुझे लगा कि मैं तीनों मैचों में से किसी में भी गलती नहीं कर रहा हूं, लेकिन मैं अपनी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पा रहा था।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप (38 रन, तीन विकेट) और स्पिनर कुलदीप यादव (26 रन, दो विकेट) ने शानदार गेंदबाजी कर वेस्टइंडीज को 178/8 के स्कोर पर रोक दिया। गिल और जायसवाल की जोड़ी के दम पर भारत ने 17 ओवर में जीत हासिल कर ली। भारत ने इस जीत की बदौलत पांच मैचों की श्रृंखला बराबर कर ली है और विजेता का फैसला रविवार को होने वाले पांचवें टी20 में होगा।

पेरिस ओलंपिक में पहुंची ऑस्ट्रेलियाई हॉकी टीम

वांगरेई। ऑस्ट्रेलिया की पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने रविवार को 2023 ओशिनिया कप जीतकर 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के लिये क्वालीफाई कर लिया है। दोनों टीमों ने न्यूजीलैंड को हराकर ओलंपिक में जगह पक्की की। ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में 3-1 से जीत दर्ज की, जबकि महिला टीम ने न्यूज़ीलैंड को 3-0 से हराया। इसके साथ, ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया के महाद्वीपीय चैंपियन के रूप में ओलंपिक खेलों के लिये सीधे क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गयी। फ्रांस ने मेज़बान होने के नाते 2024 खेलों के लिये क्वालीफाई किया है। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने कुल मिलाकर दो जीत और एक हार के साथ छह अंक हासिल किये, जबकि महिला टीम ने दो जीत और एक ड्रॉ की बदौलत सात अंक जुटाए। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के खिलाड़ी जेक हार्वी ने कहा, न्यूजीलैंड ने इसे बहुत प्रतिस्पर्धी श्रृंखला बनाया, लेकिन हम ओलंपिक खेलों के लिये क्वालीफाई करके बहुत खुश हैं। खेलों से पहले हमें बहुत काम करना है, लेकिन अभी हमें उस पल का आनंद लेना होगा कि हमें ओलंपिक में एक टीम भेजने का मौका मिला है। न्यूजीलैंड की पुरुष और महिला टीमें अब एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 खेलेंगी जहां उन्हें ओलंपिक में पहुंचने का दूसरा मौका मिलेगा। पुरुष और महिला प्रत्येक वर्ग में कुल 12 हॉकी टीमें ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेंगी।

कनाडा ओपन के फाइनल में भिड़ेंगे सिनर, डी मिनौर

टोरंटो। इटली के जैनिक सिनर और ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने कनाडा ओपन 2023 में अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। सातवीं सीड सिनर ने शनिवार को अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-4, 6-4 से हराया। गैर वरीयता प्राप्त डी मिनौर ने स्पेन के अलेहांद्रो डेविडोविच फोकिना को 6-1, 6-3 से मात दी। पिछले मैच में दूसरी सीड दानील मेदवेदेव के साथ उलटफेर करने वाले डी मिनौर ने अपने स्पैनिश प्रतिद्वंदी के खिलाफ अनुशासन का पालन किया, जबकि फोकिना लय हासिल न कर पाने के कारण 78 मिनट में ही मुकाबला हार गये। डी मिनौर ने मैच के बाद कहा, जब मैंने कोर्ट पर कदम रखा तो मुझे मालूम था कि मुकाबला मुश्किल होने वाला था। मैंने आज कोर्ट में अपनी तरफ से अनुशासनात्मक टेनिस की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा, मैंने बस अपने आप से कहा कि सकारात्मक रहो, चाहे कुछ भी हो मुकाबला करते रहो और तुम्हें कभी नहीं पता कि क्या होने वाला है। तो मैंने सोचा कि आज मेरी मानसिकता बहुत अच्छी थी... मैंने सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेला, लेकिन मैंने वह किया जो इन परिस्थितियों में आज करने की जरूरत थी। डी मिनौर इस हफ्ते से पहले किसी एटीपी 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में नहीं पहुंचे थे और अब फाइनल में उनका सामना इटली के युवा सनसनी सिनर से होगा।

पेरू में दिखे उड़ने वाले एलियंस

लोग बोले- चेहरे पर हमला कर रहे; अधिकारियों ने बताया- सोने का खनन करने वाले माफिया डर फैला रहे

पेरू में इन दिनों 7 फीट लंबे उड़ने वाले एलियंस का खौफ बना हुआ है। यहां पिछले हफ्ते गांव के लोगों ने दावा किया था कि उन्होंने उड़ने वाले एलियंस देखे हैं। ये एलियंस ने गांव वालों पर हमला कर उनके चेहरे को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने इन एलियंस को पेलाकारा यानी चेहरा खाने वाला भी बताया।

हालांकि, जब पेरू के अधिकारियों तक ये बात पहुंची तो उन्होंने बताया कि ये एलियंस असल में अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से आए सोने का अवैध खनन करने वाले गैंग के सदस्य थे। पेरू के नेशनल प्रॉसीक्यूटर के ऑफिस ने बताया कि वो इन 'एलियन अटैक' की जांच के लिए गोल्ड माफियाओं को ट्रैक करने की कोशिश कर रहे हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि गोल्ड माफिया गांव के लोगों को डराने के लिए जेटपैक की मदद से अलग-अलग कॉस्ट्यूम पहनकर हमला कर रहे हैं। इससे लोग अपने घरों में ज्यादा और सोने की खान के पास कम रहेंगे।

न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, लोकल लोगों के एक ग्रुप इकितु ने बताया कि 11 जुलाई के करीब एलियंस की घेराबंदी शुरू हुई थी। अधिकारियों ने कहा- अवैध खनन माफियाओं ने 29 जुलाई को एक 15 साल की लड़की का अपहरण करने के कोशिश की थी। इस दौरान उसकी गर्दन पर हमला किया गया था।

इकितु के लीडर बोले- एलियंस पर गोली का असर नहीं हुआ

इकितु के लीडर जायरो अविला ने दावा किया है कि आसमान में उड़ रहे ये लोग असल में एलियन ही हैं। उसने कहा- मैंने इन क्रीचर्स पर 2 बार गोली चलाई लेकिन फिर भी इन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, क्षेत्र के एक स्कूल में काम करने वाले टीचर ने लोकल रेडियो ब्रॉडकास्टर RPP को बताया कि उसने इन लोगों को जमीन से अपने इक्विपमेंट्स के जरिए उड़ान भरते हुए देखा था। जांच अधिकारियों ने जिन लोगों के बयान दर्ज किए हैं, उन्होंने बताया कि माफिया के लोग गांव वालों को डराने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और इक्विपेंट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें प्रॉपेलर्स, थ्रस्टर्स और जेटपैक्स शामिल हैं। डेली मेल के मुताबिक, अवैध खनन के 80 प्रतिशत गैंग नानय नदी के तट पर बसे हैं। यहीं से ये अपने ऑपरेशन्स को अंजाम देते हैं।

पेरू में दिखे एलियन 7 फीट लंबे, रंग- हरा

वहीं इनके एलियन होने का दावा करने वाले इकितु लीडर ने बताया कि 7 फीट लंबे उड़ने वाले क्रीचर्स के सिर काफी बड़े थे और ये हरे रंग के थे। इनके जूते गोल थे और इनकी हील पर लाल रंग की लाइट जल रही थी। लीडर अविला ने कहा- एलियंस की आंखें पीले रंग की थीं और हमला करने के बाद ये बहुत तेजी से भाग जाते थे।

माफियाओं के खौफ की वजह से इकितु के लोगों को अपनी दिनचर्या में काफी दिक्कत हो रही है। इसे देखते हुए समूह के लोगों ने अब नानय नदी के पास पहरा देना शुरू कर दिया है।

4 चीनी इंजीनियरों समेत 13 की मौत

बलोच आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली; दो साल पहले 9 चीनी मारे गए थे

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में रविवार दोपहर चीनी इंजीनियरों पर आतंकी हमला हुआ। पाकिस्तान में मौजूद 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के रिपोर्टर ताहा सिद्दीकी के मुताबिक हमले में 4 चीनी इंजीनियर, 9 पाकिस्तानी सैनिक और दो आतंकी मारे गए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में 27 लोग घायल भी हुए हैं।

जियो न्यूज के मुताबिक चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के एक थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए यहां चीनी इंजीनियर मौजूद हैं। दो साल पहले भी यहां चीनी इंजीनियरों पर फिदायीन हमला हुआ था। उसमें 9 इंजीनियर मारे गए थे।

पाकिस्तान सरकार और फौज की तरफ से मरने वालों के बारे में ऑफिशियली कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि पहले फौज ने दो आतंकियों के मारे जाने का दावा जरूर किया था। बलोच लिबरेशन आर्मी ने बयान जारी करके आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है।

मजीद ब्रिगेड ने दिया हमले को अंजाम

बलूचिस्तान में पहले भी फौज और चीन के टेक्निकल स्टाफ पर हमले होते रहे हैं। इस बार हुए हमले की जिम्मेदारी भी बलोच लिबरेशन आर्मी यानी ने ली है।

उसने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया। कहा- रविवार को हुए हमले में हमारे दो शहीद शामिल थे। इनके नाम नवीद बलोच और खुदाबख्श उर्फ असलम बलोच हैं। दोनों ही तुरबत इलाके के रहने वाले थे। दोनों ही मजीद ब्रिगेड से ताल्लुक रखते हैं।

चीन के नागरिक ही टारगेट पर क्यों

जापान के अखबार 'निक्केई एशिया' ने पाकिस्तान में मौजूद चीनी नागरिकों और उनके कारोबार पर खतरे को लेकर एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन की थी।

इसकी रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के तमाम आतंकी संगठन चीनी नागरिकों और उनके कारोबार या कंपनियों को ही निशाना बनाने की साजिश रच रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बीते 5 साल में यहां उनकी ताकत और रसूख बहुत तेजी से बढ़ा है। कई जगहों पर तो वो स्थानीय लोगों से भी ज्यादा ताकतवर हैं।

बम की चेतावनी के बाद एफिल टॉवर को कराया गया खाली

पेरिस। फ्रांस के सबसे प्रतिष्ठित प्रतीक राजधानी पेरिस स्थित एफिल टॉवर को बम से उड़ाने की चेतावनी मिलने के बाद शनिवार को कई घंटों के लिए खाली करा लिया गया। पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इस साइट को चलाने वाली संस्था एसईटीई ने कहा कि बम निरोधक विशेषज्ञों और पुलिस ने टॉवर के एक मंजिल पर स्थित एक रेस्तरां सहित अन्य क्षेत्रों की छानबीन की। एक प्रवक्ता ने कहा, इस तरह की स्थिति में यह एक सामान्य प्रक्रिया है। इस दौरान आगंतुकों को टॉवर की तीन मंजिलों और स्मारक के नीचे के चौक से हटा दिया गया। एक सुरक्षा परिधि स्थापित की गई और लोगों को दूर भेज दिया गया। एक पुलिस सूत्र और एसईटीई ने कहा कि कुछ घंटों बाद अलर्ट हटा लिया गया। उल्लेखनीय है कि टावर के निर्माण कार्य जनवरी 1887 में शुरू हुआ और 31 मार्च, 1889 को समाप्त हुआ।

अमेरिका के हवाई में दावानल से मरने वालों की संख्या 93 हुयी

हवाई। अमेरिका में माउई काउंटी सरकार ने हवाई में जंगल की आग से रविवार तक मरने वालों की संख्या 93हो गयी। इससे पहले हवाई के गवर्नर जोश ग्रीन ने मरने वालों की संख्या 89 बताई थी। ग्रीन ने मीडियाकर्मियों को हवाई द्वीप में लगी जंगली आग को अमेरिकी इतिहास में सबसे घातक बताया। माउई काउंटी सरकार ने अद्यतन में रिपोर्ट में कहा, पुष्टि की गई मौतों की संख्या बढ़कर 93 हो गई है, जिनमें से दो की पहचान कर ली गई है। उन्होंने बताया कि हवाई में जंगल की आग शुष्क और गर्म मौसम के कारण भड़की और डोरा तूफान द्वारा लाई गई तेज़ हवाओं के कारण और भड़क गई। आग आग 400 हेक्टेयर (988 एकड़) क्षेत्र में फैली है। आग ने लोकप्रिय पर्यटक शहर लाहिना सहित कई बस्तियों को नष्ट कर दिया। अधिकारी सड़कों को अवरुद्ध करने और सार्वजनिक परिवहन को निलंबित करने के लिए मजबूर हैं। सैकड़ों स्थानीय निवासियों को क्षेत्र से निकाला गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर हवाई में एक बड़ी आपदा की घोषणा की। द्वीप में लगी जंगल की आग से निपटने में मदद करने के लिए अतिरिक्त संघीय संसाधनों को उपलब्ध कराएगा जा रहा है।

चीन ने प्राकृतिक आपदा की रोकथाम को समर्पित उपग्रह प्रक्षेपित किया

सिचुआन। चीन ने रविवार को सिचुआन प्रांत के जिचांग उपग्रह प्रक्षेपित केन्द्र से प्राकृतिक आपदा की रोकथाम और शमन के लिए समर्पित एक उपग्रह का प्रक्षेपण किया। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन ने यह जानकारी दी। प्रशासन ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा है कि रिमोट सेंसिंग उपग्रह, लैंड सर्वेयर 4ए को 3बी रॉकेट पर दक्षिण-पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में ज़िचांग उपग्रह प्रक्षेपित केन्द्र से 1: 26 बजे प्रक्षेपित किया गया और जल्द ही अपनी पूर्व निर्धारित जियोसिंक्रोनस कक्षा में प्रवेश कर गया। चाइना एकेडमी ऑफ स्पेस टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित, लैंड सर्वेयर 4ए उच्च ऊंचाई वाली कक्षा में दुनिया का पहला सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह है और यह चीन की अंतरिक्ष-आधारित आपदा निगरानी प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार करेगा। प्रशासन ने कहा है कि अंतरिक्ष यान को चीनी क्षेत्रों और पड़ोसी क्षेत्रों पर चौबीसों घंटे निगरानी करने का काम सौंपा गया है। उपग्रह का उपयोग आपदा रोकथाम और राहत कार्यों के अलावा, भूमि और समुद्री संसाधन प्रबंधन, मौसम पूर्वानुमान, पर्यावरण संरक्षण और कृषि और वानिकी उद्योगों में भी किया जाएगा। इसके उपयोगकर्ताओं में आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय, प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय, चीन मौसम विज्ञान प्रशासन, साथ ही कृषि और ग्रामीण मामलों के मंत्रालय शामिल हैं। अंतरिक्ष मिशन इस साल चीन का 35वां रॉकेट प्रक्षेपण था और देश के प्रमुख प्रक्षेपण वाहन बेड़े लॉन्ग मार्च रॉकेट परिवार की 483वीं उड़ान थी।

अमेरिका के लिए जासूसी करने वाला चीनी नागरिक पकड़ा गया

बीजिंग। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी की ओर से भर्ती किए गए चीन के एक नागरिक को जासूसी करते और संवेदनशील जानकारी प्रदान करते हुए पकड़ा गया है। राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी सूचना दी। मंत्रालय ने कहा कि मामले को आगे की समीक्षा और अभियोजन के लिए प्रोक्यूरेटोरेट में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसने जासूसी के कृत्यों के बारे में कुछ विवरण दिए हैं। वर्ष 1971 में जन्में नागरिक का नाम ज़ेंग है। वह चीन में एक सैन्य-औद्योगिक समूह का कर्मचारी है। मंत्रालय ने कहा कि उस अवधि के दौरान जब ज़ेंग को उनकी कंपनी द्वारा इटली में अध्ययन करने के लिए प्रायोजित किया गया था, तब उससे सेठ नाम के अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी ने संपर्क किया था। रात्रिभोज, सैर-सपाटे और ओपेरा प्रदर्शन में भाग लेने जैसी गतिविधियों के माध्यम से दोनों के बीच धीरे-धीरे घनिष्ठ दोस्त बन गये। समय के साथ, ज़ेंग मनोवैज्ञानिक रूप से सेठ पर निर्भर हो गया जिसका इसका फायदा उठाकर सेठ ने ज़ेंग को कुछ पश्चिमी मूल्यों से परिचित कराया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

गौरवशाली भारत
नई दिल्ली
सोमवार 14 अगस्त 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत किया गया सम्मानित

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

बलरामपुर/सादुल्ला नगर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर केशव कुमार द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान को और अधिक प्रभावशाली बनाए जाने हेतु समस्त थानों के प्रभारी निरीक्षक द्वारा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अपराधों की रोकथाम हेतु व जनपद में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जनप्रतिनिधि व संभ्रांत नागरिक आदि को सीसीटीवी कैमरे लगवाने के लिए किया जा रहा है प्रेरित इसी क्रम में थाना क्षेत्र के सम्मानित नागरिक अनिल कुमार गुप्ता पुत्र स्व. गुरुदास गुप्ता निवासी ग्राम कस्बा सादुल्लानगर थाना सादुल्लानगर के द्वारा ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रोत्साहित किये जाने पर अपनी दुकान अनिल टाइल्स एंड मार्बल, व अनिल पी ओ पी इंटीरियर की दुकान के सामने मुख्य मार्ग को कवर करते हुए तीन कैमरे व दुकान के अंदर चार कैमरे , कुल सात कैमरे लगवाये जाने पर इनके उत्साहवर्धन हेतु इनके प्रतिष्ठान पर पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक बृजानंद सिंह के नेतृत्व में बीपीओ हेड कांस्टेबल अशोक तिवारी व कांस्टेबल पवन मौर्य द्वारा माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

शाह और पटेल ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के अंतर्गत रविवार को अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से घाटलोडिया वार्ड कार्यालय से निर्णय नगर तक आयोजित की गई भव्य 'तिरंगा यात्रा' को घाटलोडिया से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा के दौरान श्री शाह के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और श्री पटेल के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्र भक्ति का शानदार नजारा देखने को मिला। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी का अमृत महोत्सव के वर्ष को एक बहुत ही उम्दा भाव के साथ जनता के समक्ष रखा है। वर्ष 1857 से 1947 तक 90 वर्ष आजादी के लिए संघर्ष करने के बाद हमें यह अनमोल आजादी प्राप्त हुई थी। उन्होंने कहा कि हमें मिली आजादी के पीछे लाखों-करोड़ों लोगों ने 90 वर्षों तक संघर्ष किया और बलिदान दिया था। अनेक वीर सपूतों और क्रांतिकारी युद्ध के मैदान में वीर गति को प्राप्त हुए। भगत सिंह, खुदीराम बोस और बाबू कुंवर सिंह सहित कई वीर शहीद हंसते-हंसते 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे के साथ वीर गति को प्राप्त हुए थे। उन्होंने कहा कि देश के वीर सपूतों का बलिदान केवल बलिदान ही नहीं है। उनका बलिदान हमारी आने वाली पीढ़ी और देश के लिए जीवन जीने के संस्कार हैं।

मऊगंज नया जिला बना

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने आज मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणा के अनुरूप मऊगंज का नए जिले के रूप में गठन कर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) की नियुक्ति भी कर दी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रीवा जिले की तीन तहसीलें मऊगंज, हनुमना और नईगढ़ी को मिलाकर नवीन जिला मऊगंज का गठन किया गया है। इसका मुख्यालय मऊगंज रहेगा। मऊगंज के गठन उपरांत शेष रीवा जिले में नौ तहसीलें, हुजूर, हुजूरनगर, जवा, त्यौंथर, रायपुर कर्चुलियान, गुढ़, सिरमौर, सेमरिया और मनगवां रहेंगी। राजस्व विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। मऊगंज के पहले कलेक्टर के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी सुश्री सोनिया मीना को पदस्थ किया गया है। वर्ष 2013 की अधिकारी सुश्री मीना अभी तक भोपाल में आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं की संचालक के रूप में कार्यरत थीं। वहीं भारतीय पुलिस सेवा (भापुसे) के अधिकारी वीरेंद्र जैन को मऊगंज का पहला पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार श्री जैन अब तक छिंदवाड़ा में आठवीं वाहिनी (विसबल) के सेनानी के रूप में कार्यरत थे।

शिवराज 16 अगस्त को पन्ना के गुनौर आएंगे, तैयारियों का लिया गया जायजा

पन्ना। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 16 अगस्त के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम को दृष्टिगत रखकर खनिज मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह और संभागायुक्त वीरेन्द्र सिंह रावत ने आज पन्ना जिले के गुनौर में तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार चौहान जिले के गुनौर भ्रमण के दौरान रोड शो भी करेंगे और महिला सम्मेलन के कार्यक्रम में शामिल होंगे। साथ ही सीएम राइज स्कूल गुनौर एवं ककरहटी सहित जल जीवन मिशन की पवई ब्यारमा समूह पेयजल प्रदाय योजना तथा अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इस दौरान जल जीवन मिशन परियोजना से लाभांवित 260 गांव में कलश यात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं में लाभांवित हितग्राहियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने गुनौर भ्रमण के दृष्टिगत भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा कर।

मादा चीता निरवा 'कैप्चर', स्वास्थ्य परीक्षण के लिए बोमा रखा गया

श्योपुर। मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान के धोरट परिक्षेत्र से स्वास्थ्य परीक्षण के लिए दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता निरवा को आज सुबह 'कैप्चर' किया गया। मादा चीता निरवा स्वस्थ है, उसे बोमा में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए रखा गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 21 जुलाई को जब निरवा की कॉलर से सैटेलाइट के माध्यम से मिलने वाली लोकेशन प्राप्त होना बंद हो गयी थी, तबसे उसकी खोजबीन की जा रही थी। पार्क प्रबंधन वृहद स्तर पर निरवा की खोजबीन में लगा हुआ था। सौ से भी ज़्यादा संख्या में प्रबंधन स्टाफ़, जिसमें अधिकारी, कर्मचारी, वन्यप्राणी चिकित्सक तथा चीता ट्रेकर सम्मिलित थे, दिन-रात पूरे संभावित क्षेत्र में निरवा की खोजबीन में लगे हुए थे। क्षेत्र में पैदल सर्च पार्टियों के अलावा 2 ड्रोन टीमें, एक डॉग स्क्वाड और उपलब्ध हाथियों से निरवा को ढूंढने का अभियान चलाया जा रहा था। प्रतिदिन लगभग 15-20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में खोजबीन की जा रही थी। इसके अलावा, स्थानीय ग्रामीणों को निरवा के संबंध में अवगत कराकर, उनसे प्राप्त होने वाली समस्त सूचनाओं का तत्काल परीक्षण एवं सत्यापन कराया जा रहा था। इसी दौरान 11 अगस्त की शाम निरवा की लोकेशन सैटेलाइट के माध्यम से प्राप्त हुयी।

एटीएम बदलकर धोखाधड़ी कर रुपए आहरित करने के चार आरोपी गिरफ्तार

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में एटीएम बदलकर धोखाधड़ी पूर्वक रूपये आहरित करने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग बैंक एवं अलग-अलग नाम के 30 एटीएम कार्ड, एक मोटर साइकिल, एक टीव्ही एवं पांच मोबाइल फोन जप्त हुए हैं। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस थोटा ने आज बताया कि खुमान प्रसाद प्रजापति निवासी इन्द्रपुरी कॉलोनी पन्ना द्वारा कोतवाली थाने में रिपोर्ट की गयी थी। उसके बैंक खाता से अलग-अलग दिन में कुल 02 लाख 27 हजार 523 रूपये आरोपियों द्वारा आहरित किये गए थे। फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई।

मोतियाबिंद ऑपरेशन में देश में सबसे आगे गुजरात

गांधीनगर। 'राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान' के तहत मोतियाबिंद ऑपरेशन में गुजरात देश में सबसे आगे है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गृह राज्य गुजरात ने उनकी संवेदनशील पहल 'राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान' के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए आवंटित लक्ष्य 1,26,300 का 504त्व, यानी 6,36,428 मोतियाबिंद ऑपरेशन्स कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। इतना ही नहीं प्रति 10 लाख की आबादी पर 10,000 से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन की दर हासिल करके गुजरात इस श्रेणी में भी अग्रणी राज्य है।

वहीं वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान के तहत राज्य में 1,51,700 मोतियाबिंद ऑपरेशन्स का लक्ष्य रखा गया है, जिसके सापेक्ष अब तक 81 प्रतिशत से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन्स यानी 1,23,975 मोतियाबिंद ऑपरेशन्स भी पूरे कर लिए हैं।

राष्ट्रीय अंधत्व और दृश्य हानि नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्र सरकार ने वर्ष 2022 में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान की शुरुआत तीन साल के लक्ष्य के साथ मई 2025 तक देश में अंधेपन की दर को 0.25 प्रतिशत तक कम करने के लिए की है। केंद्र सरकार की इस पहल के तहत 50 वर्ष से अधिक आयु के मोतियाबिंद के कारण अंधे या मोतियाबिंद के कारण दृष्टि दोष वाले व्यक्तियों के ऑपरेशन्स नि:शुल्क किए जाते हैं। प्रधानमंत्री ने जब वर्ष 2022 में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान की शुरुआत की तब उनके इस विचार को साकार रूप देने में गुजरात का योगदान सबसे अधिक हो इस उद्देश्य के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने भी वर्ष 2022 में ही मोतियाबिंद अंधत्व मुक्त गुजरात अभियान की शुरुआत की।

गुजरात सरकार का यह राज्य स्तरीय अभियान राज्य के 50 साल से अधिक उम्र के ऐसे नागरिक जिन्होंने मोतियाबिंद के कारण या तो अपनी दृष्टि खो दी थी, ये वे अपनी दृष्टि को खोने के समीप थे, उनके लिए एक वरदान साबित हुआ है। राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने इस अभियान के लिए एक डेडिकेटेड वेबसाइट को भी शुरू किया है। सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा संचालित इस वेबसाइट में रोगी जनों के प्राथमिक पंजीकरण, रेफरल सेवा, ऑपरेशन सेवा और अनुवर्ती सेवा संबंधित सेवाओं की पूरी जानकारी होती है।

इस अभियान के तहत राज्य के सभी 33 जिलों और आठ नगर निगम क्षेत्रों को शामिल किया गया है और कार्य योजना के अनुसार अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक राज्य में आठ लाख से अधिक सफल ऑपरेशन्स किए जा चुके हैं।

राज्य के इस महत्वपूर्ण अभियान को राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग चार प्रमुख चरणों में संपादित करता है। इसमें पहला चरण 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का दृष्टि सर्वेक्षण है, दूसरा चरण, दृष्टि बाधित रोगियों का पंजीकरण, तीसरा, रोगियों का ऑपरेशन है और वहीं चौथा व अंतिम चरण अनुवर्ती कार्रवाई है।

गुजरात में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की दृष्टि जांच फील्ड स्टाफ के माध्यम से के द्वारा की जाती है। इसके लिए राज्य की लगभग 50 हजार एएसएचए कार्यकर्ता बहनों को प्रशिक्षित भी किया गया है। ऑपरेशन के बाद हाइड्रोफोबिक इंट्राओकुलर लेंस भी दिया जाता है नि:शुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की आवश्यकता वाले सभी रोगियों को हाइड्रोफोबिक लेंस भी नि:शुल्क प्रदान किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि मोतियाबिंद के लिए हाइड्रोफोबिक लेंस आमतौर पर सबसे अच्छा विकल्प होता है। यह एक प्रकार का इंट्राओकुलर लेंस है जो पोस्टऑपरेटिव जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद करता है, जैसे कि पोस्ट कैप्सूल ओपसीफिकेशन। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार की यह उपलब्धि न केवल आँकड़ों के नजरिए से बड़ी सिद्धि है बल्कि मानवीय संवेदनशीलता के विचार से भी यह प्रशंसनीय कार्य है।

रीना रानी ने रानी की तरह मनाया जन्मदिन, पूर्णिमा के सेट पर काटा केक .!

रीना रानी टेलीविजन की दुनिया मे जाना पहचाना नाम है । निमकी मुखिया में उनके द्वारा निभाये गए डुमरी वाली चाची के किरदार को कौन भूल सकता है भला ! तब से लेकर आज तक रीना रानी ने अपने कैरियर में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा । आज उसी खूबसूरत और स्टनिंग लुक वाली अभिनेत्री रीना रानी का जन्मदिन है । रीना रानी ने अपने कैरियर में ऊंचा मुकाम हासिल कर लिया है । अपने कैरियर के शुरुआती दिनों में ही सन 1999 में ही रीना रानी ने मिस बिहार का ख़िताब हासिल कर लिया था । उसके बाद ही उनको बड़ा ब्रेक ईटीवी बिहार के शो मिसेज भाग्यशाली में बतौर एंकर के रूप में मिला । उसके बाद से ही कैरियर में नित नई उचाईयों को छूती चली गईं । बिहार के सिवान जैसे छोटे जगह से आकर आज मुम्बई में एक स्थापित अभिनेत्री के तौर पर अपना कैरियर रीना रानी से सेट कर लिया है , उन्होंने अपने कैरियर में अब तक विभिन्न भाषाओं में 50 के लगभग फिल्में की हैं उसके साथ ही रीना रानी ने बड़े पर्दे के साथ छोटे पर्दे पर भी लगातार अपनी सक्रियता बनाये रखी और निमकी मुखिया, फुलवा, झांसी की रानी जैसे प्रसिद्ध टीवी धारावाहिकों में भी अपने सशक्त अभिनय से लोगों का ध्यान आकृष्ट किया । आज की तारीख में भी रीना रानी अपने कैरियर में व्यस्त चल एहि हैं और आज उन्होंने दंगल टीवी पर चल रहे टीवी धारावाहिक शो पूर्णिमा के सेट पर ही केक काटकर अपना जन्मदिन सेलिब्रेट किया । इस अवसर पर उनको बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा रहा और सबने उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित किया । रीना रानी का वर्तमान में एक और शो दूरदर्शन के नेशनल चैनल पर कॉरपोरेट सरपंच के नाम से भी आ रहा है ।

अजहरुद्दीन बने युमंद के करमा ब्लॉक के प्रभारी एवं आशीष पाल उपाध्यक्ष

सोनभद्र। प्रदेश सरकार के यूथ आइकॉन एंव युवक मंगल दल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश सहप्रभारी - प्रवक्ता सौरभ कान्त पति तिवारी के निर्देश पर जिला महामंत्री रतन मिश्रा ने करमा ब्लॉक के डिलाही गांव निवासी अजहरुद्दीन को युवक मंगल दल के करमा ब्लॉक का प्रभारी एंव कम्हरिया गांव निवासी आशीष पाल को ब्लॉक उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

रतन ने बताया कि विगत बीस वर्षो से सौरभ कान्त पति तिवारी के नेतृत्व में युवक मंगल दल लगातार जनहित का कार्य कर रहा है साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में रत है जिससे पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है साथ ही ग्रामीण युवाओ की नेतृत्व क्षमता का विकास भी हो रहा है। कार्यवाहक जिलाध्यक्ष शाहिद खान ने कहा कि कुछ लोग संगठन की छवि धूमिल कर रहे हैं और संगठन द्वारा जो भी सरकारी योजनाओं में काम किया जा रहा है उसमें बाधा उत्पन्न कर रहे है जिसको पूरे जनपद के संगठन के साथी किसी हाल में बर्दाश्त नही करेंगे।

उन्होंने कहा कि सौरभ ने संगठन को शिखर पर पहुंचाने को हमेशा प्रयासरत रहे हैं। इस अवसर पर नव नियुक्त ब्लॉक प्रभारी अजहरुद्दीन एंव उपाध्यक्ष पूर्व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष नवीन कुमार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष चन्द्रभान गुप्ता, अजय कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

उज्जैन में आज तीन लाख से अधिक भक्तों ने किए महाकाल के दर्शन

उज्जैन। मध्यप्रदेश की महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन में अधिक मास के अंतिम दौर में छुट्टी के कारण आज तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड आगमन हुआ और दर्शनार्थियों का शयन आरती तक आने का सिलसिला जारी रहा। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया कि श्रावण माह में श्रद्धालुओं की गणना करने के लिए स्मार्ट सिटी द्वारा लगाई गई हेड काउंट डिवाइस के माध्यम से यह जानकारी मिली है। दक्षिण मुखी भगवान महाकालेश्वर मंदिर में चल रहे अधिक मास में आज शाम तक 03 लाख 20 हज़ार 140 से अधिक दर्शनार्थियों ने भगवान के दर्शन किये। महाकाल महालोक बनने के बाद श्रावण मास में चार जुलाई से लेकर अब तक एक करोड़ 07 लाख से अधिक श्रद्धालु भगवान महाकालेश्वर के दर्शन कर चुके हैं। इस बार अधिक मास होने के कारण बाबा महाकाल की कुल 10 सवारियां निकलेगी। अंतिम सवारी 11 सितंबर को निकाली जाएगी। इस दौरान आने वाले एक माह में और अधिक श्रद्धालु यहां पहुंचेंगे।

अन्तरराष्ट्रीय मलमास मेला , राजगीर में दिखा नन्हें कलाकारों का जलवा

'मलमास मेला, राजगीर की अन्तरराष्ट्रीय सांस्कृतिक महत्ता है। इसमें ऋषभ,प्रज्ञा की रचनात्मकता का जलवा दिखा।

राजकीय मलमास मेले के सांस्कृतिक संध्या मंच पर सृजन के बाल कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर दर्शकों को खूब झुमाया।

4 वर्षीय प्रज्ञा सिंह ने सत्यम शिवम सुंदरम गीत पर नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से भक्तिमय वातावरण की निर्मिति कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वहीं बाल कलाकारों ने

हर तरफ हर जगह हर कली गीत के माध्यम से कण कण में विद्यमान ईश्वर का बोध कराया । शिव और पार्वती के प्रगाढ़ प्रेम को चार वर्षीय प्रज्ञा सिंह एवं सात वर्षीय ऋषभ सिंह ने भक्ति गीत के साथ-साथ डफली वाले डफली बजा गीत पर नृत्य कर खूब तालियां बटोरीं। वहीं झांसी की रानी लक्ष्मी बाई की जीवंत कथा को अपने नृत्य के माध्यम से वीरता एवं अदम्य साहस का परिचय दिया। सृजन के युवा कलाकारों ने नारी का रूप के माध्यम से बिहार की विधा गोदना को कृष्ण रूपी गोदनहरी बनकर कृष्ण और राधा का प्रेम को जताया, वहीं राजगीर एवं सिलाव के ब्रांड एंबेसडर भैया अजीत ने मुख्य गायक के रूप में अपनी गायकी के माध्यम से भक्ति, देशभक्ति एवं माता के प्रति कर्तव्य का बोध कराया । भैया अजीत ने अगस्त माह व श्रावण मास के साथ-साथ कारगिल विजय दिवस को अपने गीत में पिरो कर अपने दर्शकों के बीच परोसा

जय जय शिव शंकर प्रियंकारी। महिमा तेरो भारी! जय पार्वती धर भालचंद्र शोभे बैल सवारी!!

सिमवा पर गइल बाड़े हमरो सजनवा, देशवा के रक्षा करें बनके कप्तनवा। ई दुनिया माई के दुधवा के बनल कर्जदार बाटे...। इं गीतों माध्यम से समा बँध गया । बाल कलाकारों में मनीषा, स्वाति, प्राची, रागिनी, नंदनी, नैंसी, तेजस्वी, स्वीटी कीर्ति ,परी ,दीपाली , लवली, अंकिता , ज्योति , राजनंदिनी , अनामिका , चांदनी, लक्ष्मी, पायल, अंतरा ,प्रियंका ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

शहीदों के नाम स्वतंत्रता काव्य संगम आयोजित

हर घर तिरंगा व पेड़ लगाने का संकल्प

बेंगलुरु । स्वतंत्रता दिवस के पूर्व रविवार को कविता प्रभा साहित्यिक मंच पर शहीदों के नाम आनलाइन राष्ट्रीय स्वतंत्रता काव्य संगम का आयोजन संस्थापक साहित्यकार डॉ. कविता सिंह प्रभा की अध्यक्षता में किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में शहीदों को काव्यांजलि समर्पित करते हुए राष्ट्रकवि दिनकर की इन पंक्तियों से संगम का आगाज किया गया- जला अस्थियां बारी-बारी,छिटकाई जिनने चिंगारी ।जो चढ़ गए पुण्यवेदी पर,लिए बिना गर्दन का मोल,कलम आज उनकी जय बोल ...। काव्य संगम में तिरंगा, माँ भारती, स्वतंत्रता दिवस, स्वतंत्रता सेनानियों, गुमनाम सेनानियों,भारत छोड़ो आंदोलन आदि राष्ट्र भक्ति से जुड़े विषयों पर वरिष्ठ साहित्यकार राजीव गौतम,संजय गुप्त,मधु मिश्रा,उमंग सरीन,सीमा त्रिपाठी,अंजू क्वात्रा,प्रीति द्विवेदी,सुभाष सिंह,डॉ. किरण दयाल,डॉ.पुष्पा सिंह,डॉ. मंजू चौहान,कविराज यदुवंशी,सरिता सिंह, मंजू लता, सुषमा श्रीवास्तव, ममता सिंह,पंकज सिंह दिनकर,कुलदीप सिंह रुहेला,अर्चना जैन,सोनिका शर्मा,कविता पटेल,दीपा मिश्रा,रंजना मल्लिक,रिमझिम श्रीवास्तव,कंचना मिश्रा आदि कवियों एवं कवयित्रियों ने अपनी-अपनी रचनाएं मां भारती के चरणों में समर्पित कीं। पांच सत्रों में आयोजित इस काव्य संगम में बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ, दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक , छत्तीसगढ, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश आदि राज्यों के साहित्यकार शामिल हुए । स्वतंत्रता काव्य संगम ने समाज को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया ।मौके पर हर घर तिरंगा ध्वज फहराने -और एक-एक पेड़ लगाने का संकल्प लिया गया। धन्यवाद ज्ञापन एडमिन व कवि राजीव गौतम ने किया।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का प्रतीक है तिरंगा : पटेल

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविार को यहां कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय एकता, अखंडता और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का प्रतीक है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पटेल ने 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान के अंतर्गत आज अहमदाबाद महानगर पालिका की ओर से घाटलोडिया वार्ड कार्यालय से निर्णय नगर तक आयोजित की गई भव्य तिरंगा यात्रा को घाटलोडिया से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का अभिन्न हिस्सा होने के बावजूद पहले कश्मीर में तिरंगा फहराने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी हिम्मत के साथ कश्मीर में तिरंगा फहराया था। देश की भावी पीढ़ी को तिरंगा लहराने के लिए संघर्ष न करना पड़े, इसके लिए हमारे श्री नरेन्द्र मोदी और श्री अमित शाह की जोड़ी ने संघर्ष किया था। उनके मजबूत नेतृत्व में कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाकर देश को एक और अखंड बनाया गया। जिसके कारण आज कश्मीर में तिरंगा शान से लहरा रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि देश के गृह मंत्री के तौर पर श्री शाह के नेतृत्व में आज हम आतंकवादी और देश विरोधी गतिविधियों को कुचलने में सफल हुए हैं। देश भर में पुलिस बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसे अर्धसैनिक बलों सहित सुरक्षा बलों ने आज देश का गौरव बढ़ाया है।

कुमार ने सीआरसी, अहमदाबाद की नई व सुगम्य भवन का किया उद्घाटन

एजेंसी

अहमदाबाद । केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने रविवार को यहां समेकित क्षेत्रीय केंद, अहमदाबाद की नई भवन का उद्घाटन किया। डॉ. कुमार ने उद्घाटन समारोह में बोलते हुए प्रत्येक नागरिक के पूर्ण समावेशन और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। सीआरसी, अहमदाबाद दिव्यांगजनों के लिए पुनर्वास की गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने और उन तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। माननीय मंत्री जी ने कहा कि हमारा मंत्रालय देश के प्रत्येक दिव्यांगजन तक पहुंचने पर केंद्रित है। उन्होंने प्रौद्योगिकी के माध्यम से दिव्यांगजनों की शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास पर भी जोर दिया। इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ए. नारायणस्वामी, सांसद विनोद चावड़ा उपस्थित थे। अन्य गणमान्य व्यक्तियों में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल भी शामिल थे।

पूर्ण सम्मान के साथ मनायें गरिमामय स्वाधीनतादिवस : जिलाधिकारी

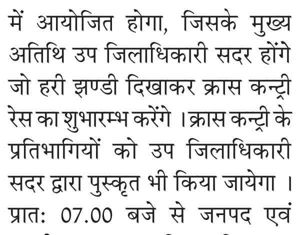

सोनभद्र । जिलाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित समारोहों - कार्यक्रमों के विवरण के बारे में सविस्तार विज्ञ कराते जिलाधिकारी चन्द्रविजय सिंह ने कहा कि 14 व 15 अगस्त रात्रि में सरकारी भवनों वगैरह को प्रकाशपुंज से आलोकित किया जायेगा, जिसके संयोजक सम्बन्धित कार्यालाध्यक्ष होंगे। आजादी के दिन 15 अगस्त को सरकारी भवनों , इमारतों ,स्वतन्त्रता से जुडे स्थलों , शहीद उद्यान परासी दूबे को भी रात्रि में प्रकाशमान किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि 15 अगस्त को सुबह 07:00 बजे क्रास कन्ट्री रेस तियरा स्टेडियम, राबर्ट्सगंज में आयोजित होगा, जिसके मुख्य अतिथि उप जिलाधिकारी सदर होंगे जो हरी झण्डी दिखाकर क्रास कन्ट्री रेस का शुभारम्भ करेंगे । क्रास कन्ट्री के प्रतिभागियों को उप जिलाधिकारी सदर द्वारा पुस्कृत भी किया जायेगा । प्रात: 07.00 बजे से जनपद एवं तहसील स्तर पर जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में प्रभातफेरी निकाली जायेगी। प्रमुख होगा प्रात: 09.15 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के सम्बोधन का लाईव प्रसारण कार्यक्रम जो कलेक्ट्रेट सभागार में दिखाया जायेगा। डीएम ने बताया कि सुबह 10.15 बजे सभी सरकारी व ग़ैर सरकारी भवनों पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान होंगें, जिसके संयोजक सभी कार्यालयाध्यक्ष होंगे तथा जिलाधिकारी द्वारा सुबह 10.15 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया जायेगा, ततपश्चात मुख्य अतिथि के सम्बोधन के पूर्व सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों को पंच प्रण की शपथ दिलायी जायेगी। रॉबर्ट्सगंज तहसील के दिवंगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पत्नियों को सम्मानित किया जायेगा, जिसके संयोजक उपजिलाधिकारी - तहसीलदार सदर सोनभद्र होंगें। प्रात: 10.15 बजे जिले के सभी स्कूलों , शिक्षण संस्थानों पर ध्वजारोहण के बाद सभी विद्यालयों पर वृक्षारोपण किया जायेगा एवं बच्चे पौध रोपण करेंगे तदुपरान्त विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम में डि-बेट , खेलकूद कार्यक्रम, विकलांगों के लिए विशेष खेलकूद का आयोजन, स्कूल चलो अभियान एवं स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में पूर्वांचल व जनपद सोनभद्र के सेनानियों का योगदान के सम्बन्ध में जानकारी, समसामयिक विषयों पर गोष्ठी होगी।

CMYK CMYK CMYK CMYK